page 1 and 8 July 19_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/19/2026 1:52 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 केवीके सांबा ने जल संरक्षण पर कार्यशाला आयोजित की

5 फीफा वर्ल्ड कप: खिताबी मुकाबले में मेसी तोड़ सकते हैं ये 5 रिकार्डस

8 बिना टिकट यात्रा पर रोक के लिए जम्मू स्टेशन पर फोर्ट्रेस चेक - 32 मामले पकड़े

मौसम जम्मू — न्यूनतम 25 — अधिकतम 36

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-180 | जम्मू तवी, रविवार 19 जुलाई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

चिनार बुक फेस्टिवल पढ़ने की संस्कृति, ज्ञान और युवाओं के सशक्तीकरण का आंदोलन है : मनोज सिन्हा

उपराज्यपाल ने चिनार पुस्तक महोत्सव में की शिरकत

"राष्ट्रीय पुस्तक न्यास और आयोजकों के प्रयासों की सराहना, जम्मू-कश्मीर को ज्ञान, संस्कृति और रचनात्मकता का राष्ट्रीय केंद्र बनाने का लक्ष्य- सिन्हा

श्रीनगर, 18 जुलाई । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज श्रीनगर में आयोजित चिनार पुस्तक महोत्सव के तीसरे संस्करण में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्रीय पुस्तक न्यास और महोत्सव के आयोजकों को इस सराहनीय पहल के लिए बधाई दी।

उपराज्यपाल ने कहा कि यह महोत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि पाठकों, लेखकों और विचारकों का एक जीवंत समुदाय तैयार करने का आंदोलन है। हमारा लक्ष्य जम्मू-कश्मीर को ज्ञान, संस्कृति और रचनात्मकता का राष्ट्रीय केंद्र बनाना है। मुझे आशा है कि यह पुस्तक महोत्सव युवाओं को प्रतिदिन पढ़ने, विलुप्त होती भाषाओं के संरक्षण तथा साहित्य के माध्यम से विविधता का सम्मान करना सिखाएगा।

उन्होंने कहा कि पुस्तकें जीवंत संवाद की तरह होती हैं। वे हमें गहराई से सोचने, प्रश्न पूछने, अपनी मान्यताओं को चुनौती देने और निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

उपराज्यपाल ने कहा कि लेखन की शक्ति का कोई मुकाबला नहीं है। जब लेखन सशक्त कल्पनाशक्ति के साथ जुड़ता है तो वह स्थायी शक्ति बन जाता है। एक सशक्त पुस्तक महोत्सव ऐसा वातावरण तैयार करता है, जहां साहित्य सभी के लिए सुलभ, प्रेरणादायक और सार्थक बन जाता है।

उन्होंने कहा कि बहुत कम समय में चिनार पुस्तक महोत्सव विचारों के एक अनूठे उत्सव के रूप में उभरकर जम्मू-कश्मीर में एक सशक्त बौद्धिक आंदोलन बन गया है। मनोज सिन्हा ने कहा, मेरे विचार में लेखक और चिंतक जलते हुए दीपक और खिले हुए गुलाब की तरह होते हैं। कई मायनों में वे भव्य चिनार वृक्ष के समान हैं। कश्मीर में चिनार धैर्य, सौंदर्य और सहनशीलता का जीवंत प्रतीक है। लेखक और उनकी पुस्तकें भी इसी स्थायी भावना का प्रतिनिधित्व करती हैं और युगों-युगों तक मानव सभ्यता का मार्गदर्शन करती हैं। हम सभी की जिम्मेदारी है कि जम्मू-कश्मीर को शिक्षा, साहित्य और युवा सशक्तिकरण के अग्रणी केंद्र के रूप में पुनः स्थापित करें। उन्होंने कहा कि चिनार पुस्तक महोत्सव अब विचारों, बहसों और ज्ञान के आदान-प्रदान का एक मजबूत राष्ट्रीय मंच बन चुका है। इसकी पहचान अब केवल पुस्तक स्टॉलों और लोकार्पण कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह नए विचारों को जन्म देने, संवाद को बढ़ावा देने और युवाओं को सशक्त बनाने का माध्यम बन गया है। उन्होंने कहा कि पिछले संस्करणों में आयोजित कार्यशालाओं, पैनल चर्चाओं और साहित्यिक संवादों ने जम्मू-कश्मीर की समृद्ध साहित्यिक परंपरा को नई ऊर्जा प्रदान की है।

उपराज्यपाल ने कहा कि इस महोत्सव के दौरान शारदा लिपि जैसी अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर को पुनर्जीवित करने का प्रेरणादायक प्रयास भी देखने को मिला। उन्होंने कहा कि एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना तमिल-कश्मीरी संवाद जैसी पहलों के माध्यम से साकार हुई है और आज यह महोत्सव क्षेत्रों, भाषाओं और पीढ़ियों को जोड़ने वाला एक मजबूत सेतु बन चुका है।

देश का पहला निजी ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 अपनी कक्षा तक पहुंचने में सफल

श्रीहरिकोटा, 18 जुलाई । देश का पहला निजी तौर पर विकसित आर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 शनिवार को अपनी लक्षित कक्षा तक पहुंचने में सफल रहा। इस प्रक्षेपण को देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

विक्रम-1 को आज दोपहर 12.05 बजे यहां के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अंतरिक्ष के लिए प्रक्षेपित किया गया था। हैदराबाद के स्काईरूट एयरोस्पेस कंपनी द्वारा विकसित इस रॉकेट की पहली परीक्षण उड़ान को मिशन आगमन नाम दिया गया।

पहले इस मिशन को सुबह 11:30 बजे लॉन्च किया जाना था, लेकिन कुछ तकनीकी कारणों के चलते इसे दोपहर 12.05 बजे प्रक्षेपित किया गया। लगभग 15 मिनट की उड़ान अवधि और सभी चरणों के सफलतापूर्वक पूरे होने बाद यान ठीक 450 किलोमीटर की ऊंचाई पर लक्षित कक्षा में पहुंच गया है।

रॉकेट के लक्षित कक्षा में पहुंचते ही भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने अन्य वैज्ञानिकों को बधाई दी। इसरो ने रॉकेट के कक्षा में पहुंचने के बाद विक्रम-1 अभियान के सफलतापूर्वक संपन्न होने की घोषणा की। इसरो ने एक्स पोस्ट में कहा, फ़यह मिशन भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और देश के अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र की बढ़ती क्षमता को दर्शाता है। इन-स्पेस और इसरो की टीमों को बधाई, जिन्होंने तकनीकी परामर्श और 24×7 सुरक्षा निगरानी के साथ-साथ प्रक्षेपण और जमीनी परीक्षण कार्यों को सक्षम और सुविधाजनक बनाया। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा परिकल्पित अंतरिक्ष क्षेत्र के सुधारों का भी प्रमाण है। इसके सफल प्रक्षेपण के बाद प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने स्काईरूट एयरोस्पेस और उसके वैज्ञानिकों को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कंपनी के सह-संस्थापक पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका से फोन पर बात कर कहा कि स्काईरूट ने आकाश में अपनी जड़ें गाड़ दी हैं और जमीन पर भी उन जड़ों को मजबूत किया है, जो देश के युवाओं को प्रेरणा देंगी। यह प्रक्षेपण भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक नए युग की शुरुआत है, क्योंकि यह देश का पहला निजी तौर पर विकसित ऑर्बिटल रॉकेट बन गया है। विक्रम-1 अपने साथ अंतरराष्ट्रीय और घरेलू तकनीकी प्रदर्शक पेलोड ले गया है। इनमें 18 कैरेट सोने का एक सूक्ष्म यान शामिल है जिसके भीतर नोबेल पुरस्कार विजेता सर सीवी रमन, डॉ. विक्रम साराभाई और पूर्व राष्ट्रपति एवं वैज्ञानिक डॉ. एपीजे. अब्दुल कलाम की सूक्ष्म कलाकृतियां हैं, जो चावल के दाने से भी छोटी हैं।

उपराज्यपाल ने विक्रम-1 के पहले कक्षीय प्रक्षेपण पर स्काईरूट एयरोस्पेस टीम को दी बधाई

श्रीनगर, 18 जुलाई । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज विक्रम-1 के सफल पहले कक्षीय प्रक्षेपण पर स्काईरूट एयरोस्पेस टीम को हार्दिक बधाई दी।

अपने बधाई संदेश में उपराज्यपाल ने कहा

कि विक्रम-1 के सफल पहले कक्षीय प्रक्षेपण पर स्काईरूट एयरोस्पेस टीम को हार्दिक बधाई। यह ऐतिहासिक उपलब्धि राष्ट्र के लिए गौरव का क्षण है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नवाचार और निजी उद्यम के माध्यम से भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र को मजबूत करने के दृष्टिकोण को दर्शाती है। मैं स्काईरूट टीम की अग्रणी भावना और समर्पण की सराहना करता हूं।

खबर संक्षेप

सरकार गर्मी की छुट्टियों को बढ़ाने पर फ़ैसला करेगी: मंत्री इट्टू

श्रीनगर, 18 जुलाई । शिक्षा मंत्री सकीना इट्टू ने शनिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर सरकार रविवार को मौसम के हालात की समीक्षा करने के बाद स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां बढ़ाने या न बढ़ाने पर अंतिम फ़ैसला लेगी।

पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार मौसम पर बारीकी से नज़र रख रही है और स्कूलों के तय समय पर दोबारा खुलने से पहले उचित फ़ैसला लेगी। इट्टू ने कहा कि गर्मी की छुट्टियों में अभी एक दिन बाकी है। हम मौसम के हालात का जायज़ा ले रहे हैं और सरकार जल्द ही छुट्टियां बढ़ाने पर फ़ैसला लेगी।

उन्होंने कहा कि छात्रों की सेहत और भलाई सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

उन्होंने आगे कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि कश्मीर में मौसम के हालात बदल रहे हैं। हमारे लिए छात्रों की सेहत किसी भी दूसरी चीज़ से ज़्यादा ज़रूरी है। सरकार ने पहले कश्मीर डिवीज़न और जम्मू डिवीज़न के विंटर ज़ोन (सर्दियों वाले इलाकों) के सभी स्कूलों के लिए 6 जुलाई से 19 जुलाई तक गर्मी की छुट्टियों का ऐलान किया था।

इस बीच मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि मौजूदा लू (हीटवेव) का दौर 19 जुलाई तक जारी रहेगा और 20 जुलाई से 23 जुलाई के बीच भारी बारिश और अचानक बाढ़ की संभावना की चेतावनी दी है।

मानसून सत्र से पहले रविवार को सर्वदलीय बैठक, नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया को आमंत्रण

नई दिल्ली, 18 जुलाई । केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने संसद के मॉनसून सत्र को सुचारू संचालन और आम सहमति बनाने के लिए 19 जुलाई (रविवार) को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। यह बैठक सुबह 11 बजे संसद भवन में आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न दलों के नेताओं के साथ राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों और पेश होने वाले विधेयकों पर चर्चा होगी।

इस बैठक में तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों को भी बुलाया गया है। एनडीए में हाल ही में शामिल हुए नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया के तृणमूल कांग्रेस छोड़ कर आए 20 सांसद शामिल हुए हैं।

बैठक में सरकार आगामी सत्र के दौरान पेश किए जाने वाले प्रमुख विधेयकों और विधायी एजेंडे की जानकारी देगी। वहीं विपक्षी दल इस बार उन मुद्दों को सामने रखेंगे, जिन्हें वे संसद में उठाना चाहते हैं।

सर्वदलीय बैठक का प्रमुख उद्देश्य सदन की कार्यवाही को सुचारू बनाए रखना, अनावश्यक गतिरोध से बचना और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक चर्चा सुनिश्चित करना है। सरकार को उम्मीद है कि सभी दलों के सहयोग से मॉनसून सत्र उत्पादक और परिणामोन्मुख रहेगा।

मुख्य सचिव ने जम्मू-कश्मीर के लिए 'डेटा प्रबंधन रणनीति' की समीक्षा की

नागरिकों को निर्बाध सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए एकीकृत डेटा इकोसिस्टम विकसित करने के दिए निर्देश

श्रीनगर, 18 जुलाई। डिजिटल सुशासन को मजबूत बनाने और नागरिकों को बिना किसी परेशानी के सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने जम्मू-कश्मीर में सभी सरकारी विभागों के लिए सुरक्षित, परस्पर समन्वित (इंटरऑपरेबल) और नागरिक-केंद्रित डेटा इकोसिस्टम विकसित करने के उद्देश्य से प्रस्तावित 'डेटा प्रबंधन रणनीति एवं कार्ययोजना' की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

इस प्रस्तावित पहल का उद्देश्य सरकारी डेटा के सुरक्षित आदान-प्रदान और समन्वय के लिए एक एकीकृत ढांचा तैयार करना है, ताकि विभाग नागरिकों से बार-बार एक ही दस्तावेज मांगने के बजाय अधिकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रमाणित जानकारी प्राप्त कर सकें। इससे विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा, रिकॉर्ड की पुनरावृत्ति समाप्त होगी, पारदर्शिता बढ़ेगी तथा कल्याणकारी योजनाओं और सार्वजनिक सेवाओं का लाभ अधिक तेज़ी और प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंच सकेगा।

बैठक में संबंधित प्रशासनिक सचिवों के अलावा आयुक्त सचिव, योजना विकास एवं निगरानी विभाग (pd&md), प्रबंध निदेशक, जम्मू-कश्मीर बैंक, महानिदेशक (अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी), राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी (nic), निदेशक योजना तथा अन्य संबंधित विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित थे।

प्रस्तावित ढांचे की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि डिजिटल युग में प्रभावी शासन की आधारशिला प्रमाणिक, मानकीकृत और सुरक्षित डेटा की उपलब्धता है।

सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा पर अमित शाह की उच्चस्तरीय समीक्षा, सीमा प्रबंधन को और मजबूत बनाने पर जोर

सिलीगुड़ी, 18 जुलाई । केंद्र में भाजपा सरकार के गठन के बाद पहली बार केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शनिवार को उत्तर बंगाल के दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा व्यवस्था का जमीनी स्तर पर निरीक्षण किया और सिलीगुड़ी स्थित राज्य के मिनी सचिवालय 'उत्तरकन्या' में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी तथा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में सीमा सुरक्षा, अवैध घुसपैठ, तस्करी, आधुनिक निगरानी तंत्र और रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) की सुरक्षा को और सुदृढ़ बनाने पर व्यापक चर्चा हुई।

गृह मंत्री शुक्रवार देर रात भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से बागडोगरा पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकारियों के साथ प्रारंभिक समीक्षा की। शनिवार सुबह अमित शाह ने डाबग्राम-फूलबाड़ी क्षेत्र से सटी भारत-बांग्लादेश सीमा का दौरा किया।

सरकार की 12 वर्षों की लगातार कोशिशों से बेहतर हुई हैं रक्षा तैयारी : राजनाथ

नयी दिल्ली 18 जुलाई । रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की आधुनिक और बेहतरीन रक्षा तैयारियों का सबूत बताते हुए कहा है कि ये तैयारी सरकार की पिछले 12 वर्षों की लगातार कोशिशों से और बेहतर हुई हैं और ये राष्ट्र सर्वोपरि तथा सेना सर्वोपरि की भावना से प्रेरित हैं।

श्री सिंह ने शनिवार को यहां एक कार्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर को भारतीय रक्षा बलों की बेमिसाल बहादुरी की याद दिलाने वाला बताया। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों ने आतंकवादियों और उन्हें पनाह देने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया, जो आतंकवाद के खिलाफ सरकार के सख्त रुख को दिखाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आतंकवाद के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस सिर्फ़ एक बयान नहीं, बल्कि कार्रवाई का एक तरीका है। उन्होंने दोहराया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ न केवल अपनी सीमा पर, बल्कि उनके गढ़ में घुसकर भी हमला करने की क्षमता रखता है।रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर जैसे मुश्किल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक पूरा करने में भारत के बदले हुए रक्षा क्षेत्र ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने इसे प्रौद्योगिकी पर आधारित युद्ध का एक शानदार उदाहरण और भारतीय उद्योगों पर सरकार के भरोसे का सबूत बताया। उन्होंने कहा, ऑपरेशन के दौरान आकाश तीर, आकाश मिसाइल सिस्टम और ब्रह्मोस जैसे एडवांस्ड सिस्टम के साथ-साथ कई अन्य अत्याधुनिक उपकरणों का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया गया। यह सब पिछले 12 वर्षों में रखी गई मज़बूत नींव की वजह से संभव हुआ है।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ज़िक्र करते हुए श्री राजनाथ सिंह ने बताया कि रक्षा बलों द्वारा अब तक रक्षा साजो सामान के स्वदेशीकरण से संबंधित पांच सकारात्मक सूची जारी की गई हैं जिनमें 509 उपकरण शामिल हैं। इसके अलावा, रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा भी पांच ऐसी सूचियां जारी की गई हैं जिनमें 5,012 उपकरण शामिल हैं। उन्होंने कहा, जैसे-जैसे हम एक आत्मनिर्भर और सशक्त रक्षा क्षेत्र बनाने की दिशा में दृढ़ संकल्प और व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ रहे हैं, इस विज़न को और गति देने के लिए जल्द ही एक और सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची जारी की जाएगी।

आत्मनिर्भरता के लिए लगातार की जा रही कोशिशों से मिले अछे परिणामों का ज़िक्र करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि सालाना रक्षा उत्पादन, जो 2014 में लगभग 40,000 करोड़ रुपये था, वह वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 1.78 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि रक्षा निर्यात, जो वित्त वर्ष 2013-14 में 686 करोड़ रुपये था, अब 38,000 करोड़ रुपये के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर को पार कर गया है।

वांगचुक की हालत स्थिर, लेकिन इलाज से किया इनकार : सफदरजंग अस्पताल

नयी दिल्ली, 18 जुलाई । बीस दिन से भूख हड़ताल पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को शनिवार सुबह दिल्ली पुलिस सफदरजंग अस्पताल लेकर पहुंची, जहां चिकित्सकों ने उनके शरीर में निर्जलीकरण (डिहाइड्रेशन) और पोटेशियम की कमी के लक्षण पाए। उन्होंने नस के जरिए (आईवी) तरल, ओआरएस जैसे पेय तथा अन्य दवाएं लेने से इनकार कर दिया है।

अस्पताल की ओर से जारी स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार, वांगचुक को सुबह 7:40 बजे वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज (वीएमएमसी) एवं सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। भर्ती के समय वह पूरी तरह सचेत थे तथा उनकी नाड़ी, रक्तचाप और ऑक्सीजन संतृप्ति सामान्य पायी गयी। बेहोशी की कोई घटना सामने नहीं आयी।

बुलेटिन के अनुसार, जांच में शरीर में पानी की कमी के संकेत मिले। रक्त गैस विश्लेषण में फ़कम्पेन्सेटेड एसिडोसिसफ़ तथा सीरम पोटेशियम का स्तर कम पाया गया। रक्त शर्करा का स्तर 78 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर दर्ज किया गया। दोबारा जांच में भी पोटेशियम का स्तर कम ही मिला।

अस्पताल ने बताया कि भर्ती के समय मूत्र में कीटोन का स्तर एक था, जो दोपहर एक बजे तक बढ़कर तीन हो गया। चिकित्सकों ने उन्हें अंतःशिरा तरल देने की सलाह दी, लेकिन उन्होंने आईवी फ्लूइड, ओआरएस और अन्य सभी दवाएं लेने से इनकार कर दिया। अस्पताल के अनुसार उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और उनके स्वास्थ्य हित में उपचार स्वीकार करने के लिए उन्हें लगातार परामर्श दिया जा रहा है। इस बीच, सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजली अंगमो ने कहा कि उनकी मर्जी के बिना उनके पति को कुछ भी न खिलाया जाये। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, मैं दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में हूं, जहां सोनम वांगचुक को भर्ती कराया गया है। मेरी, उनके परिवार और 20 दिनों से उनकी निगरानी कर रहे डॉक्टरों की सहमति के बिना उन्हें मुंह से या नस के ज़रिए कोई भी दवा या चीज़ नहीं दी जानी चाहिए।फ़उल्लेखनीय है कि दिल्ली पुलिस ने भूख हड़ताल पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से शनिवार सुबह हटाकर सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कर दिया। वह शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के साथ भूख हड़ताल पर बैठे थे। श्री वांगचुक के अनशन का आज 21वां दिन था और उनका वजन नौ किलो से ज्यादा घट गया था। उनके प्रति समर्थन व्यक्त करने के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों के नेता जंतर-मंतर पर जाकर उनसे मिले थे।

शहीद को सलाम-अब शहीद कैप्टन सुनील कुमार चौधरी के नाम से जाना जाएगा कठुआ रेलवे स्टेशन

कठुआ, 18 जुलाई (हि.स.)। कठुआ रेलवे स्टेशन का नाम आधिकारिक तौर पर बदलकर अब शहीद कैप्टन सुनील कुमार चौधरी कठुआ कर दिया गया है। इस संबंध में उत्तरी रेलवे द्वारा आधिकारिक आदेश जारी कर दिया गया है जिसके अनुसार स्टेशन का नया अल्फा कोड एमएसकेटी निर्धारित किया गया है और यह परिवर्तन तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

जारी सर्कुलर के अनुसार पहले कठुआ केटीएचयू के नाम से जाने जाने वाले स्टेशन को अब शहीद कैप्टन सुनील कुमार चौधरी के नाम से जाना जाएगा। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि स्टेशन से संबंधित अन्य विवरण यथावत रहेंगे केवल नाम और कोड में बदलाव किया गया है। इस महत्वपूर्ण निर्णय पर शनिवार को आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान शहीद कैप्टन सुनील चौधरी के अभिभावकों तथा भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह का आभार व्यक्त किया।

युवा नेता राजेश मेहता ने अपने संबोधन में बताया कि बीते कई वर्षों से कठुआ रेलवे स्टेशन का नाम शहीद कैप्टन सुनील चौधरी के नाम पर रखने की मांग उठ रही थी। इस दौरान विभिन्न स्तरों पर प्रक्रिया, सर्वे और औपचारिकताएं पूरी की गईं। कुछ आपत्तियों और चर्चाओं के बाद रेलवे मंत्रालय द्वारा मामले की समीक्षा की गई जिसके उपरांत अब यह निर्णय आधिकारिक रूप से लागू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह न केवल कठुआ जिले बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है कि एक वीर शहीद के नाम पर रेलवे स्टेशन का नामकरण किया गया है। इससे आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति और बलिदान की प्रेरणा मिलेगी।

स्थानीय लोगों ने भी इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे शहीद के सम्मान में एक ऐतिहासिक कदम बताया है।

साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया

अर्जुन से बदला लेने के लिए जब कर्ण के तूणीर में पहुंचा एक जहरीला सर्प

महाभारत से इतर भी हमें महाभारत के संबंध में कुछ कथाएं मिलती हैं। उन्हीं में से एक कथा है कर्ण और सर्प के बारे में। लोककथाओं के अनुसार माना जाता है कि युद्ध के दौरान कर्ण के तूणीर में कहीं से एक बहुत ही जहरीला सर्प आकर बैठ गया। तूणीर अर्थात जहां तीर रखते हैं, जिसे तरकश भी कहते हैं। यह पीछे पीठ पर बंधी होती है। कर्ण ने जब एक तीर निकालना चाहा तो तीर की जगह यह सर्प उनके हाथ में आ गया। कर्ण ने पूछा, तुम कौन हो और यहां कहां से आ गए। तब सर्प ने कहा, हे दानवीर कर्ण, मैं अर्जुन से बदला लेने के लिए आपके तूणीर में जा बैठा था। कर्ण ने पूछा, क्यों?

इस पर सर्प ने कहा, राजन! एक बार अर्जुन ने खांडव वन में आग लगा दी थी। उस आग में मेरी माता जलकर मर गई थी, तभी से मेरे मन में अर्जुन के प्रति विद्रोह है। मैं उससे प्रतिशोध लेने का अवसर देख रहा था। वह अवसर मुझे आज मिला है। कुछ रुककर सर्प फिर बोला, आप मुझे तीर के स्थान पर चला दें। मैं सीधा अर्जुन को जाकर डस लूंगा और कुछ ही क्षणों में उसके प्राण-पखेरू उड़ जाएंगे।

सर्प की बात सुनकर कर्ण सहजता से बोले, हे सर्पराज, आप गलत कार्य कर रहे हैं। जब अर्जुन ने खांडव वन में आग लगाई होगी तो उनका उद्देश्य तुम्हारी माता को जलाना कभी न रहा होगा। ऐसे में मैं अर्जुन को दोषी नहीं मानता। दूसरा अनैतिक तरह से विजय प्राप्त करना मेरे संस्कारों में नहीं है इसलिए आप वापस लौट जाएं और अर्जुन को कोई नुकसान न पहुंचाएं। यह सुनकर सर्प वहां से उड़ गया। यदि कर्ण सर्प की बात मान लेते तो क्या होता?

विंध्याचल पर्वत माला का पौराणिक महत्व

यह पर्वत प्राचीन भारत के सप्तकुल पर्वतों में से एक है। विंध्य' शब्द की व्युत्पत्ति 'विध' धातु से कही जाती है। भूमि को बेध कर यह पर्वतमाला भारत के मध्य में स्थित है। यही मूल कल्पना इस नाम में निहित जान पड़ती है। विंध्य की गणना सप्तकुल पर्वतों में है। विंध्य का नाम पूर्व वैदिक साहित्य में नहीं है। इस पर्वत श्रंखला का वेद, महाभारत, रामायण और पुराणों में कई जगह उल्लेख किया गया है। विंध्य पहाड़ों की रानी विंध्यवासिनी माता है। मां विंध्यवासिनी देवी मंदिर (मिरजापुर, उप्र.) श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केन्द्र है। देश के 51 शक्तिपीठों में से एक है विंध्याचल। विध्यांचल पर्वतश्रेणी पहाड़ियों की टूटी-फूटी श्रृंखला है, जो भारत की मध्यवर्ती उच्च भूमि का दक्षिणी कगार बनाती है। यह पर्वतमाल भारत के पश्चिम-मध्य में स्थित प्राचीन गोलाकार पर्वतों की श्रेणियां है, जो भारत उपखंड को उत्तरी भारत व दक्षिणी भारत में बांटती है। इस पर्वतमाला का विस्तार उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, बिहार तक लगभग 1,086 किमी.तक विस्तृत फैला है। हालांकि इसकी कई छोटी बड़ी पहाड़ियों को विकास का नाम पर काट दिया गया है। इन श्रेणियों में बहुमूल्य हीरे युक्त एक भ्रंशीय पर्वत भी हैं।

इसकी प्रमुख नदियां : पहाड़ों के कटने से यहां से निकलने वाली नदियों का अस्तित्व भी संकट में है। विंध्य पर्वत में से उद्गम पाने वाली नदियां- शिप्रा या भद्रा (सिप्रा), पयोष्णी, निर्विंध्या (नेबुज), तापी निषधा या निषधावती (सिंद), वेण्वा या वेणा (वेणगंगा), वैतरणी (बैत्रणी), सिनीवाली या शिति बाहू, कुमुद्वती (स्वर्ण रेखा), करतोया या तोया (ब्राह्मणी), महागौरी (दामोदर), और पूर्णा, शोण (सोन), महानद (महानदी) और नर्मदा। मध्यप्रदेश और गुजरात की सरकार ने मिलकर सबसे बड़ी नर्मदा नदी की हत्या कर दी है। इस एक नदी के कारण संपूर्ण मध्यप्रदेश और गुजरात के जंगल हरे भरे और पशु पक्षी जीवंत रहते थे। लेकिन अब बांध बनाकर एक ओर जहां नदी के जलचर जंतु मर गए है।

प्राकृतिक संपदा : भारत में पर्यावरण विनाश की सीमा अरावली पर्वत श्रेणियों और पश्चिम के घाटों तक ही सीमित नहीं हैं, मध्यक्षेत्र में भी बेतरतीब ढंग से जारी रहकर प्राकृतिक संपदाओं के दोहन के कारण सतपुड़ा और विंध्याचल की पर्वत श्रेणियां तो खतरे में हैं ही अनेक जीवनदायी नदियों का वजूद भी संकट में है। वे लोग देशद्रोही है जो अपनी ही धरती को छलनी कर उसे विकास के नाम पर नष्ट कर रहे हैं।

पुराणों अनुसार : इसके अंतर्गत रोहतासगढ़, चुनारगढ़, कलिंजर आदि अनेक दुर्ग हैं तथा चित्रकूट, विन्ध्याचल आदि अनेक पावन तीर्थ हैं। पुराणों के अनुसार इस पर्वत ने सुमेरू सेर् ईष्या रखने के कारण सूर्यदेव का मार्ग रोक दिया था और आकाश तक बढ़ गया था, जिसे अगस्त्य ऋषि ने नीचे किया। यह शरभंग, अगस्त्य इत्यादि अनेक श्रेष्ठ ऋषियों की तप :स्थली रहा है। हिमालय के समान इसका भी धर्मग्रंथों एवं पुराणों में विस्तृत उल्लेख मिलता है।

अगस्त्य मुनि : दक्षिण भारत और हिदु महासागर से संबंधि अगस्ति (अगस्त्य) मुनि की गाथा है। उन्होंने विंध्याचल के बीच से दक्षिण का मार्ग निकाला। किंविदंती है कि विंध्याचलपर्वत ने उनके चरणों पर झुककर प्रणाम किया। उन्होंने आशीर्वाद देकर कहा कि जब तक वे लौटकर वापस नहीं आते, वह इसी प्रकार झुका खड़ा रहे। वह वापस लौटकर नहीं आए और आज भी विंध्याचल पर्वत वैसे ही झुका उनकी प्रतीक्षा कर रहा है।

विंध्याचल के जंगल : विंध्यांचल पर्वत श्रेणियों के दोनों तरफ घने जंगल हैं, जो अब शहरी आबादी और विकास के चलते काट दिए गए हैं। अन जंगलों में शेर, चीते, भालु, बंदर, हिरणों के कई झुंड होते थे जो अब दर बदर हैं। अब चंबल, सतपुड़ा और मालवा के पठारी इलाके में ही कुछ जंगल बचे हैं। यहां की पर्वतों की कंदराओं में कई प्राचीन ऋषियों के आश्रम आज भी मौजूद हैं। यह क्षेत्र पहले ऋषि मुनियों का तप स्थल हुआ करता था। पर्वतों की कंदराओं में साधना स्थल, दुर्लभ शैल चित्र, पहाड़ों से अनवरत बहती जल की धारा, गहरी खाईयां और चारों ओर से घिरे घनघोर जंगलों पर अब संकट के बादल घिर गए हैं। यहीं पर भीम बैठका जैसी गुफाएं हैं।

शिव को क्यों प्रिय है भस्म?

शिवजी के पूजन में भस्म अर्पित करने का विशेष महत्व है। बारह ज्योर्तिलंग में से एक उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर में प्रतिदिन भस्म आरती विशेष रूप से की जाती है। यह प्राचीन परंपरा है। आइए जानते है शिवपुराण के अनुसार शिवलिंग पर भस्म क्यों अर्पित की जाती है। भगवान शिव अद्भुत व अविनाशी हैं। भगवान शिव जितने सरल हैं, उतने ही रहस्यमयी भी हैं। भोलेनाथ का रहन-सहन, आवास, गण आदि सभी देवताओं से एकदम अलग हैं। शास्त्रों में एक ओर जहां सभी देवी-देवताओं को सुंदर वस्त्र और आभूषणों से सुसज्जित बताया गया है, वहीं दूसरी ओर भगवान शिव का रूप निराला ही बताया गया है। शिवजी सदैव मृगचर्म (हिरण की खाल) धारण किए रहते हैं और शरीर पर भस्म (राख) लगाए रहते हैं। शिवजी का प्रमुख वस्त्र भस्म यानी राख है, क्योंकि उनका पूरा शरीर भस्म से ढंका रहता है। शिवपुराण के अनुसार भस्म सृष्टि का सार है, एक दिन संपूर्ण सृष्टि इसी राख के रूप में परिवर्तित हो जानी है। ऐसा माना जाता है कि चारों युग (त्रेता युग, सत युग, द्वापर युग और कलियुग) के बाद इस सृष्टि का विनाश हो जाता है और पुन: सृष्टि की रचना ब्रह्माजी द्वारा की जाती है। यह क्रिया अनवरत चलती रहती है। इस सृष्टि के सार भस्म यानी राख को शिवजी सदैव धारण किए रहते हैं। इसका यही अर्थ है कि एक दिन यह संपूर्ण सृष्टि शिवजी में विलीन हो जानी है। शिवपुराण के लिए अनुसार भस्म तैयार करने के लिए कपिला गाय के गोबर से बने कंडे, शमी, पीपल, पलाश, बड़, अमलतास और बेर के वृक्ष की लकड़ियों को एक साथ जलाया जाता है। इस दौरान उचित मंत्रोच्चार किए जाते हैं। इन चीजों को जलाने पर जो भस्म प्राप्त होती है, उसे कपड़े से छान लिया जाता है। इस प्रकार तैयार की गई भस्म शिवजी को अर्पित की जाती है। ऐसा माना जाता है कि इस प्रकार तैयार की गई भस्म को यदि कोई इंसान भी धारण करता है तो वह सभी सुख-सुविधाएं प्राप्त करता है। शिवपुराण के अनुसार ऐसी भस्म धारण करने से व्यक्ति का आकर्षण बढ़ता है, समाज में मान-सम्मान प्राप्त होता है। अत: शिवजी को अर्पित की गई भस्म का तिलक लगाना चाहिए। जिस प्रकार भस्म यानी राख से कई प्रकार की वस्तुएं शुद्ध और साफ की जाती है, ठीक उसी प्रकार यदि हम भी शिवजी को अर्पित की गई भस्म का तिलक लगाएंगे तो अक्षय पुण्य की प्राप्ति होगी और कई जन्मों के पापों से मुक्ति मिल जाएगी।

भस्म की यह विशेषता होती है कि यह शरीर के रोम छिद्रों को बंद कर देती है। इसे शरीर पर लगाने से गर्मी में गर्मी और सर्दी में सर्दी नहीं लगती। भस्म, त्वचा संबंधी रोगों में भी दवा का काम भी करती है। शिवजी का निवास कैलाश पर्वत पर बताया गया है, जहां का वातावरण एकदम प्रतिकूल है। इस प्रतिकूल वातावरण को अनुकूल बनाने में भस्म महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भस्म धारण करने वाले शिव संदेश देते हैं कि परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लेना चाहिए। जहां जैसे हालात बनते हैं, हमें भी स्वयं को उसी के अनुरूप बना लेना चाहिए।

क्यों लगाते हैं भोलेनाथ शरीर पर भस्म, कैसे बनती है भस्मार्ती की भस्म

भगवान शिव ने अपने तन पर जो भस्म रमाई है वह उनकी पत्नी सती की चिता की भस्म थी जो कि अपने पिता द्वारा भगवान शिव के अपमान से आहत हो वहां हो रहे यज्ञ के हवनकुंड में कूद गई थी। भगवान शिव को जब इसका पता चला तो वे बहुत बेचैन हो गये। जलते कुंड से सती के शरीर को निकालकर प्रलाप करते हुए ब्रह्माण्ड में घूमते रहे। उनके क्रोध व बेचैनी से सृष्टि खतरे में पड़ गई। जहां जहां सती के अंग गिरे वहां शक्तिपीठ की स्थापना हो गई। पिर भी शिव का संताप जारी रहा। तब श्री हरि ने सती के शरीर को भस्म में परिवर्तित कर दिया। शिव विरह की अग्नि में भस्म को ही उनकी अंतिम निशानी के तौर पर तन पर लगा लिया। पहले भगवान श्री हरि ने देवी सती के शरीर को छिन्न भिन्न कर दिया था। जहां जहां उनके अंग गिरे वहीं शक्तिपीठों की स्थापना हुई। लेकिन पुराणों में भस्म का विवरण भी मिलता है। भगवान शिव के तन पर भस्म रमाने का एक रहस्य यह भी है कि राख विरक्ति का प्रतीक है। भगवान शिव चूंकि बहुत ही लौकिक देव लगते हैं। कथाओं के माध्यम से उनका रहन-सहन एक आम सन्यासी सा लगता है। एक ऐसे ऋषि सा जो गृहस्थी का पालन करते हुए मोह माया से विरक्त रहते हैं और संदेश देते हैं कि अंत काल सब कुछ राख हो जाना है। एक रहस्य यह भी हो सकता है चूंकि भगवान शिव को विनाशक भी माना जाता है। ब्रह्मा जहां सृष्टि की निर्माण करते हैं तो विष्णु पालन-पोषण लेकिन जब सृष्टि में नकारात्मकता बढ़ जाती है तो भगवान शिव विध्वंस कर डालते हैं। विध्वंस यानि की समाप्ति और भस्म इसी अंत इसी विध्वंस की प्रतीक भी है। शिव हमेशा याद दिलाते रहते हैं कि पाप के रास्ते पर चलना छोड़ दें अन्यथा अंत में सब राख ही होगा।

महाकाल की भस्मार्ती

उज्जैन स्थित महाकालेश्वर की भस्मार्ती विश्व भर में प्रसिद्ध है। ऐसी मान्यता है कि वर्षों पहले श्मशान भस्म से भूतभावन भगवान महाकाल की भस्म आरती होती थी लेकिन अब यह परंपरा खत्म हो चुकी है और अब कंडे की भस्म से आरती-श्रृंगार किया जा रहा है। वर्तमान में महाकाल की भस्म आरती में कपिला गाय के गोबर से बने औषधियुक्त उपलों में शमी, पीपल, पलाश, बड़, अमलतास और बेर की लकड़ियों को जलाकर बनाई भस्म का प्रयोग किया जाता है। जलते कंडे में जड़ीबूटी और कपूर-गुगल की मात्रा इतनी डाली जाती है कि यह भस्म ना सिर्फ सेहत की दृष्टि से उपयुक्त होती है बल्कि स्वाद में भी लाजवाब हो जाती है। श्रौत, स्मार्त और लौकिक ऐसे तीन प्रकार की भस्म कही जाती है। श्रुति की विधि से यज्ञ किया हो वह भस्म श्रौत है, स्मृति की विधि से यज्ञ किया हो वह स्मार्त भस्म है तथा कण्डे को जलाकर भस्म तैयार की हो वह लौकिक भस्म है। शिव का शरीर पर भस्म लपेटने का दार्शनिक अर्थ यही है कि यह शरीर जिस पर हम घमंड करते हैं, जिसकी सुविधा और रक्षा के लिए ना जाने क्या-क्या करते हैं एक दिन इसी इस भस्म के समान हो जाएगा। शरीर क्षणभंगुर है और आत्मा अनंत। कई सन्यासी तथा नागा साधु पूरे शरीर पर भस्म लगाते हैं। यह भस्म उनके शरीर की कीटाणुओं से तो रक्षा करता ही है तथा सब रोम कूपों को ढंककर ठंड और गर्मी से भी राहत दिलाती है। रोम कूपों के ढंक जाने से शरीर की गर्मी बाहर नहीं निकल पाती इससे शीत का अहसास नहीं होता और गर्मी में शरीर की नमी बाहर नहीं होती। इससे गर्मी से रक्षा होती है। मच्छर, खटमल आदि जीव भी भस्म रमे शरीर से दूर रहते हैं।

कैसे हुई भीष्म पितामह की पराजय

महाभारत युद्ध के दसवें दिन भी भीष्म पितामह ने पांडवों की सेना में भयंकर मारकाट मचाई। यह देखकर युधिष्ठिर ने अर्जुन से भीष्म पितामह को रोकने के लिए कहा। अर्जुन शिखंडी को आगे करके भीष्म से युद्ध करने पहुंचे। शिखंडी को देखकर भीष्म ने अर्जुन पर बाण नहीं चलाए और अर्जुन अपने तीखे बाणों से भीष्म पितामह को बींधने लगे। इस प्रकार बाणों से छलनी होकर भीष्म पितामह सूर्यास्त के समय अपने रथ से गिर गए। उस समय उनका मस्तक पूर्व दिशा की ओर था। उन्होंने देखा कि इस समय सूर्य अभी दक्षिणायन में है, अभी मृत्यु का उचित समय नही हैं, इसलिए उन्होंने उस समय अपने प्राणों का त्याग नहीं किया।

युधिष्ठिर को दिया धर्म ज्ञान

महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर से कहा कि इस समय पितामह भीष्म बाणों की शैय्या पर हैं। आप उनके पास चलकर उनके चरणों को प्रणाम कीजिए और आपके मन में जितने भी संदेह हो, उनके बारे में पूछ लीजिए। श्रीकृष्ण की बात मानकर युधिष्ठिर भीष्म पितामह के पास गए और उनसे धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का ज्ञान प्राप्त किया। युधिष्ठिर को ज्ञान देने के बाद भीष्म पितामह ने उनसे कहा कि अब तुम जाकर न्यायपूर्वक शासन करो, जब सूर्य उत्तरायण हो जाए, उस समय फिर मेरे पास आना।

ऐसे त्यागे भीष्म पितामह ने अपने प्राण

जब सूर्यदेव उत्तरायण हो गए तब युधिष्ठिर सहित सभी लोग भीष्म पितामह के पास पहुंचे। उन्हें देखकर भीष्म पितामह ने कहा कि इन तीखे बाणों पर शयन करते हुए मुझे 58 दिन हो गए हैं। उन्होंने श्रीकृष्ण को संबोधित करते हुए कहा कि अब मैं प्राणों का त्याग करना चाहता हूं। ऐसा कहकर भीष्मजी कुछ देर तक चुपचाप रहे। इसके बाद वे मन सहित प्राणवायु को क्रमश: भिन्न-भिन्न धारणाओं में स्थापित करने लगे। भीष्मजी का प्राण उनके जिस अंग को त्यागकर ऊपर उठता था, उस अंग के बाण अपने आप निकल जाते और उनका घाव भी भर जाता। भीष्मजी ने अपने देह के सभी द्वारों को बंद करके प्राण को सब ओर से रोक लिया, इसलिए वह उनका मस्तक (ब्रह्म रंध्र) फोड़कर आकाश में चला गया। इस प्रकार महात्मा भीष्म के प्राण आकाश में विलीन हो गए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

वुलर- मानसबल विकास प्राधिकरण ने एक दिवसीय जल क्रीड़ा महोत्सव किया आयोजन

श्रीनगर, 18 जुलाई (हि.स.)। वुलर-मानसबल विकास प्राधिकरण ने आज सुरम्य मानसबल झील पर एक दिवसीय मानसबल जल क्रीड़ा महोत्सव का आयोजन किया।

यह आयोजन स्थानीय पर्यटन खेल समूह - स्विम एन सर्वाइवल सोसाइटी कश्मीर (एसएसएसके) के सहयोग से आयोजित किया गया था।

महोत्सव में लगभग 200 स्कूली बच्चों, खिलाड़ियों और जल क्रीड़ा प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जिससे यह हाल के समय में झील पर आयोजित सबसे बड़े जल क्रीड़ा आयोजनों में से एक बन गया।

इस आयोजन में ओपन वाटर स्विमिंग, कयाकिंग, पैडल बोट रेस, स्थानीय नाविकों के लिए शिकारा रेस और अन्य रोमांचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस महोत्सव का उद्देश्य जल मनोरंजन गतिविधियों को बढ़ावा देना, स्वस्थ बाहरी मनोरंजन को प्रोत्साहित करना और मानसबल झील की पर्यटन और खेल क्षमता को प्रदर्शित करना था।विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को बाद में मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. अहसानुल हक चिश्ती द्वारा सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए सीईओ ने सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को बधाई दी और क्षेत्र में जल मनोरंजन गतिविधियों और साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए डब्ल्यूएमडीए की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएमडीए भविष्य में भी ऐसे आयोजन करता रहेगा। स्विम एन सरवाइव सोसाइटी को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए सीईओ ने मानसबल झील को जल मनोरंजन गतिविधियों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से भविष्य की पहलों के लिए प्राधिकरण के निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया।

केवीके सांबा ने जल संरक्षण पर कार्यशाला आयोजित की

कृषि में जल संरक्षण और जलवायु-अनुकूल तकनीकों को अपनाने के लिए महिला किसानों को किया गया प्रेरित- प्रो. संजय खजूरिया

सांबा, 18 जुलाई। शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू की इकाई कृषि विज्ञान केंद्र (द्म1द्म), सांबा ने मुख्य वैज्ञानिक (एग्रोफॉरेस्ट्री) एवं प्रमुख, केवीके सांबा प्रो. संजय खजूरिया के गतिशील नेतृत्व में जल संरक्षण विषय पर एक व्यापक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में बड़ी संख्या में महिला किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा वैज्ञानिकों के साथ संवाद कर जल संरक्षण और जलवायु-अनुकूल कृषि पद्धतियों से संबंधित व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की।इस अवसर पर प्रो. संजय खजूरिया ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के वर्तमान दौर में जल संरक्षण सतत कृषि की आधारशिला बन गया है। उन्होंने किसानों से वैज्ञानिक जल प्रबंधन, वर्षा जल संचयन, जल की बचत करने वाली सिंचाई तकनीकों तथा एकीकृत कृषि प्रणाली को अपनाने का आह्वान किया, ताकि जल उपयोग दक्षता बढ़ाई जा सके और कृषि को दीर्घकालिक रूप से टिकाऊ बनाया जा सके। उन्होंने किसानों की आजीविका में सुधार के लिए आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रसार में केवीके सांबा की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

मुख्य वैज्ञानिक (बागवानी) डॉ. नीरजा शर्मा ने वर्षा ऋतु में फलदार पौधों के रोपण पर व्याख्यान दिया। उन्होंने उपयुक्त फल फसलों के चयन, गड्ढों की वैज्ञानिक तैयारी, पौधरोपण की विधि, पोषक तत्व प्रबंधन तथा रोपण के बाद देखभाल के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी, जिससे बागों की बेहतर स्थापना और अधिक उत्पादन सुनिश्चित किया जा सके।

वरिष्ठ वैज्ञानिक (कीट विज्ञान) डॉ. सौरव गुप्ता ने वर्षा ऋतु में खरीफ फसलों में लगने वाले कीटों के प्रबंधन पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने प्रमुख कीटों की पहचान, उनके नियंत्रण तथा एकीकृत कीट प्रबंधन (द्बश्वद्ब) तकनीकों को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने पर्यावरण-अनुकूल एवं जैविक उपायों के माध्यम से कीट नियंत्रण करने तथा रासायनिक कीटनाशकों के अंधाधुंध उपयोग से बचने की सलाह दी।

वैज्ञानिक (कृषि प्रसार) डॉ. अजय कुमार ने कृषि क्षेत्र में डिजिटल मीडिया की बढ़ती संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को मोबाइल ऐप, सोशल मीडिया, ऑनलाइन परामर्श सेवाओं तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग कर मौसम संबंधी जानकारी, बाजार भाव, सरकारी योजनाओं और आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया, जिससे वे बेहतर निर्णय ले सकें।

वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान) डॉ. शालिनी खजूरिया ने कृषि उत्पादन बढ़ाने में विभिन्न जैव उर्वरकों (बायोफर्टिलाइजर) की भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जैव उर्वरकों के उपयोग से मिट्टी की उर्वरता, पोषक तत्वों की उपलब्धता, फसल उत्पादकता और पर्यावरणीय संतुलन में सुधार होता है तथा रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है। उन्होंने खेतों में विभिन्न जैव उर्वरकों के उचित उपयोग की व्यावहारिक जानकारी भी साझा की।

कार्यक्रम के अंत में एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें महिला किसानों ने विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका वैज्ञानिकों ने संतोषजनक उत्तर दिया। प्रतिभागियों ने केवीके सांबा द्वारा समयानुकूल एवं किसानों की आवश्यकताओं पर आधारित ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की सराहना की, जो सतत कृषि और प्राकृतिक संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन को बढ़ावा देते हैं।

अंत में डॉ. सौरव गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए प्रो. संजय खजूरिया के दूरदर्शी नेतृत्व, सभी वैज्ञानिकों के तकनीकी मार्गदर्शन तथा महिला किसानों की सक्रिय भागीदारी और वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाने की प्रतिबद्धता के लिए आभार व्यक्त किया।

डोगरी साहित्य सभा में रूट राड़े दा तेयार मनाया गया

जम्मू, 18 जुलाई। आज डोगरी साहित्य सभा में रूट राड़े तेयार मनाया गया ऐ। इस कार्यक्रम के मुख परोने श्री युदवीर सेठी एमएलए विदायक थे। प्रधानता श्री सुभाष सुम्बडिया ने की। विधायक ने डोगरा कल्चर का उदघाटन किया। रूट राड़े दे गीत दी शुरूआत उड़ मेरी कुजडीये सोन आया। गायक शीलो देवी साथनां गायक सरसवती ते साथनां कनें गुडी देवी शामल हियां। मुशायरे दी शुरूआत डोगरा देसा दे तेयार कनें
शुरूआत होई। महाकवि श्री रणधीर सिंह रैपरीया, कनें जनकराज भगत, अशोक शर्मा, संसार चंद कलोत्रा, गदर्व सिंह, बिशन दास लंगेह, योगराज, रामपाल, राजकुमार, मौहिंद नाथ। विशाल डोगरा, प्रशोतम, नीना देवी, सोनका, अनुराधा, सुनिता देवी, डिंपी ते रीता देवी, रिनु देवी, भारती देवी, अंजु बाला, दिपक सुंबरीया, अमित सिंह सलाथिया कनें जेएंडके कल्चर अकैडमी दा मता सहयोग रेया ऐ। संजे मैहता प्रशोतम कुमार डोगरी आडिटर रीता कतयार और शामल हिंया। आखिर सुभाष सुम्बडिया उरें सारे परोनें धनवाद किता ऐ।

जिला विकास आयुक्त ने जम्मू कश्मीर ग्रामीण रोजगार सृजन योजना आवेदकों का साक्षात्कार किया आयोजित

अनंतनाग, 18 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर खादी और ग्राम उद्योग बोर्ड अनंतनाग ने आज जिला विकास आयुक्त कार्यालय अनंतनाग में जम्मू-कश्मीर ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत आवेदकों का साक्षात्कार आयोजित किया। गवाही सत्र जिला विकास आयुक्त डॉ. बिलाल मोहिउद्दीन भट की अध्यक्षता में सीपीओ, प्रतिनिधि जीएम डीआईसी, डीओ केवीआईबी, एलडीएम और जिला स्तरीय कार्य बल समिति के अन्य सदस्यों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। गवाही सत्र से पहले कुल 30 ऑनलाइन आवेदनों पर विचार किया गया। इनमें से 25 उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए उपस्थित हुए और निर्धारित औपचारिकताओं को पूरा करने के अधीन जेकेआरईजीपी योजना के तहत उन्हें मंजूरी दी गई।डीडीसी ने इच्छुक उद्यमियों को स्वरोजगार उद्यम स्थापित करने और सक्रिय रोजगार प्रदाता बनने के लिए जेकेआरईजीपी योजना का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह योजना रोजगार सृजन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जिला प्रशासन की ओर से लाभार्थियों को ऋण सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करके सतत आजीविका के अवसर और उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए जिला उपायुक्त ने कहा कि कई स्वरोजगार सरकारी योजनाएं लागू की जा रही हैं और उन्होंने सदस्यों को योजना के नियमों और दिशानिर्देशों के अनुरूप स्वीकृति प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया।

बनी में केंद्रीय विद्यालय स्थापना की तैयारी तेज, डीसी ने साइट का किया निरीक्षण

बनी, 18 जुलाई (हि.स.)। डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने शनिवार को केवीएस जम्मू क्षेत्र के डिप्टी कमिश्नर हर्षित मिश्रा के साथ बनी में प्रस्तावित केंद्रीय विद्यालय के लिए चिन्हित स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने 50 कनाल भूमि की उपयुक्तता पहुंच मार्ग और आवश्यक बुनियादी ढांचे का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय बनी में केंद्रीय विद्यालय के अस्थायी संचालन हेतु चल रहे मरम्मत कार्यों की प्रगति भी देखी गई और इसे शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए ताकि पढ़ाई समय पर शुरू हो सके।

पुलिस ने महिला ड्रग तस्कर की 21 लाख रुपये की संपत्ति ज़ब्त की

सांबा 18 जुलाई (हि.स.)। नशा मुक्त अभियान के तहत ड्रग नेटवर्क के खिलाफ़ कार्रवाई जारी रखते हुए सांबा पुलिस ने कुख्यात महिला ड्रग तस्कर शीमा बीबी पिता रहमत अली निवासी फांगसल बिश्नाह वर्तमान पता अपर बलोले बारी ब्राह्मणा ज़िला सांबा की लगभग 21 लाख रुपये की संपत्ति ज़ब्त की है। इसमें एक कच्चा घर और मवेशी शामिल हैं। यह कार्रवाई पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 68- ई और 68-एफ के तहत की।

पुलिस की जांच के दौरान लगभग 21 लाख रुपये मूल्य के इस घर और मवेशियों की पहचान अवैध रूप से हासिल की गई संपत्ति के तौर पर की गई। शुरुआती जांच से पता चला है कि यह संपत्ति ड्रग तस्कर द्वारा नशीले पदार्थों और साइकोट्रोपिक पदार्थों की अवैध तस्करी से बनाई गई थी।

बता दें कि आरोपी शीमा बीबी एक कुख्यात महिला ड्रग तस्कर है जिस पर पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था और वह अभी ज़िला जेल भद्रवाह में बंद है।

पाकिस्तान की सेना ने राजौरी जिले की नियंत्रण सीमा पर छोटे हथियारों से की गोलीबारी

राजौरी, 18 जुलाई (हि.स.)। पाकिस्तान की सेना ने शुक्रवार- शनिवार की दरम्यानी रात जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले की नियंत्रण सीमा पर तरकुंडी सेक्टर में छोटे हथियारों से भारी गोलीबारी की। भारतीय सेना ने भी इस गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया। समाचार लिखे जाने तक इस गोलीबारी में किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। माना जा रहा कि पाकिस्तान ने पीओके में उत्पन्न हालात से देश-दुनिया का ध्यान हटाने के लिए ही नियंत्रण सीमा पर गोलीबारी की है। इस दौरान घुसपैठ की भी आशंका जताई जा रही है। इसके मद्देनजर भारतीय सेना ने तलाशी अभियान शुरू किया है। विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

गाड़ी के एक खड़े ट्रक से टकराने से चार यात्री घायल

उधमपुर, 18 जुलाई (हि.स.)। शनिवार उधमपुर में जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर अमरनाथ यात्रियों की गाड़ी के एक खड़े ट्रक से टकराने से कम से कम चार यात्री घायल हो गए। यह हादसा संगूर चौक पर हुआ जब बालटाल बेस कैंप जा रही यात्रियों से भरी टोयोटा इनोवा सड़क किनारे खड़े एक डंपर से पीछे से टकरा गई। टक्कर के तुरंत बाद पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और घायल यात्रियों को इलाज के लिए उधमपुर के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) के एसोसिएटेड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।

ट्रैक्टर पलटने से ड्राइवर की मौत

बडगाम, 18 जुलाई(हि.स.)। शनिवार को मध्य कश्मीर के बडगाम ज़िले की चाडूरा तहसील के वाथोरा इलाके के बाटापोरा में एक ट्रैक्टर के पलटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि ट्रैक्टर चलाते समय वह पलट गया जिससे चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत चाडूरा के सब-डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल ले जाया गया जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान चाडूरा के हंजीगुंड निवासी मोहम्मद रफीक के बेटे इश्फाक अहमद के तौर पर हुई है।

इस बीच पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन परिसर में मैनेजर का शव फंदे से लटका मिला, जांच जारी

श्रीनगर, 18 जुलाई (हि.स.)। शनिवार सुबह श्रीनगर के पंथा चौक इलाके के सेम्पोरा में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईपीसी) के एक मैनेजर ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली और उनका शव मृत अवस्था में मिला।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सेम्पोरा स्थित इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के मैनेजर यशपाल सिंह का शव सुबह कॉर्पोरेशन परिसर के अंदर फंदे से लटका हुआ मिला। अधिकारी के अनुसार घटना की सूचना मिलते ही पंथा चौक पुलिस स्टेशन की एक टीम मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

मण्डल अभियंता- मुख्यालय, फिरोजपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित ई-निविदाएं, अंतिम तिथि 10.08.2026 समय 15:00 बजे तक **www.ireps.gov.in** पर आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपने मूल/संशोधित निविदा बंद होने की तिथि तथा समय तक प्रस्तुत कर सकते है। मैन्युअल निविदा मान्य नहीं है और ऐसे किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा। ठेकेदार निविदा प्रपत्र की लागत और बयाना राशि का भुगतान केवल **www.ireps.gov.in** पोर्टल पर उपलब्ध ऑन लाइन साधनों के माध्यम जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, व क्रेडिट कार्ड आदि से भुगतान कर सकते हैं। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकस चेक, एफ.डी.आर. व रसीदों आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नही हैं।

निविदा प्रकार	निविदा अनुभाग	बोली प्रणाली
खुला	कार्य	एकल पैकेट प्रणाली
निविदा अपलोड करने की तिथि	**बोली शुरू की तिथि**	**निविदा समापन की तिथि तथा समय**
15.07.2026	27.07.2026	10.08.2026 15:00 बजे

क्रम संख्या	निविदा संख्या, तारीख	निविदा का विवरण			
1.	58-2026-27-ADEN-2-FZR	मंडल अभियन्ता- मुख्यालय के अधिकार क्षेत्र में सहायक मंडल अभियंता- द्वितीय के तहत मौजूदा 47 लेवल क्रॉसिंग पर रबराइज्ड लेवल क्रॉसिंग की व्यवस्था।			
		विज्ञापन मूल्य (रू0)	**ब्याना राशि**	**ऑफर की वैधता**	**समापन की अवधि**
		42637880.92	852800.00	60 दिन	12 महीने
		समान प्रकृति का कार्य:- "सड़क का काम या LC गेट रोड और पेविंग का काम"।			
2.	59-2026-27-ADEN-1-FZR	मंडल अभियन्ता- मुख्यालय के अधिकार क्षेत्र में सहायक मंडल अभियंता-प्रथम के तहत मौजूदा 63 लेवल क्रॉसिंग पर रबराइज्ड लेवल क्रॉसिंग की व्यवस्था।			
		विज्ञापन मूल्य (रू0)	**ब्याना राशि**	**ऑफर की वैधता**	**समापन की अवधि**
		81645271.06	1632900.00	60 दिन	12 महीने
		समान प्रकृति का कार्य:- "सड़क का काम या LC गेट रोड और पेविंग का काम"।			

नोट : 1. निविदा डालने से पहले, निविदाकर्ता निविदा के संबंध में जारी किए गए किसी भी शुद्धिपत्र की जाँच करेंगे। 2. हिन्दी में किसी भी त्रुटि हेतु अंग्रेजी वर्जन का अवलोकन करें, तथा अंग्रेजी वर्जन ही मान्य होंगे। **निविदा संख्या: 58-2026-27-ADEN-2-FZR & 59-2026-27-ADEN-1-FZR दिनांक: 17.07.2026** **2482/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जम्मू प्रशासन ने निक्की तवी और बिश्नाह में लगभग 3 करोड़ की कई संपत्तियों को गिराया

जम्मू, 18 जुलाई (हि.स.)। आज ज़िला प्रशासन और जम्मू पुलिस की संयुक्त टीमों ने जम्मू और बिश्नाह तहसीलों में ड्रग तस्करों की संपत्तियों के खिलाफ़ कार्रवाई करते हुए ड्रग के कारोबार से कमाए गए पैसे से बनाए गए कई अवैध ढांचों को गिरा दिया।

बिश्नाह और निक्की तवी में आज की संयुक्त कार्रवाई में ज़िला प्रशासन और जम्मू पुलिस ने ड्रग तस्करी से जुड़ी लगभग 3 करोड़ की अवैध संपत्तियों को गिराया और साथ ही आरोपियों से हेरोइन और अवैध हथियार भी बरामद किए।

बिश्नाह तहसील के इस्माइलपुर कोठे में एक संयुक्त टीम ने लगभग 1.5 करोड़ की कीमत वाली दो मंज़िला इमारत को गिरा दिया।

जम्मू खास तहसील के निक्की तवी इलाके में एक और संयुक्त टीम ने दो अन्य ड्रग तस्करों की लगभग 1.3 करोड़ की संपत्तियों को गिराया और साथ ही अवैध रूप से कब्ज़ाई गई ज़मीन को भी खाली कराया।

पुलिस पोस्ट अरी में अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों का सम्मान

मेंढर, 17 जुलाई। नेपाल के काठमांडू में आयोजित रॉक बॉल अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले स्थानीय खिलाड़ियों को पुलिस पोस्ट अरी में आयोजित एक विशेष समारोह के दौरान सम्मानित किया गया।

समारोह में एसडीपीओ मेंढर तौसीफ अहमद, एसएचओ मेंढर हाजी बशीर चौधरी तथा पुलिस पोस्ट अरी के प्रभारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने खिलाड़ियों को उनकी शानदार उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर भारत, जम्मू-कश्मीर, जिला पुंछ और तहसील मेंढर का गौरव बढ़ाया है।

इस अवसर पर खिलाड़ियों ने स्थानीय खेल प्रतिभाओं के लिए बेहतर प्रशिक्षण, खेल सुविधाओं तथा प्रोत्साहन की आवश्यकता पर बल दिया। इस पर एसडीपीओ तौसीफ अहमद ने आश्वासन दिया कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने और उनकी हरसंभव सहायता के लिए पुलिस प्रशासन सदैव तत्पर रहेगा।

अपने संबोधन में अधिकारियों ने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और स्वस्थ जीवनशैली का विकास करते हैं। उन्होंने युवाओं से नशे और अन्य सामाजिक बुराइयों से दूर रहकर खेल गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान किया और कहा कि खेल राष्ट्र निर्माण एवं चरित्र निर्माण का प्रभावी माध्यम हैं। कार्यक्रम के अंत में अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों को स्मृति-चिह्न एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। अधिकारियों ने क्षेत्र में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने तथा उभरती खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए हरसंभव सहयोग देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। यदि खिलाड़ियों के नाम और फोटो उपलब्ध हों, तो मैं उन्हें शामिल करके इसे प्रकाशन-योग्य अंतिम समाचार बना सकता हूँ।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, MECHANICAL & HOSPITAL DIVISION JAMMU
NOTICE INVITING TENDER
(Short Term)

MHDJ/e-NIT 120 of 2026-27 Dated: 16.07.2026
Due : 27.07.2026

On behalf of the President of India, e-tenders in two cover system on turnkey basis are invited from OEM /OEM Authorized Registered & Reputed firms having sufficient relevant experience of similar nature work having Average Annual Turnover of 100% or above of the estimate cost during the last three years ending march 2026 for the work mentioned below:

S. No	Description of work	Project Authority	Estt	Earnest Money Deposit	Cost of tender document	Time of completion	Eligibility Criterion of Bidder
1	**Construction of Tube Well at Govt. Medical College & Hospital (GMCH), Jammu by way of Supply, Installation, Testing and Commissioning of Submersible Pump set along with allied Electromechanical equipments and works at GMCH, Jammu.**	**Principal GMC & Associated Hospital Jammu**	**26.10 LACS**	**Rs 53,000.00** in the Shape of **CDR/FDR/TDR valid for 12 months pledged** to the Executive Engineer MH Division Jammu	**Rs 1000.00** in the shape of Challan through J&K Govt. Treasury indicating Treasury Voucher No. & date and also indicating the name of work duly credited to **0059-PWD** (Revenue) and uploading a copy of treasury challan / receipt on e-tendering portal. **OR** The bidder may deposit tender fee in the shape of e-Challan through Account no. **00970101000 02163 in the name of Executive Engineer Mechanical & Hospital Division Jammu** Name of Bank: J&K Bank Town Hall Jammu Branch **Code:0097 IFSC code: JAKA0TNHALL MICR CODE: 180051025**	60 days	Registered & Reputed firms having sufficient experience as per Annexure **"C"** similar **nature** of work

THE NIT CONSISTING OF Qualifying INFORMATION, ELGIBILITY CRITERIA, BILL OF QUANTITIES (BOQ) SETS OF TERMS & CONDITIONS OF CONTRACT & OTHER DETAILS CAN BE VIEWED / DOWNLOADED FROM THE WEBSITE www.jktenders.gov.in.

Sd/-
(Er. Vishal Verma)
Executive Engineer
Mechanical & Hospital Division
Jammu

DIP/J-6105/26
Dtd: 18-7-2026

संपादकीय

भारत के अंतरिक्ष सपनों की नई उड़ान

भारत ने अपनी अंतरिक्ष यात्रा में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए देश के पहले निजी रूप से विकसित ऑर्बिटल श्रेणी के रॉकेट विक्रम-1 का सफल प्रक्षेपण किया है। मिशन आगमन नामक यह अंतरिक्ष अभियान केवल हैदराबाद स्थित स्काईरूट एयरोस्पेस का पहला प्रयास नहीं है बल्कि इस बात का भी प्रमाण है कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, नवाचार और निजी क्षेत्र की भागीदारी के मामले में भारत अब किसी भी चुनौती से पीछे हटने वाला नहीं है। इस सफलता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी ध्यान आकर्षित किया जिन्होंने देश के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट के सफल प्रक्षेपण को भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

गौरतलब है कि विक्रम-1 अपने निर्धारित कक्षीय गंतव्य तक सफलतापूर्वक पहुंचा और अपने साथ देश-विदेश के विभिन्न साझेदारों के कई पेलोड के अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक प्रतीकात्मक पोस्टकार्ड भी लेकर गया। यह उपलब्धि भारत की वाणिज्यिक अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं को नई दिशा देने वाली साबित होगी। इस परियोजना का नाम भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डॉ. विक्रम साराभाई के सम्मान में रखा गया है।

रॉकेट के निर्माण में उपयोग की गई स्वदेशी तकनीक ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि भारत नई ऊंचाइयों को छूने की क्षमता रखता है। सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से इस रॉकेट का सफल प्रक्षेपण इस बात का प्रतीक है कि भारत अब वैश्विक अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा में केवल एक सहभागी नहीं, बल्कि अग्रणी नवाचारकर्ता के रूप में अपनी पहचान बना चुका है।

इस मिशन की त्रुटिरहित सफलता ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि केंद्र सरकार द्वारा अंतरिक्ष क्षेत्र में किए गए नीतिगत सुधार सही दिशा में उठाए गए कदम हैं। यह उपलब्धि भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए और अधिक खोलने का मार्ग प्रशस्त करेगी, जिससे स्टार्टअप्स भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की उपलब्धियों को और आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगे। आज की यह सफलता इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में भारत अंतरिक्ष अभियानों में और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल करेगा। यह प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का विषय है कि देश अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है, जो आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक माना जाता है। रिपोर्टों के अनुसार, विक्रम- अपने साथ ग्राहा स्पेस, कॉस्मोसर्व डीक्यूब्ड तथा स्काईरूट के स्वयं के स्कोप सहित कई पेलोड लेकर गया। इसके साथ ही 'कॉस्मिक ब्लूम' नामक एक कलाकृति भी अंतरिक्ष में भेजी गई। इस पूरे घटनाक्रम का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि सिंगापुर ने भी स्काईरूट एयरोस्पेस के विक्रम-1 मिशन का समर्थन करते हुए कहा कि यह प्रक्षेपण भारत और सिंगापुर के बीच अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ती साझेदारी का प्रतीक है। उल्लेखनीय है कि स्काईरूट एयरोस्पेस, जिसे सिंगापुर के संप्रभु निवेश कोष और टेमासेक का समर्थन प्राप्त है भारत के पहले निजी ऑर्बिटल प्रक्षेपण को सफलतापूर्वक अंजाम देने में सफल रहा। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि ऐसी उपलब्धियां भारत के बड़े लक्ष्यों की ओर बढ़ने के लिए मील का पत्थर साबित होंगी, उससे यह स्पष्ट है कि भारत ने अपने अंतरिक्ष सपनों को साकार करने की दिशा में मजबूत आधार के साथ एक बड़ी छलांग लगा दी है। अब यह कहा जा सकता है कि देश के अंतरिक्ष अभियान के लिए आगे बढ़ने का मार्ग पूरी तरह प्रशस्त हो चुका है और भारत के अंतरिक्ष सपनों को साकार होने से अब कोई नहीं रोक सकता।

भारत के बढ़ते कदम और ट्रंप का टैरिफ हथियार

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

विश्व राजनीति में इन दिनों आर्थिक मोर्चे पर भी उतनी ही आक्रामक लड़ाई चल रही है, जितनी कि किसी युद्ध के मैदान की आवश्यकता रहती है।

दूसरी ओर ब्राजील पर की गई कार्रवाई ने इस आशंका को और गहरा किया है। अमेरिकी अधिकारियों ने अपने तर्कों में ब्राजील के भारत और मैक्सिको के साथ बढ़ते व्यापारिक संबंधों का भी उल्लेख किया है। इसे संयोग नहीं माना जा सकता है। वहीं, भू-राजनीति में यह स्वष्ट दिखाई भी दे रहा है कि कैसे ब्रिक्स का विस्तार हो रहा है, स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने पर चर्चा हो रही है। डॉलर पर निर्भरता कम करने की बातें सामने आ रही हैं और वैश्विक दक्षिण अपनी अलग आर्थिक पहचान बनाने का प्रयास कर रहा है। स्वाभाविक है कि अमेरिका इन परिवर्तनों को अपने लिए चुनौती के रूप में देख रहा है।

कभी प्रतिबंध, कभी तकनीकी नियंत्रण, कभी वित्तीय दबाव और अब टैरिफ, वस्तुत- ताकतवर देश हर आर्थिक हथियार का इस्तेमाल कर रहे हैं। बड़ा उदाहरण हमारे सामने ब्राजील पर अमेरिका का अचानक 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाना है।

एक तरह से कहें तो यह उन सभी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक स्पष्ट संदेश है, जोकि अपनी विदेश नीति स्वतंत्र रूप से तय करना चाहती हैं।

भारत भी उन्हीं देशों में शामिल है, इसलिए जो संभावना बन रही है, वह यही है कि अमेरिका ने जैसे सेक्शन-301 प्रावधानों का उपयोग कर ब्राजील की बड़ी अर्थव्यवस्था पर अपनी कार्रवाई की, वैसे ही वह भारत के साथ भी कर सकता है। अत- भारत को अपने भविष्य के संभावित आर्थिक दबावों के प्रति बहुत सतर्क रहने की जरूरत है।

यह तो अच्छा है जो आज का भारत बीस वर्ष पहले वाला नहीं है। वह वैश्विक अर्थव्यवस्था का एक निर्णायक केंद्र बनता जा रहा है।

वह ब्रिक्स का प्रभावशाली सदस्य है। इंडो-पैसिफिक में उसकी भूमिका लगातार मजबूत हुई है। रूस से लेकर पश्चिम एशिया तक उसने अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप संतुलित विदेश नीति अपनाई है। यही स्वायत्तता एक तरह से देखें तो भारत की सबसे बड़ी ताकत है, किंतु यही कुछ महाशक्तियों की असहजता का कारण भी है।डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति को देखें तो एक बात बिल्कुल स्पष्ट है, उनके लिए टैरिफ राजनीतिक और सामरिक दबाव का सबसे प्रभावी हथियार है। अपने पिछले कार्यकाल में उन्होंने चीन, कनाडा, मैक्सिको, यूरोपीय संघ और भारत सहित अनेक देशों पर टैरिफ लगाकर यह संकेत दिया था कि अमेरिका अपने आर्थिक हितों के लिए किसी भी स्तर तक जा सकता है। ट्रंप स्वयं कई बार सार्वजनिक रूप से टैरिफ की प्रशंसा कर चुके हैं। इसलिए यदि भविष्य में उनकी सरकार फिर से कठोर व्यापारिक नीति अपनाती है, तो भारत को आश्चर्य नहीं होना चाहिए, क्योंकि वर्तमान में जिस तरह के हालात दिख रहे हैं, उनमें यही दिखता है।

दूसरी ओर ब्राजील पर की गई कार्रवाई ने इस आशंका को और गहरा किया है। अमेरिकी अधिकारियों ने अपने तर्कों में ब्राजील के भारत और मैक्सिको के साथ बढ़ते व्यापारिक संबंधों का भी उल्लेख किया है। इसे संयोग नहीं माना जा सकता है। वहीं, भू-राजनीति में यह स्वष्ट दिखाई भी दे रहा है कि कैसे ब्रिक्स का विस्तार हो रहा है, स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने पर चर्चा हो रही है। डॉलर पर निर्भरता कम करने की बातें सामने आ रही हैं और वैश्विक दक्षिण अपनी अलग आर्थिक पहचान बनाने का प्रयास कर रहा है। स्वाभाविक है कि अमेरिका इन परिवर्तनों को अपने लिए चुनौती के रूप में देख रहा है।

भारत के संदर्भ में सबसे संवेदनशील एक विषय फिर रूस से कच्चे तेल की खरीद भी है। यूक्रेन युद्ध के बाद जब पश्चिमी देशों ने रूस पर व्यापक प्रतिबंध लगाए, तब भारत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उसकी पहली प्राथमिकता अपने नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा है। भारत ने रियायती दरों पर रूसी तेल खरीदना जारी रखा और इसका सीधा लाभ देश की अर्थव्यवस्था को मिला। अब अमेरिका में ऐसे प्रस्ताव सामने आए हैं, जिनमें रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की बात कही जा रही है। भारत और चीन जैसे देश इस चर्चा के केंद्र में हैं। यह संकेत पर्याप्त है कि अमेरिका आर्थिक दबाव की नीति को आगे बढ़ाने के विकल्प खुले रखना चाहता है।

यहां एक दिलचस्प बात यह भी है कि रूस से प्राकृतिक गैस खरीदने वाले कई यूरोपीय देशों के लिए अलग दृष्टिकोण दिखाई देता है, जिसमें कि भारत के लिए इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा संदेश यह है कि अब अकेले राजनीतिक कूटनीति से काम नहीं चलेगा, उसे अपनी आर्थिक कूटनीति को भी बहुत मजबूत बनाना होगा। यदि किसी एक देश का निर्णय भारतीय निर्यात को प्रभावित कर सकता है, तो इसका समाधान यही है कि भारत अपने निर्यात बाजार का तेजी से विस्तार करे, जैसा कि इन दिनों एफटीए के रूप में हम देख भी रहे हैं। फिर किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत यही होती है कि वह एक बाजार पर निर्भर न रहे।

एक बार को यदि एतिहासिक संदर्भ में इस पूरे प्रकरण को देखें तो ध्यान में आता है कि बाहरी दबाव अकसर उन राष्ट्रों को और अधिक मजबूत बना देते हैं जो दूरदर्शिता के साथ अपनी नीतियां तय करते हैं। 1998 के परमाणु परीक्षण से लेकर कई बार के वैश्विक दबावों के उदाहरण हमारे सामने हैं। कहना होगा कि आज भी परिस्थितियां वैसी ही पैदा करने के प्रयास हो रहे हैं। यदि भविष्य में अमेरिका टैरिफ को दबाव के हथियार के रूप में इस्तेमाल करता है, तो भारत के सामने इसका सबसे बड़ा जवाब यही होगा कि वह अपनी आर्थिक क्षमता को और अधिक मजबूत बनाए।

वैसे भी भारत आज विश्व की सबसे युवा कार्यशक्ति, विशाल घरेलू बाजार, तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था, मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाओं और निरंतर बढ़ती वैश्विक साख के साथ आगे बढ़ रहा है। ऐसे राष्ट्र की प्रगति को सिर्फ टैरिफ के सहारे लंबे समय तक नहीं रोका जा सकता। चुनौती अवश्य आएगी, इसलिए यह समय अपनी तैयारी का है। यदि भारत अपनी आर्थिक कूटनीति, ऊर्जा सुरक्षा, विनिर्माण क्षमता और वैश्विक व्यापारिक साझेदारियों को और मजबूत करता है, तो कोई भी बाहरी दबाव उसकी विकास यात्रा को रोक नहीं सकेगा। फिर संत तुलसीदास जी अपने रचित ग्रंथ रामचरितमानस के (बालकांड) में कह ही गए हैं-

सुभ अरु असुभ सलिल सब बहई। सुरसरि कोउ अपुनीत न कहई॥
समरथ कहुँ नहिं दोषु गोसाईं। रबि पावक सुरसरि की नाईं॥

इसका विस्तृत अर्थ यही है कि जिस प्रकार गंगाजी में पवित्र और अपवित्र (सभी तरह का) जल बहता है, फिर भी कोई गंगा को दूषित या अपवित्र नहीं कहता; सूर्य संसार की अच्छी-बुरी हर चीज को प्रकाशित करता है और अग्नि सभी चीजों को जलाकर भी स्वयं पवित्र रहती है, उसी प्रकार सामर्थ्यवान समर्थ व्यक्ति पर कोई दोष नहीं लगता।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

दुष्कर्म पीड़िता- सुप्रीम कोर्ट का आया निर्णय एक सबक, उनके लिए जो अपनी जिम्मेदारी से भागते हैं!

-डॉ. निवेदिता शर्मा

गाजियाबाद की चार वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को इलाज देने से इनकार करने वाले दो निजी अस्पतालों पर उच्चतम न्यायालय की तीखी टिप्पणी ने सभी देशवासियों का अपनी ओर ध्यान खींचा है। पूरे देश की स्वास्थ्य व्यवस्था, पुलिस तंत्र, प्रशासनिक जवाबदेही और सामाजिक संवेदनशीलता पर ऐसे मामले सामने आने पर गंभीर प्रश्न खड़े हो जाते हैं।

एक तरह से देखें तो मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने जिस स्पष्टता से कहा कि यदि आपने अपने कर्तव्य का पालन नहीं किया तो अपने नाम के आगे डॉक्टर लिखने का कोई अधिकार नहीं है।, वह उन सभी लोगों के लिए चेतावनी है जो अपने पेशे को केवल व्यवसाय समझ बैठे हैं या जो जिम्मेदारी उन्हें मिली है, उससे जुड़ा वह कार्य जिम्मेदारीपूर्वक पूर्ण करना नहीं चाहते।

इस घटना में चार वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ। परिजन उसे उपचार के लिए दो निजी अस्पतालों में लेकर पहुंचे, किंतु दोनों ने भर्ती करने से मना कर दिया। जब तक बच्ची को सरकारी अस्पताल ले जाया गया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी और उसे मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद यह भी सामने आया कि स्थानीय पुलिस ने भी तत्काल एफआईआर दर्ज नहीं की। जनाक्रोश के बाद मामला दर्ज हुआ और प्रारंभिक रिपोर्ट में पॉक्सो तथा भारतीय दंड संहिता की गंभीर धाराएं भी तत्काल नहीं जोड़ी गईं। अर्थात एक बच्ची के साथ अपराध होने के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था और पुलिस, दोनों अपने प्रथम दायित्व का निर्वहन करने में विफल रहे।

क्या देश में घटी ये घटना अपवाद है? यदि गहराई से देखें तो बिल्कुल नहीं, न जानें ऐसी कितनी ही घटनाएं हमारे समाज में घट रही हैं, तभी तो राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की क्राइम इन इंडिया-2023 रिपोर्ट देश में महिलाओं के विरुद्ध अपराध के 4.45 लाख से अधिक मामले दर्ज होना बता रही है। अर्थात औसतन प्रतिदिन लगभग 1,220 महिलाएं किसी न किसी अपराध का शिकार होती हैं।

वहीं बच्चों के विरुद्ध अपराध के 1.60 लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए, जिनमें 'प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फॉम सेक्सुअल ऑफेंसेज एक्ट' (पॉक्सो अधिनियम) के अंतर्गत लगभग 65 हजार मामले शामिल थे। इसका अर्थ है कि औसतन हर दिन लगभग 175 बच्चों के विरुद्ध यौन अपराध दर्ज होते हैं। जिसमें यह संख्या तब है जब कि यौन अपराधों के अनेक मामले सामाजिक दबाव, भय और बदनामी की आशंका के कारण दर्ज ही नहीं हो पाते!

भारतीय कानून इस विषय में बिल्कुल स्पष्ट है। बीएनएसएस की धारा 397, दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 357सी तथा भारतीय न्याय संहिता लागू होने से पूर्व बीएनएसएस धाराओं में किसी भी अस्पताल चाहे वह सरकारी हो या निजी यौन अपराध पीड़िता को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना अनिवार्य है। ऐसा करने से इनकार करना दंडनीय अपराध है। इसके अतिरिक्त पॉक्सो अधिनियम भी बच्चों के मामलों में तत्काल चिकित्सकीय सहायता और साक्ष्य संरक्षण की स्पष्ट व्यवस्था करता है।

उच्चतम न्यायालय पूर्व में भी परमानंद कटारा बनाम भारत संघ (1989) के ऐतिहासिक निर्णय में स्पष्ट कर चुका है कि जीवन बचाना प्रत्येक डॉक्टर का सर्वोच्च कर्तव्य है और उपचार देने से पहले कानूनी औपचारिकताओं का बहाना नहीं बनाया जा सकता। वहीं, 'विश्व स्वास्थ्य संगठन' भी मानता है कि यौन हिंसा की पीड़िता के लिए पहले 24 घंटे अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। इसी अवधि में जीवनरक्षक उपचार, संक्रमण से बचाव, डीएनए साक्ष्य संरक्षण और मनोवैज्ञानिक सहायता सबसे प्रभावी होती है। ऐसे में यदि अस्पताल ही मरीज को लौटा दें तो उपचार के अभाव में उसका जीवन तो संकट में पड़ता ही है, साक्ष्य समाप्त होने की स्थिति में न्याय की संभावना भी कमजोर हो जाती है।

पुलिस की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 के बाद प्रत्येक पुलिस अधिकारी के लिए यौन अपराध की शिकायत तत्काल दर्ज करना अनिवार्य कर दिया गया है। उच्चतम न्यायालय ललिता कुमारी बनाम उत्तर प्रदेश सरकार (2013) में स्पष्ट कर चुका है कि संज्ञेय अपराध की सूचना मिलने पर एफआईआर दर्ज करना पुलिस का कानूनी दायित्व है। इसके बावजूद अनेक मामलों में पुलिस प्रारंभिक स्तर पर समझौते, दबाव या अनावश्यक जांच के नाम पर शिकायत दर्ज करने में देरी करती है तो निश्चित तौर पर इसमें पुलिस भी दोषी है। एक तरह से देखें तो गाजियाबाद की घटना में भी यही स्थिति सामने आई है, इसलिए ये घटना एक सबक है।

वास्तव में अब सरकारों को चाहिए कि वे नीतिगत सुधार के लिए आगे आएं। देश के सभी निजी अस्पतालों के लिए यह अनिवार्य किया जाना चाहिए कि वे यौन अपराध पीड़ितों के उपचार से इनकार करने पर जुर्माना भरेंगे। साथ ही लाइसेंस निलंबन और आपराधिक कार्रवाई का भी सामना करेंगे। प्रत्येक जिले में वन स्टॉप सेंटर की कार्यक्षमता बढ़ाए जाने की आवश्यकता ध्यान में आती है। देश में आज 1000 के अंदर नहीं 2000 से अधिक वन स्टॉप सेंटर की आवश्यकता है।

इसी प्रकार 112 आपातकालीन सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन तथा महिला सहायता तंत्र को जिला अस्पतालों, पुलिस नियंत्रण कक्ष और बाल संरक्षण इकाइयों के साथ डिजिटल रूप से जोड़ा जाना चाहिए, ताकि किसी भी घटना के बाद अलग-अलग विभागों के बीच समन्वय में समय नष्ट न हो।

इसी प्रकार एक जरूरत उन अधिकारियों या संस्थानों की लापरवाही के खिलाफ भी खड़े होने की है, जोकि इस तरह अपनी जिम्मेदारियों से भागनेवाला कार्य करते हैं। यहां यह भी समझें कि गाजियाबाद की यह घटना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें पूरे तंत्र की परतें खुलती हुई दिख रही हैं। ऐसे में उच्चतम न्यायालय ने डॉक्टरों को कठोर शब्दों में फटकार लगाकर स्पष्ट किया है कि चिकित्सा का पेशा वास्तव में सेवा का सर्वोच्च दायित्व है। अब आवश्यकता इस संदेश के सार्वजनिक होने की है, ताकि अस्पतालों की कार्यसंस्कृति, पुलिस की प्राथमिक कार्रवाई, निगरानी आयोगों की सक्रियता और शासन की जवाबदेही का स्थायी आधार बने।

(लेखिका मप्र बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष हैं)

आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक है ई-20 पेट्रोल

डॉ. आशीष वशिष्ठ

देश में पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण (ई-20) को अनिवार्य कर दिया गया है। हालांकि, इस बदलाव को लेकर वाहन मालिकों और विशेषज्ञों के बीच व्यापक विमर्श और कुछ चिंताएं भी सामने आ रही हैं। सरकार ने देश के ऊर्जा सुरक्षा, कम कार्बन उत्सर्जन और कृषि आय बढ़ाने के लक्ष्यों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। ई-20 पेट्रोल भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता और आत्मनिर्भर भारत अभियान का एक बड़ा प्रतीक माना जा रहा है। ऐसे में अहम प्रश्न यह है कि ई-20 पेट्रोल किस प्रकार आत्मनिर्भर भारत की नींव मजबूत कर रहा है?

वास्तव में, ई-20 पेट्रोल भारत की ऊर्जा सुरक्षा, किसान कल्याण और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सोचा-समझा, वैज्ञानिक कदम है। यह कोई अचानक या जल्दबाजी का फैसला नहीं है। वर्ष 2001 में शुरू हुए पायलट प्रोजेक्ट से लेकर आज तक दो दशकों से अधिक के वैज्ञानिक परीक्षण, वाहन मूल्यांकन, इंजन मॉडिफिकेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के बाद इसे लागू किया गया है।

सरकार और पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, ई-20 पेट्रोल से विदेशी मुद्रा की भारी बचत होती है और कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम होती है। वर्तमान में भारत अपनी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है। एथेनॉल ब्लेंडिंग कार्यक्रम की वजह से देश अब तक लगभग 2 लाख करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा बचा चुका है। कच्चे तेल के आयात बिल में सालाना करीब 30,000 से 40,000 करोड़ रुपये की बड़ी बचत हो रही है।

देश को हर साल करीब 1450 करोड़ लीटर एथेनॉल की जरूरत है, जबकि हमारी उत्पादन क्षमता 1750-1800 करोड़ लीटर तक पहुंच चुकी है। एथेनॉल सिर्फ गन्ने से नहीं, बल्कि मोलासेस, मक्का, टूटे चावल, पराली और बांस से भी बनाया जा रहा है। इससे करीब 2 लाख करोड़ रुपए का तेल आयात बचा है, प्रदूषण कम हुआ है और किसानों की आय बढ़ी है। स्थानीय स्तर पर बायो-रिफाइनरीज खुलने से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं।

ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया और तेल कंपनियों द्वारा गहन वैज्ञानिक परीक्षणों के बाद ही इसे देशभर में लागू किया गया है। भारत ने समय से पहले एथेनॉल ब्लेंडिंग के लक्ष्यों को हासिल कर ब्राजील और अमेरिका जैसे देशों की कतार में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

भारत सरकार ने 1 अप्रैल 2023 से ही सभी वाहन निर्माताओं के लिए ऐसे वाहनों का उत्पादन अनिवार्य कर दिया था जो ई-20 पेट्रोल को बिना किसी परेशानी के झेल सकें। भारत स्टेज गाड़ियों में ई-10 पहले से ही इस्तेमाल हो रहा था। ई-20 के लिए फ्यूल सिस्टम, सील और इंजेक्टर को अपग्रेड किया गया है। भारतीय ऑटोमोबाइल निर्माता जैसे मारुति सुजुकी, टोयोटा और हीरो मोटोकॉर्प अब व्यापक रूप से ई-20 और फ्लेक्स-फ्यूल (ई85/ई100) इंजन वाली गाड़ियां बना रहे हैं।

ई-20 पेट्रोल को लेकर उपभोक्ताओं और वाहन मालिकों की भी चिंताएं हैं। केंद्रीय परिवहनमंत्री नितिन गडकरी का दावा है कि ई-20 पेट्रोल की व्यापक टेस्टिंग की गई है और ऐसी कोई प्रमाणित रिपोर्ट नहीं है, जो यह साबित करे कि केवल ई-20 से इंजन खराब हुआ है। विशेषज्ञों के मुताबिक, माइलेज सड़क और ट्रैफिक की स्थिति पर निर्भर करता है। एथेनॉल की कैलोरी वैल्यू पेट्रोल से थोड़ी कम होती है, इसलिए कुछ परिस्थितियों में मामूली अंतर आ सकता है। लेकिन एथेनॉल सस्ता है, प्रदूषण कम करता है और फ्लेक्स-फ्यूल इंजन आने के बाद यह अंतर और कम हो जाएगा।

तेल मंत्रालय ने भी स्वीकार किया है कि ई-20 ईंधन के इस्तेमाल से गाड़ियों के माइलेज में लगभग 3-5 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है। जानकारों का मानना है कि, 2023 से पहले के निर्मित वाहनों पर लंबे समय तक ई-20 पेट्रोल इस्तेमाल करने से माइलेज कम हो सकता है और फ्यूल सिस्टम पर असर पड़ सकता है। पुराने वाहनों जो ई-20 के लिए प्रमाणित नहीं हैं, में फ्यूल इंजेक्टर और इंजन के पुर्जों में जंग और खराबी की शिकायतें आ सकती है।

गौरतलब है कि 2004 से पेट्रोल में इथेनॉल मिलाया जा रहा है। अब तक व्यापक तौर पर गाड़ियों के खराब होने की खबरें सामने नहीं आई हैं। लेकिन पिछले एक डेढ़ महीने से सोशल मीडिया पर ई-20 ईंधन को लेकर कई भ्रामक पोस्टों भी देखने को मिल रही है। बिहार के प्रसिद्ध यूटयूबर मनीष कश्यप ने दावा किया था कि उनकी नई टोयोटा गाड़ी ई-20 पेट्रोल के कारण खराब हो गई है। कंपनी द्वारा कराई गई तकनीकी जांच में यह दावा गलत पाया गया। कंपनी ने मनीष पर कंपनी की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने और जनता में ई-20 पेट्रोल को लेकर भ्रम पैदा करने के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई है। वहीं एक ओर प्रख्यात यूटयूबर सौरव जोशी ने ई-20 पेट्रोल से जुड़ी गलतफहमी वाली अपनी पोस्ट के लिये खेद जताया है।

वहीं हाल ही में, रायपुर जिला कंयूमर कोर्ट ने ई-20 पेट्रोल से कार का इंजन खराब होने के मामले में ग्राहक के पक्ष में फैसला सुनाया है। भारत में इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल के इस्तेमाल से गाड़ियों में आ रही दिक्कतों पर कोर्ट का यह पहला सीधा फैसला है। कंपनी का दावा है कि ग्राहक की कार से निकाले गए ईंधन के सैंपल में दूषित पदार्थ पाए गए थे, जिसके कारण इंजन खराब हुआ, न कि ई-20 पेट्रोल की वजह से। हालांकि इस फैसले से एक नयी बहस जरूर शुरू हो गयी है।

अमेरिका, ब्राजील और जापान जैसे कई देशों में इथेनॉल मिला पेट्रोल पहले से इस्तेमाल हो रहा है। ब्राजील में 1970 से 100 प्रतिशत इथेनॉल का इस्तेमाल हो रहा है। वहां एक ही पेट्रोल पंप पर कई तरह के ईंधन उपलब्ध हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि हर देश की परिस्थितियां अलग होती हैं। भारत अपनी जरूरत और संसाधनों के हिसाब से नीति बना रहा है। सरकार का लक्ष्य तेल आयात कम करना और प्रदूषण घटाना है। साल 2025 में भारत पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाने का लक्ष्य तय समय से पांच साल पहले हासिल कर चुका है। अब सरकार 2030 तक इसे बढ़ाकर 30 प्रतिशत करने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

भारतीय मानक ब्यूरो और ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया के परीक्षणों में 80 प्रतिशत से अधिक वाहन बिना किसी समस्या के ई-20 पर चल सकते हैं। पुरानी गाड़ियों के लिए भी कम ब्लेंडिंग विकल्प उपलब्ध हैं। ई-20 में ऑक्टेन संख्या अधिक होने से दहन बेहतर होता है। कुछ गाड़ियों में 1-2 प्रतिशत अधिक खपत हो सकती है, लेकिन ईंधन आयात बिल में होने वाली बचत जो कि लगभग 30,000 करोड़ रुपये सालाना या इससे कहीं अधिक है।

पारंपरिक पेट्रोल की तुलना में ई-20 ईंधन से कार्बन मोनोऑक्साइड और पार्टिकुलेट मैटर (पीएम 2.5) के उत्सर्जन में भारी कमी आती है। एथेनॉल में ऑक्सीजन की मात्रा अधिक होने के कारण ईंधन का दहन बेहतर ढंग से होता है। यह भारत के वैश्विक जलवायु लक्ष्यों (पेरिस एग्रीमेंट) को पूरा करने में मदद कर रहा है। यह हमारे प्रदूषित शहरों के लिए वरदान है।

जानकारों के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बहुत कम होने पर एथेनॉल की आर्थिक बढ़त कम हो सकती है। लेकिन सरकार का उद्देश्य केवल लागत घटाना नहीं है, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, प्रदूषण में कमी, किसानों की आय बढ़ाना और भारत को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाना है। इसलिए वैकल्पिक ईंधन भविष्य की जरूरत हैं। ई-20 केवल पेट्रोल नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक है। कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटाने, किसानों की आय दोगुनी करने और स्वच्छ हवा देने का यह एक शक्तिशाली माध्यम है।

(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

लॉर्ड्स टेस्ट में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जीत युवाओं के लिए प्रेरणा: निकी प्रसाद

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम को टी20 विश्व कप 2025 में अपनी कप्तानी में चैंपियन बनाने वाली निकी प्रसाद ने कहा है कि लॉर्ड्स में आयोजित टेस्ट में भारतीय महिला टीम की इंग्लैंड के खिलाफ 270 रन की जीत राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने की कोशिश कर रहे युवा क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा काम करेगी। आईएएनएस से बात करते हुए निकी प्रसाद ने कहा, 'मुझे लगता है कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम को इतना अच्छा क्रिकेट खेलते और जीतते हुए देखना प्रेरणा देने वाला था। यह जीत इसलिए भी विशेष थी, क्योंकि टेस्ट मैच टी20 के ठीक बाद खेला गया। टी20 के बाद टेस्ट मैचों के हिसाब से ढलना काफी मुश्किल होता है। भारत में हम बहुत ज्यादा रेड-बॉल क्रिकेट नहीं खेलते हैं।' निकी ने कहा कि जिस तरह से टीम वहां गई और स्थिति के मुताबिक खुद को ढाला, गौड़ के 5 विकेट और यास्तिका का शतक, एक युवा क्रिकेटर के तौर पर ऐसा प्रदर्शन और ऐतिहासिक जीत को देखना काफी रोमांचक और प्रेरणादायी था। भारतीय घरेलू क्रिकेट में रेड बॉल क्रिकेट के अवसर पर निकी ने कहा, 'मुझे लगता है कि भारत में, हमें धीरे-धीरे बहुत सारे रेड-बॉल टूर्नामेंट मिलने लगे हैं। घरेलू क्रिकेट में सीनियर मल्टी-डे टूर्नामेंट भी जोड़ा गया है। जब सीओई में कैंप होते हैं, तब भी वे हमें रेड-बॉल क्रिकेट खेलने के लिए सक्षम बनाते हैं।

आईसीसी, बीसीसीआई ने सर गैरी सोबर्स को श्रद्धांजली दी

नई दिल्ली। क्रिकेट इतिहास के महान ऑलराउंडरों में से एक वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी सर गैरी सोबर्स का निधन हो गया है। 89 साल के सोबर्स ने अपने बारबडोस स्थित घर पर अंतिम सांस ली। आईसीसी और बीसीसीआई ने इस दिग्गज खिलाड़ी को श्रद्धांजली दी है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा, 'खेल को गौरवान्वित करने वाले सबसे महान क्रिकेटरों में से एक, सर गारफील्ड सोबर्स का दुखद निधन हो गया है। हमारी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और वेस्टइंडीज क्रिकेट के साथ हैं। हम एक 'आईसीसी हॉल ऑफ फेम' क्रिकेटर को अलविदा कह रहे हैं।' भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी सर गैरी सोबर्स को श्रद्धांजली दी है। बीसीसीआई ने एक्स पर लिखा, 'बीसीसीआई सर गारफील्ड सोबर्स के निधन पर दुख जताता है। वह खेल के एक सच्चे आइकॉन और क्रिकेट के सबसे महान ऑलराउंडरों में से एक थे। उनकी असाधारण उपलब्धियों, कैरेबियाई क्रिकेट पर उनके स्थायी प्रभाव और दुनिया भर के खेल में उनके योगदान ने एक ऐसी यादगार विरासत छोड़ी है जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। उनके परिवार, दोस्तों और दुनिया भर के क्रिकेट जगत के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। '

कप का फाइनल खेलना हमारा सपना, इतिहास रचना चाहती है टीम : सलीमा टेटे

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा है कि एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप 2026 में टीम का लक्ष्य सिर्फ अच्छा प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि फाइनल तक पहुंचकर इतिहास रचना है। उन्होंने कहा कि एफआईएच नेशंस कप का खिताब जीतने के बाद टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है और सभी खिलाड़ी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों को चुनौती देने के लिए तैयार हैं। 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित होने वाले महिला हॉकी विश्व कप में भारत को पूल-डी में चीन, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के साथ रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 16 अगस्त को चीन के खिलाफ करेगा। विश्व कप में पहली बार भारतीय टीम की कप्तानी करने जा रही सलीमा ने हॉकी इंडिया को दिए एक साक्षात्कार में कहा, यह मेरे लिए बेहद खास एहसास है। मैं उत्साहित भी हूं और थोड़ी घबराहट भी है, क्योंकि हॉकी का यह सबसे बड़ा टूर्नामेंट है और भारत की कप्तानी करना बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। हर खिलाड़ी विश्व कप खेलने का सपना देखता है और मुझे टीम की कप्तानी का मौका मिला है, जिससे यह और भी खास हो गया है।

ट्रंप ने की मेसी, रोनाल्डो और केन की तारीफ, बोले- महान खिलाड़ी कुछ अलग लेकर पैदा होते हैं

न्यूयॉर्क। फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल से पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी, पुर्तगाल के दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो और इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि महान खिलाड़ी कुछ ऐसी विशेष प्रतिभा के साथ पैदा होते हैं, जो उन्हें दूसरों से अलग बनाती है। रविवार (स्थानीय समयानुसार) को स्पेन और अर्जेंटीना के बीच होने वाले विश्व कप फाइनल से पहले न्यूयॉर्क में आयोजित एक कार्यक्रम में ट्रंप ने कहा,आज रात हम सभी न्यूयॉर्क में इकट्ठा हुए हैं, क्योंकि रविवार को स्पेन और अर्जेंटीना जैसी दो शानदार टीमों के बीच फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। मैंने सेमीफाइनल में मेसी का वह पास देखा। उन पर एक बेहतरीन खिलाड़ी की कड़ी निगरानी थी, फिर भी वह दाईं ओर बढ़े और उन्होंने जो पास दिया, वह लगभग पूरी तरह सटीक था। मैं कहूंगा कि वह केवल एक चौथाई इंच के अंतर से पूर्णता से चूका होगा। उसी ने मैच का रुख बदल दिया। वह वास्तव में शानदार था।उन्होंने आगे कहा, महान खिलाड़ी बार-बार ऐसे ही कमाल करते हैं। वे कुछ अतिरिक्त प्रतिभा लेकर पैदा होते हैं। रोनाल्डो भी उन्हीं में से एक हैं।

भारत बनाम इंग्लैंड: लॉर्ड्स में दांव पर होगी सीरीज

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच वनडे सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला रविवार को लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। सीरीज अभी 1-1 की बराबरी पर है। ऐसे में दोनों ही टीमों की कोशिश इस ऐतिहासिक मैदान पर सीरीज को अपने नाम करने की होगी। पहले वनडे में मिली हार के बाद दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में इंग्लैंड ने शानदार वापसी की। इंग्लिश गेंदबाज भारतीय टीम को 233 रनों पर समेटने में सफल रहे। जोफ्रा आर्चर और गस एटकिंसन कार्डिफ में बेहतरीन लय में दिखाई दिए थे, जबकि साकिब महमूद ने भी 2 विकेट चटकाए थे। पिच से मिल रहे दोहरे उछाल का भरपूर फायदा इंग्लिश गेंदबाजों ने उठाया था। वहीं, बल्लेबाजी में जो रूट ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 99 रनों की नाबाद पारी खेली थी। दूसरी ओर, भारतीय टीम तीसरे और निर्णायक वनडे मुकाबले में अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की

आस करेगी। दो मैचों में बल्ले से कुछ खास करने में नाकाम रहे रोहित शर्मा से टीम को इस मुकाबले में दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। वहीं, कप्तान शुभमन गिल और ईशान किशन भी अहम योगदान देना चाहेंगे। श्रेयस अय्यर वनडे सीरीज में अच्छी लय में दिखाई दिए हैं। गेंदबाजों का प्रदर्शन शुरुआती दोनों वनडे मुकाबले में संतोषजनक रहा है।लॉर्ड्स की पिच से आमतौर पर तेज गेंदबाजों को अच्छी मदद मिलती है। खासकर मुकाबले के शुरुआती ओवरों में गेंद काफी स्विंग करती है। बल्लेबाजों को इस मैदान पर तेज गेंदबाजों के खिलाफ खास सावधानी बरतनी पड़ती है। लॉर्ड्स में पहली पारी का औसतन स्कोर 232 रन रहा है, जबकि दूसरी इनिंग का औसत स्कोर 200 रन है। 89 वनडे मुकाबलों में से इस ग्राउंड पर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 44 मैच जीते हैं, जबकि 40 मुकाबलों में जीत रनों का पीछा करने वाली टीम के हाथ लगी है। एक्यूवेदर की रिपोर्ट के अनुसार, लंदन में रविवार को मौसम पूरी तरह से साफ रहने की उम्मीद है और बारिश होने की आशंका न के बराबर है।

भारतीय टीम का वनडे स्क्वॉड: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार और रवि बिश्नोई।

इंग्लैंड का वनडे स्क्वॉड: हैरी ब्रूक (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), जो रूट, टॉम बैंटन, बेन डकेट (विकेटकीपर), जैकब बेथेल, सैम करन, विल जैक्स, जेम्स कोल्स, लियाम डॉसन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, साकिब महमूद, जोश टंग, गस एटकिंसन और आदिल रशीद।

राष्ट्रीय शूटर दमयंती सेन 48 घंटे बाद घर लौटीं, लापता होने की वजह तलाश रही पुलिस

एजेंसी

कोलकाता । पिछले 48 घंटों से लापता पश्चिम बंगाल की राष्ट्रीय स्तर की शूटर दमयंती सेन शनिवार सुबह सुरक्षित अपने घर लौट आईं। हालांकि, उनके दो दिनों तक लापता रहने की वजह अब भी रहस्य बनी हुई है। परिवार और जांच एजेंसियों की ओर से इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। जानकारी के अनुसार, दमयंती सेन गुरुवार दोपहर अपने घर से कुछ घरेलू सामान खरीदने के लिए निकली थीं। उनके पास उस समय मोबाइल फोन भी था, लेकिन इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटीं। काफी देर तक संपर्क न होने पर परिवार ने उनकी गुमशुदगी की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद उन्हें तलाशने के लिए विशेष जांच शुरू की गई। शनिवार सुबह हावड़ा जिले के रामकृष्णपुर फेरी जेटी के पास सुबह टहलने वाले कुछ लोगों ने दमयंती को बिना किसी स्पष्ट उद्देश्य के घूमते हुए देखा। लोगों ने उन्हें पहचान लिया और तुरंत उनके परिवार को सूचना दी। इसके बाद उनके पिता ध्रुवज्योति सेन मौके पर पहुंचे और बेटी को सुरक्षित घर ले आए।

दमयंती के लापता रहने के दौरान उन्हें दो अलग-अलग स्थानों पर देखा गया था। सबसे पहले गुरुवार को हावड़ा रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज में वह प्लेटफॉर्म नंबर चार और पांच के बीच घूमती हुई नजर आई थीं। इसके बाद हुगली जिले के सेरामपुर में आयोजित प्रसिद्ध महेश रथ यात्रा के दौरान भी उन्हें देखा गया।

साथी खिलाड़ियों और कोच का भरोसा जीतना सुर्खियों में आने से ज्यादा जरूरी: एमिलियानो मार्टिनेज

एजेंसी

न्यूयॉर्क । फीफा वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मुकाबला अर्जेंटीना और स्पेन के बीच खेला जाना है। खिताबी मैच से पहले अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज का कहना है कि वह चाहते हैं कि फाइनल में उनसे ज्यादा चर्चा में टीम के अन्य स्टार खिलाड़ी रहें। उन्होंने कहा कि एक गोलकीपर का सबसे बड़ा काम टीम को भरोसा देना होता है, न कि हमेशा लाइमलाइट में रहना। 'सिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार, 33 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, 'मैं सुर्खियों में नहीं आना चाहता। मैं चाहता हूं कि मेरे साथी खिलाड़ी और कोच मुझ पर भरोसा करें। सुर्खियों में आने से ज्यादा मेरे लिए यह जरूरी है। मैं चाहता हूं कि मेरे साथी खिलाड़ी स्टार बनें। गोलकीपर ही एकमात्र ऐसे खिलाड़ी होते हैं जिन्हें गोल करने की जरूरत नहीं होती। उन्हें मुख्य भूमिका निभाने की जरूरत नहीं होती। हालांकि, अगर उन्हें मेरी जरूरत होगी, तो मैं उनकी मदद के लिए मौजूद रहूंगा और अगर नहीं, तो भी मैं उसी तरह जश्न मनाऊंगा।' 33 वर्षीय मार्टिनेज इस पूरे टूर्नामेंट में चोट के बावजूद खेल रहे हैं। 20 मई को फ्रीबर्ग के खिलाफ यूईएफए यूरोपा लीग फाइनल में एस्टन विला

की जीत से पहले वार्मअप के दौरान उनके दाहिने हाथ की रिंग फिंगर की हड्डी टूट गई थी। अल्जीरिया के खिलाफ टीम के टूर्नामेंट के पहले मैच से कुछ दिन पहले, 12 जून को कैनसस सिटी में वह अर्जेंटीना की टीम के साथ ट्रेनिंग पर लौटे थे। उन्होंने कहा, 'अभी भी दर्द होता है। मुझे पता था कि दर्द होगा, मैंने सर्जरी से बचने की कोशिश की। मैंने इंग्लैंड, अमेरिका और अन्य देशों में हाथों के विशेषज्ञों से सलाह ली। उन्होंने कहा कि मुझे सर्जरी करानी होगी। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं ट्रेनिंग भी नहीं कर सकता। मिस्र के खिलाफ मैच (राउंड ऑफ 16 में) के बाद मैं सामान्य रूप से ट्रेनिंग शुरू कर सका और अब मैं काफी बेहतर महसूस कर रहा हूं। ' मार्टिनेज ने कहा कि इस बार दबाव में शांत रहने के लिए उन्होंने फ्रांस के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना की 2022 वर्ल्ड कप जीत के अनुभव का सहारा लिया। उन्होंने कहा, 'उस फाइनल में हम 90 मिनट तक फ्रांस से पूरी तरह बेहतर थे। हालांकि, मैंने (120 मिनट में) तीन गोल खाए और जब ऐसा होता है तो आमतौर पर आप टूर्नामेंट से बाहर हो जाते हैं। मैं गोल खा सकता हूं, लेकिन अगले ही पल मैं हमेशा की तरह वही खिलाड़ी रहता हूं। मैं कोशिश करता हूं कि दबाव मुझ पर हावी न हो।' आर्सेनल के पूर्व खिलाड़ी ने कहा कि मौजूदा यूरोपियन चैंपियन के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले वह सहज महसूस कर रहे हैं।

जापान ओपन: चोट के कारण सेमीफाइनल मैच से हटीं चैन युफेई, पीवी सिंधु को मिला फाइनल का टिकट

एजेंसी

टोक्यो । पीवी सिंधु शनिवार को जापान ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के महिला सिंगल्स फाइनल में पहुंच गई हैं। चीन की दुनिया की नंबर 4 खिलाड़ी चैन युफेई सेमीफाइनल के बीच में ही चोट के कारण हट गईं, जिसके बाद भारतीय स्टार खिलाड़ी को इस सीजन के पहले फाइनल का टिकट मिल गया। सिंधु मैच में पूरी तरह हावी नजर आईं और वह 21-19, 15-10 से आगे चल रही थीं, तभी पूर्व ओलंपिक चैंपियन चैन को हैमस्ट्रिंग की संभावित चोट के कारण हटना पड़ा। इससे पहले भारतीय खिलाड़ी ने मजबूत शुरुआत की और अपने आक्रामक खेल और तेज मूवमेंट से पहले गेम के बीच में चार अंकों की बढ़त बना ली। चैन ने वापसी करते हुए स्कोर 19-19 से बराबर किया, लेकिन सिंधु ने आखिरी पलों में संयम बनाए रखा और अपने पहले गेम प्वाइंट को भुनाते हुए पहला गेम 21-19 से जीत लिया। दूसरे गेम में भी कुछ ऐसा ही हुआ। सिंधु ने शुरुआत से ही रैलियों पर दबदबा बनाए रखा और तेजी से 15-10 की बढ़त बना ली। इसके बाद चैन युफेई चोट से जूझती

नजर आईं और उन्होंने आखिर में मैच से हटने का फैसला लिया। यह जीत सिंधु के 2026 में शानदार वापसी अभियान का एक और अहम पड़ाव है।31 साल की पीवी सिंधु ने साल की शुरुआत वर्ल्ड नंबर 18 रैंकिंग के साथ की थी, लेकिन लगातार बेहतर प्रदर्शन के दम पर उन्होंने अपनी रैंकिंग में सुधार किया, और अब वह दुनिया की 9वें नंबर की खिलाड़ी बन गई हैं। यह उनकी बेहतरीन फॉर्म में वापसी का साफ संकेत है। जापान ओपन का खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ सिंधु रविवार को होने वाले फाइनल में जापान की अकाने यामागुची या इंडोनेशिया की कुसुम वरदानी में से किसी एक का सामना करेंगी। इससे पहले, क्वार्टर फाइनल मैच से ठीक पहले जापान की नोजोमी ओकुहारा के हटने के बाद सिंधु जापान ओपन सुपर 750 के महिला सिंगल्स सेमीफाइनल में पहुंची थीं। 2023 में डेनमार्क ओपन के बाद सुपर 750 टूर्नामेंट में सिंधु का यह पहला सेमीफाइनल था। इस सीजन में वह तीन सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं, जिनमें मलेशिया ओपन सुपर 1000 और ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 जैसे टूर्नामेंट शामिल हैं।

फीफा वर्ल्ड कप: खिताबी मुकाबले में मेसी तोड़ सकते हैं ये 5 बड़े रिकॉर्ड्स, इस मामले में बनेंगे नंबर वन

एजेंसी

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना की भिड़ंत स्पेन के साथ होगी। खिताबी मुकाबले में अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी के टारगेट पर पांच बड़े रिकॉर्ड्स होंगे, जिन्हें वह अपने नाम करना चाहेंगे। मेसी का प्रदर्शन इस विश्व कप में कमाल का रहा है। वह टूर्नामेंट में अब तक 8 गोल कर चुके हैं।

मेसी अगर फाइनल मुकाबले में एक और गोल करने में सफल रहते हैं, तो वह खिताबी मैच में गोल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएंगे। फिलहाल यह रिकॉर्ड निल्स लीडहोल्म के नाम दर्ज है, जिन्होंने 1958 में 35 साल और 264 दिन की उम्र में फाइनल मुकाबले में गोल किया था। अर्जेंटीना के कप्तान मेसी अगर स्पेन के खिलाफ फाइनल मुकाबले में एक गोल करने में कामयाब रहते हैं, तो वो टीम की ओर से फीफा विश्व कप के एक संस्करण में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। मेसी के पास

गिलर्मो स्टाबिले के रिकॉर्ड को तोड़ने का सुनहरा मौका होगा। स्टाबिले ने 1930 में खेले गए विश्व कप में 8 गोल किए थे। मेसी भी फीफा वर्ल्ड कप 2026 में 8 गोल कर चुके हैं। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में अर्जेंटीना अगर स्पेन को हराकर अपने खिताब का बचाव करने में सफल रहती है और मेसी इस मैच में गोल कर देते हैं तो वह एक बड़े रिकॉर्ड को अपने नाम कर लेंगे। मेसी विश्व कप में विजेता टीम की ओर से सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। अभी यह रिकॉर्ड रोनाल्डो के नाम दर्ज है, जिन्होंने 2002 में चैंपियन बनी ब्राजील की ओर से 8 गोल किए थे।

खिताबी मुकाबले में अगर मेसी गोल करते हैं, तो वह विश्व कप के दो फाइनल में गोल करने वाले दुनिया के छठे खिलाड़ी बन जाएंगे। मेसी ने 2022 में हुए विश्व कप के फाइनल मुकाबले में दो गोल किए थे। इससे पहले, यह कारनामा ब्राजील के वावा और पेले, जर्मनी के पॉल ब्रेटनर, फ्रांस के जिनेदिन जिदान और किलियन एम्बाप्पे कर चुके हैं।

लियोनेल मेसी स्पेन के खिलाफ खिताबी मुकाबले में उतरने के साथ ही फीफा विश्व कप के फाइनल में खेलने वाले सबसे उम्रदराज (39 साल, 25 दिन) आउटफील्ड खिलाड़ी बन जाएंगे। मेसी की अगुवाई में अर्जेंटीना का प्रदर्शन इस विश्व कप में शानदार रहा है और टीम ने अजेय रहते हुए फाइनल का टिकट हासिल किया है।

लॉर्ड्स वनडे रोहित शर्मा का आखिरी मैच नहीं: सचिव देवजीत सैकिया

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने रोहित शर्मा के वनडे क्रिकेट भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया है। सैकिया ने कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में होने वाला तीसरा और आखिरी वनडे रोहित शर्मा का आखिरी मुकाबला नहीं होगा। पिछले कुछ दिनों से ऐसी खबरें सामने आ रही थीं कि इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का आखिरी मैच रोहित शर्मा के वनडे करियर का अंतिम मैच हो सकता है। बीसीसीआई सचिव ने इन खबरों को केवल अटकलबाजी बताया। बीसीसीआई सचिव सैकिया ने आईएएनएस से कहा, 'रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर कई तरह की बातें चल रही हैं। बोर्ड के स्तर पर ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है। मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है कि रोहित रविवार को लॉर्ड्स में अपना आखिरी मैच खेलेंगे। 'सैकिया ने कहा है कि रोहित भारतीय वनडे टीम के नियमित सदस्य हैं और जब तक वह टीम का हिस्सा हैं, तब तक देश का प्रतिनिधित्व करते रहेंगे। लॉर्ड्स का

मुकाबला रोहित शर्मा के वनडे करियर का अंत नहीं है। गौरतलब है कि रोहित शर्मा ने साल 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक खेलने की इच्छा जाहिर की है। हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज के शुरुआती दो मैचों में उनके बल्ले से बड़ी पारी नहीं निकल पाई।

फीफा वर्ल्ड कप: स्पेन के लिए आई राहत भरी खबर, फाइनल मैच के लिए फिट हुए लामिन यामल

एजेंसी

न्यूयॉर्क । फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबले से पहले स्पेन के लिए राहत भरी खबर आई है। अर्जेंटीन के खिलाफ होने वाले खिताबी मुकाबले के लिए टीम के युवा स्टार फॉरवर्ड लामिन यामल अब पूरी तरह फिट हैं। इस बात की जानकारी टीम के हेड कोच लुइस डे ला फुएंते ने दी है। 19 वर्षीय यामल को फ्रांस के खिलाफ सेमीफाइनल मैच के बाद लंगड़ाते हुए देखा गया था। उस मुकाबले में स्पेन ने 2-0 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई थी। चोट के कारण यामल गुरुवार को टीम के अभ्यास सत्र में शामिल नहीं हुए थे। इससे उनके फाइनल खेलने को लेकर सवाल उठने लगे थे। हालांकि, डे ला फुएंते ने सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा कि यामल को जोरदार चोट लगी थी, जिससे काफी दर्द हो रहा था। एहतियात के तौर पर उन्हें आराम दिया गया था। कोच ने बताया कि शुक्रवार के अभ्यास सत्र में यामल ने अपने साथियों के साथ पूरी ट्रेनिंग की और अब वह फिट हैं। कोच ने कहा कि शनिवार का अभ्यास सत्र टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा। अगर किसी खिलाड़ी को आखिरी समय में कोई परेशानी होती है तो उसे ठीक होने का मौका नहीं मिलेगा। इसलिए टीम मैनेजमेंट हर खिलाड़ी की फिटनेस पर नजर रख रहा है। स्पेन के लिए यह मुकाबला बेहद खास है। टीम 2010 में विश्व कप जीतने के बाद पहली बार फाइनल में पहुंची है। दूसरी ओर, अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार और कुल मिलाकर चौथी बार विश्व कप का खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी। इससे पहले, अर्जेंटीना 1978, 1986 और 2022 में विश्व चैंपियन बन चुका है। डे ला फुएंते का मानना है कि फाइनल में दुनिया की दो बेहतरीन टीमें आमने-सामने होंगी। उन्होंने कहा कि स्पेन और अर्जेंटीना दोनों के पास शानदार खिलाड़ी हैं और दोनों टीमों का रवैया भी काफी हद तक एक जैसा है। कोच के मुताबिक, फाइनल में वही टीम सफल होगी जो अपने खेल और प्रतिभा का बेहतर इस्तेमाल करेगी। फाइनल तक पहुंचने का दोनों टीमों का सफर अलग-अलग रहा है। स्पेन ने पूरे टूर्नामेंट में गेंद पर नियंत्रण रखने वाले खेल और मजबूत डिफेंस के दम पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है। टीम बिना कोई मैच हारे और सिर्फ एक गोल खाकर फाइनल तक पहुंची है। वहीं, अर्जेंटीना ने कई मुकाबलों में आखिरी समय में गोल करके जीत हासिल की और मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकलने की क्षमता दिखाई है। डे ला फुएंते ने अर्जेंटीना की इस खूबी की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी टीम कभी हार नहीं मानती। स्कोर में पीछे होने के बाद भी वह शानदार वापसी कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि स्पेन की टीम भी ऐसी परिस्थितियों से निकलने का अनुभव रखती है। डे ला फुएंते ने अर्जेंटीना के हेड कोच लियोनेल स्कालोनी की भी सराहना की।

लॉर्ड्स में कोहली-रोहित की जोड़ी रचेगी इतिहास, नाम जुड़ेगी बड़ी उपलब्धि

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत और इंग्लैंड के बीच वनडे सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को खेला जाना है। तीसरे वनडे में मैदान पर उतरने के साथ ही विराट कोहली और रोहित शर्मा की जोड़ी बड़ी उपलब्धि हासिल करेगी। दरअसल, लॉर्ड्स में रोहित और कोहली एक साथ मिलकर भारत की ओर से 400वां इंटरनेशनल मुकाबला खेलने उतरेंगे। कोहली-रोहित की जोड़ी इस

मुकाम तक पहुंचने वाली भारत की ओर से पहली जोड़ी बनेगी। यह दोनों इस खास लिस्ट में सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ की जोड़ी को पहले ही पीछे छोड़ चुके हैं। सचिन-द्रविड़ ने भारत के लिए एक साथ मिलकर 391 मुकाबले खेले हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में एक साथ सबसे ज्यादा मैच खेलने का विश्व रिकॉर्ड श्रीलंका के पूर्व बल्लेबाज कुमार संगकारा और महेला जयवर्धने के नाम है। संगकारा और जयवर्धने ने एक साथ श्रीलंका के लिए 550 इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं। इंग्लैंड के खिलाफ खेली जा रही वनडे सीरीज में रोहित शर्मा का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। वह दो एकदिवसीय मुकाबलों में अब तक सिर्फ 37 रन ही बना सके हैं। दूसरे वनडे में 47 गेंदों का सामना करने के बाद रोहित महज 26 रन ही बना सके थे और अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे थे। रोहित के भविष्य को लेकर भी कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, लॉर्ड्स वनडे को रोहित के करियर का आखिरी मैच बताया जा रहा था। हालांकि, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने सभी अफवाहों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है।

हालांकि, दूसरे वनडे में विराट कोहली अच्छी लय में दिखाई दिए थे। उन्होंने मुश्किल हालातों में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 66 गेंदों में 65 रनों की दमदार पारी खेली थी। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 8 चौके लगाए थे। कोहली ने रोहित के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 60 और फिर चौथे विकेट के लिए श्रेयस अय्यर संग मिलकर 67 रनों की अहम साझेदारी निभाई थी।

ब्रायन लारा ने सर गारफील्ड सोबर्स को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान ब्रायन लारा ने महान क्रिकेटर सर गारफील्ड सोबर्स के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें वेस्टइंडीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बताया। लारा ने कहा कि सोबर्स की विरासत को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। इंस्टाग्राम पर साझा किए गए अपने संदेश में लारा ने लिखा, हमारे सबसे महान खिलाड़ी हमें छोड़कर चले गए। उनके परिवार के हर सदस्य के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं, जिन्होंने हर मुश्किल समय में उनका साथ दिया और उन्हें वह ताकत दी, जिसकी उन्हें सबसे अधिक जरूरत थी। मैं प्रार्थना करता हूं कि इस बेहद कठिन समय में उनके परिवार को शांति और संबल मिले। शांतिपूर्वक विश्राम करें, महान खिलाड़ी। आपकी विरासत को कभी भुलाया नहीं जाएगा। सर गारफील्ड सोबर्स ने 1954 से 1974 के बीच वेस्टइंडीज के लिए 93 टेस्ट मैच खेले। इस दौरान उन्होंने 57.78 की औसत से 8,032 रन बनाए, जिसमें 26 शतक शामिल रहे। गेंदबाजी में भी उन्होंने 235 विकेट अपने नाम किए। बाएं हाथ के शानदार बल्लेबाज होने के साथ-साथ सोबर्स तेज गेंदबाजी, बाएं हाथ की ऑर्थोडॉक्स स्पिन और चिनामैन स्पिन, तीनों में माहिर थे। इसके अलावा उनकी फील्डिंग भी असाधारण थी, जिसके कारण उन्हें क्रिकेट इतिहास के सबसे संपूर्ण खिलाड़ियों में गिना जाता है।

'यह यकीन करना मुश्किल है', सचिन-कोहली ने सर गैरी सोबर्स के निधन पर लिखा भावुक पोस्ट

एजेंसी

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज के महान ऑलराउंडर सर गारफील्ड सोबर्स के 89 साल की उम्र में बारबाडोस में निधन के बाद क्रिकेट जगत शोक में डूब गया है। दुनिया भर से उन्हें श्रद्धांजलि दी जा रही है। पूर्व और मौजूदा क्रिकेटर्स ने खेल में सोबर्स के बेमिसाल योगदान को याद किया। सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली ने भी सोबर्स को श्रद्धांजलि देते हुए भावुक पोस्ट लिखा है। सोबर्स के साथ अपने करियर के दौरान कई यादगार पल बिताने वाले सचिन तेंदुलकर ने उनके साथ बने निजी रिश्तों को याद किया। 2003 वनडे वर्ल्ड कप से लेकर लंदन में अपनी आखिरी मुलाकात तक के पलों को याद करते हुए भारत के महान बल्लेबाज ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'यह यकीन करना बहुत मुश्किल है कि सर गैरी अब हमारे बीच नहीं रहे। मैं उन यादों को याद कर रहा हूं जो हमने वर्षों में साथ बनाई थीं। 2003 वर्ल्ड कप में उनका मुझे 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' की ट्रॉफी देना हो या शतक का मील का पत्थर छूने पर उनकी तारीफ भरे शब्द।' उन्होंने आगे लिखा, 'वह हमेशा बहुत ही विनम्र और अच्छे स्वभाव वाले इंसान रहे। मेरा मन बार-बार उस समय की ओर जाता है जब हम कुछ साल पहले लंदन में मिले थे। हम बस बैठकर खेल के बारे में बातें कर रहे थे, और अब यह बात मुझे बहुत गहराई से महसूस हो रही है कि वह हमारी आखिरी मुलाकात थी। वह सच में बेमिसाल थे। उनकी बहुत याद आएगी। भगवान आपकी आत्मा को शांति दे, सर गैरी। ' सोबर्स ने 2003 वनडे वर्ल्ड कप में भारत के उपविजेता रहने के बाद तेंदुलकर को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का अवॉर्ड दिया था। वहीं, सचिन द्वारा इंटरनेशनल क्रिकेट में 'शतकों का शतक' पूरा करने पर भी सोबर्स ने उन्हें सम्मानित किया था। विराट कोहली ने भी श्रद्धांजलि देते हुए सोबर्स को क्रिकेट की महानतम हस्तियों में से एक बताया, जिनका प्रभाव उनके निधन के बाद भी लंबे समय तक बना रहेगा। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'क्रिकेट ने अपनी महानतम हस्तियों में से एक को खो दिया है। भगवान आपकी आत्मा को शांति दे, सर गारफील्ड सोबर्स। आपकी विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। ' भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज ने भी सोबर्स के परिवार और क्रिकेट जगत के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ऐसी ही भावनाएं जाहिर कीं। उन्होंने लिखा, 'सर गारफील्ड सोबर्स के निधन से बहुत दुख हुआ। एक सच्चे दिग्गज जिनकी विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करेगी। उनके परिवार और क्रिकेट जगत के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। उनकी आत्मा को शांति मिले। 'भारत के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने सुनील गावस्कर के साथ हाल ही में हुई बातचीत को याद करते हुए कहा कि इस महान बल्लेबाज ने सोबर्स के निधन की खबर से कुछ दिन पहले ही उनकी बहुत तारीफ की थी। 'मुश्किल से 10 दिन पहले ही मेरी सुनील गावस्कर सर से बातचीत हुई थी, जब उन्होंने सर गारफील्ड सोबर्स का जिक्र किया और उनकी बहुत तारीफ की थी। यह दुख की बात है कि हमने उन्हें खो दिया। सर गारफील्ड सोबर्स की आत्मा को शांति मिले, जो एक ओवर में छह छक्के लगाने वाले पहले व्यक्ति थे। ' श्रीलंका के पूर्व कप्तान एंजेलो मैथ्यूज ने सोबर्स को क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन का मानक बताया और कहा कि उनका प्रभाव आंकड़ों और रिकॉर्ड से कहीं आगे था। उन्होंने लिखा, 'सर गारफील्ड सोबर्स न केवल क्रिकेट के महानतम खिलाड़ियों में से एक थे, बल्कि उन्होंने महानता का मानक भी स्थापित किया। एक ऐसे आइकन जिनका हुनर, विनम्रता और विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रही है। हमारे इस खूबसूरत खेल को जो कुछ भी आपने दिया है, उसके लिए धन्यवाद सर गैरी। '

ईपीएफओ ने विवादों के सौहार्दपूर्ण निपटारे के लिए 'विश्वास-2026' पहल शुरू की

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 'विश्वास-2026' नामक एकमुश्त विवाद समाधान पहल की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य विवादों का सौहार्दपूर्ण निपटारा करना है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की यह योजना 29 जून को अधिसूचित की गई है, जो 29 जून से प्रभावी हो गई है। यह अधिसूचना की तिथि से छह महीने की अवधि तक परिचालन में रहेगी। श्रम मंत्रालय के मुताबिक विश्वास-2026 योजना के तहत 14 जून, 2024 से पहले की अवधि से संबंधित चूकों के लिए क्षतिपूर्ति/जुर्माने की गणना काफी कम दरों पर की जाएगी। इसमें दो महीने तक की चूकों के लिए 0.25 फीसदी प्रति माह, दो से चार महीने से कम की चूकों के लिए 0.50 फीसदी प्रति माह और 4 महीने से अधिक की चूकों के लिए 1.00 फीसदी प्रति माह रखा गया है। इन रियायती दरों का उद्देश्य नियोक्ताओं को लंबित विवादों को शीघ्रता से हल करने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस योजना का लाभ उठाने के लिए, नियोक्ताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि ईपीएफ एवं एमपी अधिनियम, 1952 की धारा 7क्यू या सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 की धारा 127 के तहत देय संपूर्ण ब्याज का भुगतान आवेदन जमा करने से पहले ही कर दिया गया हो। आवेदकों को ये वचन भी देना होगा कि योजना के तहत निपटाए गए विवाद के संबंध में आगे कोई अपील नहीं की जाएगी।

दमन के नमो एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए सीधी हवाई सेवा की कमर्शियल उड़ानें शुरू

नई दिल्ली। दमन के नमो एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए सीधी हवाई सेवा के साथ कमर्शियल उड़ानें हुई शुरू हो गई है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु और दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल ने एलायंस एयर की पहली सर्विस को हरी झंडी दिखाई। यह केंद्र शासित प्रदेश से राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के लिए पहली सीधी उड़ान सेवा है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के मुताबिक सरकारी स्वामित्व वाली क्षेत्रीय वाहक एलायंस एयर की इस उड़ान के शुभारंभ के साथ दमन का पहला सीधा हवाई संपर्क बन गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस नागरिक टर्मिनल की आधारशिला 25 अप्रैल, 2023 को रखी थी और हवाई अड्डे का उद्घाटन प्रधानमंत्री ने 5 जून को किया था। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि केन्द्र शासित प्रदेश प्रशासन ने 25 एकड़ की भूमि पर 124 करोड़ रुपये की लागत से इसका निर्माण किया है, जिसमें नागर विमानन मंत्रालय ने इस परियोजना के लिए 88 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं। यह टर्मिनल 3,700 वर्ग मीटर में फैला है और अभी यह हर दिन एटीआर 14 उड़ानों को संचालित करने में सक्षम है, जिसकी वार्षिक क्षमता 3 लाख 67 हजार यात्रियों की है। राम मोहन नायडू ने अपने संबोधन में कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर पर दमन के लोगों को दिल से बधाई। अपनी पहली उड़ान के साथ ही दमन सीधे देश की राजधानी से जुड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अब सूरत या मुंबई से होकर 8 से 10 घंटे बिताने के बजाय, दिल्ली दमन से सिर्फ 2.5 घंटे दूर होगी।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला कैलिबर माइनिंग का आईपीओ, 24 जुलाई को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली। कोल माइनिंग सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स का 450 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 21 जुलाई तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 22 जुलाई को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 23 जुलाई को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 24 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन दोपहर 11.30 बजे तक ये आईपीओ 46 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 402 रुपये से लेकर 424 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 35 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 35 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,840 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,92,920 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 455 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 1,06,13,207 करोड़ शेयर बेचे जा रहे हैं। इनमें लगभग 400 करोड़ रुपये के 94,33,962 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि लगभग 50 करोड़ रुपये के 11,79,245 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में आज लगातार पांचवे दिन शुरुआती दौर में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 270 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 300 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में आज सोने के भाव में 320 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,280 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

भारत में नहीं चला एलन मस्क का जादू, एक साल में 500 कारें भी नहीं बेच पाई टेस्ला

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर अपनी इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए मशहूर एलन मस्क की कंपनी टेस्ला के लिए भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में शुरुआती एक साल का सफर बेहद निराशाजनक रहा है। पिछले वर्ष जुलाई में भारत में कदम रखने और सितंबर से अपनी लोकप्रिय गाड़ी की आपूर्ति शुरू करने के बाद से अब तक कंपनी देश में पांच सौ वाहनों का आंकड़ा भी पार नहीं कर सकी है। यह स्थिति दर्शाती है कि दुनिया भर में ब्रांड की भारी लोकप्रियता होने के बाद भी भारत के प्रीमियम और लक्जरी कार बाजार में अपनी जगह बनाना कितना जटिल काम है। भारतीय खरीदारों को आकर्षित करने में कंपनी की रणनीतियां पूरी तरह विफल साबित हो रही हैं। वैश्विक ब्रांड के असफल होने के मुख्य कारण और चुनौतियां

बाजार विश्लेषकों और उद्योग जगत के जानकारों के अनुसार, टेस्ला की इस विफलता के पीछे कई बड़े कारण हैं जो भारतीय बाजार की बनावट से जुड़े हैं। भारत में कंपनी की सबसे बड़ी समस्या ग्राहकों के बीच जागरूकता की कमी नहीं है, बल्कि उत्पाद की सीमित श्रेणी और उसकी बनावट है। वर्तमान में कंपनी के पास भारत में केवल एक ही मॉडल और एक ही तरह की बॉडी स्टाइल उपलब्ध है, जिससे ग्राहकों के पास चुनने के विकल्प सीमित हो जाते हैं। इसके अलावा, विदेशी बाजार से पूरी तरह आयातित होने के कारण इन गाड़ियों पर भारी सीमा शुल्क और कर लगते हैं, जिससे इनकी कीमत बहुत अधिक हो जाती है। कीमत के इस गणित को समझने में कंपनी से चूक हुई है। हालांकि कंपनी ने इस वर्ष अपनी गाड़ी की शुरुआती कीमत में लगभग नौ लाख रुपए की कटौती भी की, लेकिन इसके बावजूद यह भारतीय ग्राहकों के लिए उतनी किफायती साबित नहीं हुई। भारत जैसे बाजार में कोई भी ब्रांड केवल अपनी वैश्विक साख या प्रतिष्ठा के दम पर गाड़ियां नहीं बेच सकता। इसके लिए वाहनों का ग्राहकों की वास्तविक जरूरत के हिसाब से होना और उनका सही मूल्य पर उपलब्ध होना सबसे महत्वपूर्ण होता है।

टेस्ला के पिछड़ने का एक और बड़ा कारण देश में पहले से मौजूद मजबूत बुनियादी ढांचा और सर्विस नेटवर्क है। भारत के प्रीमियम श्रेणी के ग्राहक केवल गाड़ी की तकनीक ही नहीं देखते, बल्कि व्यापक सर्विस नेटवर्क और रखरखाव की सुगमता पर भी भरोसा करते हैं। इस नए ब्रांड के पास अभी ऐसा कोई बड़ा नेटवर्क नहीं है जो ग्राहकों को सुचारू सेवाएं दे सके।

इसके साथ ही, बाजार में उपलब्ध अन्य विदेशी विकल्प अलग-अलग बजट और कीमतों वाले कई तरह के मॉडल बेच रहे हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 675 अरब डॉलर के पार पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। आर्थिक मोंचे पर अच्छी खबर आई है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार दूसरे हफ्ते इजाफा दर्ज हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10 जुलाई को समाप्त हफ्ते में 96.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 675.15 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि इससे पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार 7.26 अरब डॉलर बढ़कर 674.19 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा एफसीए 930 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 546.51 अरब डॉलर हो गया है। आरबीआई के मुताबिक देश का स्वर्ण भंडार 24 मिलियन डॉलर बढ़कर 105.223 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, विशेष आहरण

अधिकार (एसडीआर) 30 लाख यूएस डॉलर की वृद्धि के साथ 18.626 अरब डॉलर पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत की आरक्षित स्थिति भी 70 लाख डॉलर बढ़कर 4.793 अरब डॉलर हो गई है।

केंद्र ने लौह अयस्क को प्रमुख बुनियादी उद्योग सूचकांक में जोड़ा, अब इसमें नौ उद्योग

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लौह अयस्क को प्रमुख बुनियादी उद्योगों की सूची में शामिल किया है। सरकार के इस कदम से अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन का और बेहतर आकलन करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही प्रमुख बुनियादी उद्योगों की संख्या आठ से बढ़कर अब 9 हो गई है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा, 'औद्योगिक उत्पादन में लौह अयस्क के व्यापक उपयोग और औद्योगिक विकास में इसके महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए संशोधित बुनियादी उद्योग सूचकांक (आईसीआई) श्रृंखला में लौह अयस्क को शामिल किया गया है।'मंत्रालय ने बताया कि नौ प्रमुख क्षेत्रों के आंकड़ों वाली नई श्रृंखला, जिसका आधार वर्ष 2022-23 होगा, जो 20 जुलाई को जारी की जाएगी। मंत्रालय ने बताया कि संशोधित श्रृंखला मौजूदा बुनियादी उद्योग सूचकांक (आईसीआई) श्रृंखला की जगह लेगी, जिसका आधार वर्ष 2011-12 है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक

(आईआईपी) के साथ समानता बनाए रखने के लिए संशोधित आईसीआई श्रृंखला में इस्पात सूचकांक तैयार करने के लिए सकल उत्पादन आंकड़ों का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे पहले आईसीआई (2011-12) श्रृंखला में शुद्ध उत्पादन आंकड़ों का उपयोग किया जाता था। वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि इसके अलावा, कोयला क्षेत्र में भी संशोधित श्रृंखला में केवल कच्चे कोयले को ही रखा गया है। इसे दोहरी गणना से बचने के लिए मध्यम श्रेणी के कोयले (कोल मिडलिंग्स) और धुले हुए कोयले को इस सूची से बाहर कर दिया गया है, क्योंकि अब ये दोनों कच्चे कोयले से ही प्राप्त होते हैं। इससे पहले सरकार ने वर्ष 2011 में प्राकृतिक गैस और उर्वरक को दो नए क्षेत्रों के रूप में प्रमुख बुनियादी उद्योगों में शामिल किया था। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में सरकार आठ प्रमुख क्षेत्रों कच्चा तेल, पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद, सीमेंट, बिजली, प्राकृतिक गैस, उर्वरक, तैयार इस्पात और कोयला के प्रदर्शन का मासिक आधार पर आकलन करती है। मई में आठ प्रमुख बुनियादी क्षेत्रों की उत्पादन वृद्धि दर घटकर सात महीने के निचले स्तर 0.5 फीसदी पर आ गई थी। कोयला, कच्चे तेल और रिफाइनरी उत्पादों के उत्पादन में गिरावट के कारण इसमें कमी आई थी।

फेडरल बैंक का शुद्ध लाभ पहली तिमाही में 37 फीसदी बढ़कर 1,177 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के फेडरल बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। बैंक का (अप्रैल-जून) पहली तिमाही में शुद्ध मुनाफा 1176.93 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वित्त वर्ष के मुनाफे 861.75 करोड़ रुपये से 36.5 फीसदी ज्यादा है। फेडरल बैंक ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि 30 जून को समाप्त चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में उसकी कुल आय सालाना आधार पर 6 फीसदी से ज्यादा बढ़कर 8286.69 करोड़ रुपये हो गई, ये पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 7799.61 करोड़ रुपये रही थी। बैंक ने बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में उसके खर्च 6389.36 करोड़ रुपये रहे, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह खर्च 6243.32 करोड़ रुपये थे। बैंक का परिचालन लाभ 1897.33 करोड़ रुपये हो गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की जून तिमाही में 1556.29 करोड़ रुपये रहा था। इसी तरह शुद्ध ब्याज से आय (एनआईआई) सालाना आधार पर 26 फीसदी बढ़कर 2,946 करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछले वित्त वर्ष में 2,336 करोड़ रुपये रही थी। बैंक के मुताबिक वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यह वृद्धि शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) में मजबूत वृद्धि, शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) में विस्तार और नए ऋणों में कमी के कारण हुई है। जून तिमाही में फेडरल बैंक का ग्रॉस एनपीए घटकर 4282.34 करोड़ रुपये हो गया। ग्रॉस एनपीए रेशियो भी कम होकर 1.52 फीसदी हो गया। इसी तरह नेट एनपीए कम होकर 506.05

करोड़ रुपये और नेट एनपीए रेशियो घटकर 0.18 फीसदी पर आ गया। बैंक ने कहा कि अप्रैल-जून तिमाही के दौरान फेडरल बैंक ने लगभग 6 लाख करोड़ रुपये का कारोबार किया। 10 नई ब्रांच खोलीं, जिससे इसका ब्रांच नेटवर्क 1650 आउटलेट्स तक पहुंच गया। कुल डिपॉजिट 3,20,117.66 करोड़ रुपये के रहे, जो सालाना आधार पर 11.37 फीसदी ज्यादा है।

भारत टेक्स 2026 बना भारतीय टेक्सटाइल उद्योग का वैश्विक मंच, मिले 14,300 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत के प्रमुख टेक्सटाइल प्रदर्शनी कार्यक्रम भारत टेक्स 2026 के तीसरे संस्करण में 130 से अधिक देशों के 6,000 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और करीब 1.30 लाख व्यापारिक आगंतुकों ने हिस्सा लिया।

सरकार के अनुसार, इस आयोजन ने भारतीय पारंपरिक कला और टेक्सटाइल उद्योग को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, 1.6 मिलियन वर्ग फुट क्षेत्र में आयोजित इस प्रदर्शनी में 20,000 से अधिक टेक्सटाइल उत्पाद प्रदर्शित किए गए। यह आयोजन भारतीय विरासत, उद्योग, सतत विकास (सस्टेनेबिलिटी) और वैश्विक व्यापार का प्रमुख मंच बनकर उभरा। इस प्रदर्शनी में फाइबर, यार्न, फैब्रिक, अपैरल, होम टेक्सटाइल्स, टेक्निकल टेक्सटाइल्स, हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट्स सहित पूरे टेक्सटाइल वैल्यू चेन को शामिल किया गया।

आयोजन में बिहार की प्रसिद्ध टिकुली आर्ट भी आकर्षण का केंद्र रही, जो अपनी चमकदार रंगों और बारीक इनामेल वर्क के लिए जानी

जाती है।वहीं, करीब 120 बुनकरों का प्रतिनिधित्व करने वाली निर्यातक हैंडलूम कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड ने हैंडलूम एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल की ओर से उपलब्ध कराए गए रियायती स्टॉल के माध्यम से अपने घरेलू स्तर पर तैयार किए जाने वाले हैंडलूम उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के सामने पेश किया। इस आयोजन में भारत और विदेशों से प्रदर्शकों, खरीदारों, निवेशकों, नीति निर्माताओं और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जो भारतीय टेक्सटाइल सेक्टर में बढ़ते वैश्विक विश्वास को दर्शाता है। प्रदर्शनी में 1,600 से अधिक प्रदर्शक और 11,000 से ज्यादा खरीदार शामिल हुए। इस दौरान 28,000 से अधिक बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) बैठकें आयोजित हुईं। साथ ही 100 से अधिक गवर्नमेंट-टू-गवर्नमेंट (जी2जी) और बिजनेस-टू-गवर्नमेंट (बी2जी) बैठकें भी हुईं। इन बैठकों के जरिए 14,300 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। भारत टेक्स 2026 के साथ-साथ दिल्ली स्थित नेशनल क्राफ्ट्स म्यूजियम में आयोजित इंडी हाट 2026 ने भी भारत की हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट विरासत को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित किया। इस आयोजन में 48 कारीगरों और बुनकरों के साथ 12 डिजाइन आधारित ब्रांड्स ने भाग लिया और क्षेत्रीय हस्तशिल्प को प्रमुखता से प्रस्तुत किया। प्रदर्शनी में गुलाबी मीनाकारी, डोकरा, उस्ता कला, पिचवाई, सोजनी एम्ब्रॉयडरी, ब्लू पॉटरी, सिल्वर फिलिग्री, चेरियाल पेंटिंग, माता नी पछेड़ी, पेपियर-माशे, बागरू ब्लॉक प्रिंटिंग, जामदानी साड़ियां, मूगा और एरी सिल्क, ओडिशा इकत समेत कई पारंपरिक भारतीय कला और शिल्प रूपों का प्रदर्शन किया गया।

सीतारमण ने एक लाख से अधिक लाभार्थियों को 3,216 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के पलनाडु जिले के नरसरावपेट में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के ऋण पहुंच कार्यक्रम के दौरान सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत एक लाख से अधिक लाभार्थियों को 3,216 करोड़ रुपये के कर्ज वितरित किए। इस मौके पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू भी मौजद रहे।

वित्त मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में बताया कि नरसरावपेट में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा आयोजित एक विशाल ऋण संपर्क कार्यक्रम में वित्त मंत्री सीतारमण ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और किसानों को लगभग 3,216 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए गए। सीतारमण और मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने नरसरावपेट में विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की ओर से आयोजित ऋण संपर्क कार्यक्रम में हिस्सा लिया। सीतारमण और नायडू ने यूनियन बैंक की कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहल के तहत उपलब्ध कराई गई एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाई तथा छात्राओं को साइकिल वितरित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायडू ने बताया कि कृषि क्षेत्र के लिए 2,363 करोड़ रुपये, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों के लिए 325 करोड़ रुपये और आवास, शिक्षा, वाहन तथा सौर ऊर्जा के लिए 624 करोड़ रुपये के ऋण मंजूर किए गए हैं। इसके अलावा एक अलग कार्यक्रम में नायडू और सीतारमण ने सार्वजनिक क्षेत्र के यूनियन बैंक की कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व पहल के तहत उपलब्ध कराई गई एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाई तथा छात्राओं को साइकिल वितरित की।

मारुति डिजायर बनी नंबर-1 कार, पहली छमाही में टाटा पंच और नेक्सॉन को दी पटखनी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय कार बाजार में पहली छमाही के बिक्री आंकड़े भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में इस वर्ष की पहली छमाही के दौरान वाहनों की बिक्री के बेहद दिलचस्प और रोमांचक आंकड़े सामने आए हैं। जनवरी से जून की अवधि में देश के कार खरीदारों के बीच कुछ चुनिंदा मॉडलों को लेकर जबरदस्त दीवानगी देखने को मिली। इस समयावधि में देश के मध्यम वर्ग की पसंदीदा मानी जाने वाली एक प्रमुख सेडान कार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बिक्री के सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए और शीर्ष स्थान पर अपना कब्जा जमा लिया। इसके साथ ही देश की सबसे बड़ी वाहन निर्माता कंपनी ने बाजार में अपना वर्चस्व कायम रखा है और उसके कई मॉडलों ने इस सूची में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

शीर्ष तीन मॉडलों के बीच देखने को मिली कांटे की टक्कर

इस वर्ष के शुरुआती छह महीनों में बाजार के शीर्ष स्थान को हासिल करने के लिए विभिन्न वाहन निर्माता कंपनियों के बीच बेहद कड़ा मुकाबला देखने को मिला। पहले और तीसरे स्थान पर रहने वाले वाहनों के बीच बिक्री का अंतर बहुत ही कम रहा जिससे बाजार की प्रतिस्पर्धा का अंदाजा लगाया जा सकता है। नंबर एक पायदान पर रहने वाली कार ने दूसरे स्थान पर मौजूद एसयूवी श्रेणी के वाहन को कुछ हजार इकाइयों के अंतर से पीछे छोड़ने में सफलता प्राप्त की। वहीं दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले दोनों ही वाहन एक ही स्वदेशी निर्माता कंपनी के हैं और उनके बीच का अंतर तो बेहद मामूली रहा। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि भारतीय ग्राहकों के बीच अब कॉम्पैक्ट और यूटिलिटी वाहनों को लेकर पसंद लगातार बदल रही है।

प्रमुख वाहन निर्माता कंपनियों का प्रदर्शन और बाजार पर पकड़

वाहन बाजार के इन नवीनतम आंकड़ों का गहराई से विश्लेषण करने पर एक बार फिर पारंपरिक दिग्गज कंपनी का दबदबा साफ तौर पर उभर कर सामने आता है। शीर्ष दस वाहनों की इस सूची में से अकेले छह पायदानों पर इसी एक कंपनी के अलग-अलग मॉडलों ने अपना कब्जा जमाया है। इनमें से कई मॉडलों ने छह महीनों के भीतर ही एक लाख से अधिक इकाइयों की बिक्री का आंकड़ा पार करने का कीर्तिमान स्थापित किया है। इसके अलावा देश की एक अन्य प्रतिष्ठित स्वदेशी वाहन निर्माता कंपनी ने भी बेहद शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष तीन में अपने दो प्रमुख वाहनों को शामिल कराने में कामयाबी पाई है। मध्यम आकार के एसयूवी खंड में भी ग्राहकों का भरोसा पुरानी और स्थापित गाड़ियों पर बरकरार रहा और दो अन्य दिग्गज कंपनियों के एक-एक लोकप्रिय मॉडल ने भी शीर्ष दस की सूची में सम्मानजनक स्थान सुरक्षित किया।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को 2026-27 की पहली तिमाही में 1,324 करोड़ रुपये का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। बैंक का (अप्रैल-जून) पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 13 फीसदी बढ़कर 1,324 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में 1,169 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि 30 जून, 2026 को समाप्त चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 10,678 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 10,360 करोड़ रुपये थी। इस दौरान बैंक की ब्याज आय बढ़कर 9,691 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वित्त वर्ष की जून तिमाही में 8,589 करोड़ रुपये थी।

बैंक का परिचालन लाभ पहली तिमाही में घटकर 2,186 करोड़ रुपये रह गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 2,304 करोड़ रुपये रहा था। इस दौरान बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ है। पहली तिमाही के अंत में सकल अग्रिमों के मुकाबले सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) घटकर 2.60 फीसदी रह गई जो पिछले वित्त वर्ष में 3.13 फीसदी रहीं थीं। बैंक का शुद्ध एनपीए 30 जून, 2026 तक 0.49 फीसदी पर स्थिर रहा। बैंक के मुताबिक पहली तिमाही में खराब ऋणों के लिए प्रावधान घटकर 346 करोड़ रुपये रह गया, जो जून, 2025 के अंत में 468 करोड़ रुपये रहा था। इस दौरान बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात बढ़कर 18.28 फीसदी हो गया, जो वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के अंत में 17.66 फीसदी था।

स्मार्टफोन बाजार को बड़ा झटका, 6 साल में पहली बार इतनी गिरी बिक्री

एजेंसी

नई दिल्ली। भारी डिस्काउंट और आसान EMI के बावजूद भारतीय स्मार्टफोन बाजार इस समय सुस्ती के दौर से गुजर रहा है। Counterpoint Research में 2026 की में इस बाजार में काफी कमी आई है। भारी डिस्काउंट और आसान EMI के बावजूद भारतीय स्मार्टफोन बाजार इस समय सुस्ती के दौर से गुजर रहा है। देखा जा रहा है कि Counterpoint Research की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2026 की दूसरी तिमाही में भारत में स्मार्टफोन शिपमेंट में साल दर साल 10फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। खास बात यह है कि पिछले छह सालों में जून तिमाही के दौरान यह सबसे बड़ी गिरावट मानी जा रही है। सको लेकर विशेषज्ञों का कहना है कि स्मार्टफोन की बढ़ती कीमतें और उपभोक्ताओं की घटती खरीद क्षमता इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह बन रही हैं। इसका असर खासकर बजट स्मार्टफोन सेगमेंट पर साफ दिखाई दे रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि DRAM और NAND जैसी मेमोरी चिप्स की कीमतों में तेज उछाल के कारण कंपनियों की उत्पादन लागत बढ़ गई है। इसका सीधा असर फोन की कीमतों पर पड़ा और औसतन स्मार्टफोन करीब 15फीसदी तक महंगे हो गए। वहीं महंगाई और बढ़ती कीमतों के चलते 15,000 रुपये से कम कीमत वाले स्मार्टफोन की बिक्री में करीब 45फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

लिवाली के सपोर्ट से शेयर बाजार के लिए शानदार रहा दिन, सेंसेक्स 1,095 अंक तक उछला

एजेंसी

नई दिल्ली। आईटी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों की जोरदार तेजी और चुनिंदा स्टॉक्स में हुई वैल्यू बाइंग की वजह से आज का दिन घरेलू शेयर बाजार के लिए शानदार शुक्रवार बन गया। खरीदारी के सपोर्ट से बाजार आज जबरदस्त मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि, बाजार खुलते ही बिकवाली का हल्का झटका भी लगा, लेकिन थोड़ी देर में ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स आज इंट्रा-डे में 1,095 अंक से भी अधिक उछल गया। इसी तरह निफ्टी ने भी इंट्रा-डे में 294 अंक से अधिक की छलांग लगाई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.25 प्रतिशत और निफ्टी 1.09 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। बाजार की मजबूती के कारण निवेशकों को आज लगभग 82 हजार करोड़ रुपये का फायदा हो गया। बीएसई का सेंसेक्स आज 183.90 अंक यानी 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ 77,370.77 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का झटका लगने के कारण पहले मिनट में ही यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से करीब 60 अंक फिसल कर 77,308 अंक के स्तर तक आ गया। इसके तुरंत बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया और लिवाली शुरू कर दी।

खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के कारण दोपहर 2:15 बजे के करीब यह सूचकांक 1,095.68 अंक यानी 1.42 प्रतिशत उछल कर 78,282.55 अंक के स्तर तक आ गया। हालांकि, अंत में हुई मामूली बिकवाली की वजह से सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से 130 अंक से अधिक फिसल कर 964.58 अंक की बढ़त के साथ 78,151.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 54.85 अंक यानी 0.23 प्रतिशत उछल कर 24,127.60 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण शुरुआती मिनट में ही यह सूचकांक फिसल कर 24,099.05 अंक के स्तर तक आ गया। हालांकि इस बिकवाली को काउंटर करने के लिए खरीदार भी एक्टिव हो गए और चौतरफा लिवाली शुरू कर दी। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी दोपहर दो बजे के थोड़ी देर बाद 294.55 अंक यानी 1.22 प्रतिशत की छलांग लगा कर 24,367.30 अंक तक पहुंच गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई बिकवाली के कारण निफ्टी ऊपरी स्तर से 33 अंक लुढ़क कर 261.55 अंक की मजबूती के साथ 24,334.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी का आईटी इंडेक्स 1.75 प्रतिशत उछल गया। इसी तरह निफ्टी का बैंक इंडेक्स 1.63 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। इसके अलावा ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस तथा पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। दूसरी ओर, कैपिटल गुड्स और हेल्थकेयर सेक्टर के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। इसके साथ ही मेटल और कंज्यूमर ड्युरेबल्स इंडेक्स भी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसकी वजह से निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.41 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 80 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 480.92 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया।

वेनेजुएला भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 5,069 हुई

एजेंसी

काराकस । नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिगेज ने कहा कि वेनेजुएला में 24 जून को आए भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 5,069 हो गई है। रॉड्रिगेज ने टेलीग्राम पर एक आधिकारिक अपडेट जारी किया, जिसके अनुसार घायलों की संख्या 16,740 बनी हुई है, जबकि 6,462 लोगों को बचाया गया है। अपडेट में बताया गया कि वेनेजुएला की राजधानी काराकस और मध्य राज्यों ला गुएरा, मिरांडा और अरागुआ में बनाए गए 107 अस्थायी कैंपों में 21,235 लोग रह रहे हैं। तीन सप्ताह से अधिक समय पहले आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के भूकंपों के बाद से अधिकारियों ने 1,331 आफ्टरशॉक (भूकंप के बाद के झटके) दर्ज किए हैं। इससे पहले, रॉड्रिगेज ने कहा था कि अब तक 94 अस्थायी कैंप बनाए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि तटीय राज्य ला गुएरा में दो भूकंपों से सबसे अधिक नुकसान हुआ था। ला गुएरा के शेल्टर में 10,981 लोग हैं, जबकि काराकस में 6,133 और मध्य राज्य मिरांडा में 1,323 लोग हैं। इससे पहले, वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने देश में हाल ही में आए भूकंप से प्रभावित लोगों की मदद के लिए 28 देशों द्वारा दी गई मानवीय सहायता के लिए आभार व्यक्त किया था।

मोजतबा के सैन्य सलाहकार रेजाई की चेतावनी, 'हमले नहीं रुके तो ईरान का आक्रामक रूप देखेगा अमेरिका'

तेहरान । ईरान के एक शीर्ष सैन्य सलाहकार ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ईरान के खिलाफ अगले दो से तीन दिनों तक युद्ध जारी रखता है, तो देश आक्रामक और विनाशकारी दौर में चला जाएगा। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के सैन्य सलाहकार मोहसेन रेजाई ने सरकारी आईआरआईबी टीवी के साथ एक इंटरव्यू के दौरान ये चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि युद्ध और बातचीत दोनों की नीति खत्म हो गई है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने सख्त चेतावनी देते हुए यह भी कहा कि अगर अमेरिका के हमले जारी रहे, तो ईरान की सेनाएं सिर्फ जवाबी हमले तक ही सीमित नहीं रहेंगी और अमेरिकी बेस और सेनाएं किसी भी राजनीतिक सीमा के अंदर सुरक्षित नहीं रहेंगी। मोजतबा के सैन्य सलाहकार ने कहा कि ईरान ने अब तक युद्ध को बड़े क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय संकट में बदलने से रोकने के लिए संयम बरता है। उन्होंने अमेरिका पर युद्ध को क्षेत्रीय संकट में बदलकर गलत अंदाजा लगाने का आरोप लगाया। रेजाई ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई जारी रखता है, तो ईरान जमीनी स्तर पर सेना समेत और सैन्य क्षमताएं तैनात करेगा और युद्ध का दायरा बढ़ेगा।

ईरान में सुनी गईं धमाकों की आवाजें, यूएस सेंट्रल कमांड ने ईरानी सैन्य ठिकानों को बनाया निशाना

तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच हमलों का दौर जारी है। ईरानी मीडिया ने बताया कि शुक्रवार रात को ईरान के कई प्रांतों में धमाके सुने गए। यूएस सेंट्रल कमांड (सीईएनटीसीओएम) ने ईरान के खिलाफ हमलों का एक नया दौर शुरू करने की घोषणा की, जिसके बाद तेहरान में धमाकों की आवाज सुनी गई। ईरान की अर्ध-सरकारी मेहर न्यूज एजेंसी ने कहा कि धमाकों की खबर बुशहर प्रांत के साथ-साथ होर्मोजगान प्रांत के सिरिक और केशम प्रांत में भी मिली है, लेकिन अभी तक टारगेट, हताहतों या हुए नुकसान के बारे में कोई जानकारी नहीं है। इस बीच, ईरान की आधिकारिक आईआरएनए न्यूज एजेंसी ने कहा कि ईरान के मध्य यज्द प्रांत में पांच धमाकों की आवाज सुनी गई। सेंट्रल कमांड की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की गई जानकारी में बताया गया कि कमांड ने लगातार सातवीं रात ईरान के खिलाफ हमलों का एक नया दौर शुरू किया। ये हमले ईरानी सैन्य क्षमताओं को कमजोर करने के लिए किए गए हैं। अमेरिका का कहना है कि ये हमले ईरान की सैन्य क्षमताओं को और कमजोर करने के लिए किए जा रहे हैं। इससे पहले अमेरिकी सेंट्रल कमांड गुरुवार देर रात को जानकारी दी कि अमेरिकी सेना दर्जनों ईरानी सैन्य ठिकानों पर सटीक हमले किए।

पाकिस्तान में क्रिकेट खेल रहे दो ईसाई युवकों की गोली मारकर हत्या, शव रखकर क्वेटा-कराची हाईवे किया जाम

स्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में दो ईसाई युवकों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए काम करने वाले एक प्रमुख संगठन ने वारदात पर चिंता जताते हुए कहा कि? पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों की जिंदगी अब भी लगातार खतरे में है। वॉयस ऑफ पाकिस्तान माइनॉरिटी (वीओपीएम) के मुताबिक, बलूचिस्तान में मस्तुंग जिले के शमसाबाद इलाके में मोटरसाइकिल पर आए हमलावरों ने 21 साल के आयुष मसीह और 24 साल के डोमनिक मसीह की गोली मारकर हत्या कर दी। यह जगह ईसाई बस्ती से कुछ ही किलोमीटर दूर है। दोनों युवक अपने कुछ दोस्तों के साथ शाम को क्रिकेट खेल रहे थे, तभी हमलावर वहां पहुंचे और उन्हें गोली मार दी, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वीओपीएम ने रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि इस हमले के पीछे इस्लामिक स्टेट-खुरासान प्रोविंस (आईएसकेपी) का हाथ होने की आशंका है। यह इस्लामिक स्टेट का स्थानीय संगठन है, जो बलूचिस्तान के कुछ इलाकों में सक्रिय रहा है।

पाकिस्तान आंतकी गुटों को दे रहा पनाह, दक्षिण एशिया के लिए ये खतरनाकः रिपोर्ट

एजेंसी

वाशिंगटन । (आईएसकेपी/आईएसआईएस-के) को पनाह देने और फिर आतंकवाद विरोधी अभियान के नाम पर अफगानिस्तान में हवाई हमले करने के आरोप लगाए गए हैं। अमेरिका स्थित मिडिल ईस्ट मीडिया रिसर्च इंस्टीट्यूट (एमईएमआरआई) की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पाकिस्तान की सैन्य कार्रवाइयां तालिबान सरकार पर दबाव बनाने और पश्चिमी देशों के सामने अपनी सख्त छवि पेश करने की रणनीति का हिस्सा हो सकती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, '30 जून 2026 को अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा पार ड्रोन गतिविधियों की खबरें सामने आई थीं। ये गतिविधियां कथित रूप से आईएसकेपी के ठिकानों को लेकर थीं। हाल के वर्षों में ऐसी घटनाएं बढ़ी हैं और पाकिस्तान कथित तौर पर क्षेत्र में तालिबान के खिलाफ दबाव बनाने के लिए अन्य आतंकी

नेटवर्कों का इस्तेमाल कर सकता है। एमईएमआरआई रिपोर्ट में दावा किया गया कि पाकिस्तान की सैन्य व्यवस्था और आईएसकेपी के बीच कथित संबंध दक्षिण एशिया में अस्थिरता बढ़ा सकते हैं। रिपोर्ट ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान दशकों से भारत और अफगानिस्तान के संदर्भ में आतंकवादी समूहों के इस्तेमाल की रणनीति अपनाता रहा है।रिपोर्ट में कहा गया है कि उपलब्ध साक्ष्य संकेत देते हैं कि 'पाकिस्तान आईएसकेपी को वैचारिक समर्थन के बजाय रणनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल कर सकता है, ताकि अफगान तालिबान और बलूच विद्रोही समूहों पर दबाव बनाया जा सके।' पाकिस्तान की पोल खोलती रिपोर्ट के अनुसार, 'अगस्त 2021 में तालिबान की अफगानिस्तान की सत्ता में वापसी के बाद पाकिस्तान और तालिबान के रिश्तों में गिरावट आई है। सीमा पर झड़पों में वृद्धि हुई है और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के हमलों ने पाकिस्तान की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाया है।' रिपोर्ट में दावा किया गया कि कतर, तुर्की और चीन जैसे देशों की मध्यस्थता के प्रयास भी दोनों देशों के बीच तनाव कम करने में सफल नहीं रहे हैं। बलूच सशस्त्र समूहों ने बलूचिस्तान में सुरक्षा बलों और प्रमुख परियोजनाओं, खासकर चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) से जुड़े ठिकानों पर हमले बढ़ाए हैं। इसके अनुसार, चीनी नागरिकों और परियोजनाओं की सुरक्षा को लेकर बीजिंग ने पाकिस्तान को अपनी फिक्र से रूबरू कराया है, जिससे पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल सैयद असीम मुनीर पर दबाव बढ़ा है। रिपोर्ट ने दावा किया कि पाकिस्तान ने बढ़ते उग्रवाद के जवाब में खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में कड़े सुरक्षा उपाय अपनाए हैं, लेकिन इससे स्थानीय समुदायों में असंतोष बढ़ सकता है।

क्रिप्टो निवेशकों की सुरक्षा के लिए नए कानून पर जोर, अमेरिकी सांसदों ने सीनेट से की अपील

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के सांसदों ने सीनेट से डिजिटल एसेट (क्रिप्टोकरेंसी) से जुड़े क्लैरिटी एक्ट को जल्द पारित करने की अपील की है। उनका कहना है कि स्पष्ट और एक समान नियम बनने से निवेशकों की सुरक्षा होगी, क्रिप्टो कंपनियां अमेरिका लौटेंगी और वित्तीय तकनीक के क्षेत्र में अमेरिका अपनी अग्रणी भूमिका बनाए रख सकेगा। न्यूयॉर्क के ऐतिहासिक फेडरल हॉल में हुई सुनवाई के दौरान प्रतिनिधि सभा की डिजिटल एसेट, फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उपसमिति ने इस विधेयक का समर्थन किया। इस कानून के तहत सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) और कमोडिटी फ्यूचर्स ट्रेडिंग कमीशन (सीएफटीसी) के बीच निगरानी की जिम्मेदारियां तय की जाएंगी। उपसमिति के अध्यक्ष ब्रायन स्टील ने कहा कि उनका उद्देश्य कार्रवाई के जरिए नियम लागू करने के बजाय डिजिटल एसेट्स के लिए साफ और स्पष्ट नियम बनाना है। प्रतिनिधि सभा यह विधेयक पिछले साल 294-134 के बहुमत से पारित कर चुकी है। अब सीनेट इस पर विचार कर रही है। वहीं, हाउस फाइनेंशियल सर्विसेज कमेटी के अध्यक्ष फ्रेंच हिल ने कहा कि स्पष्ट नियम बनने से अमेरिका वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था का प्रमुख केंद्र बन सकता है। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भी लक्ष्य है और वे चाहते हैं कि सीनेट जल्द इस विधेयक को मंजूरी देकर राष्ट्रपति के पास भेजे। सुनवाई में शामिल उद्योग विशेषज्ञों ने कहा कि वर्षों से स्पष्ट नियम न होने के कारण निवेश और नई तकनीक का विकास अमेरिका से बाहर चला गया। डिजिटल एसेटफर्म बुलिश की अधिकारी रैंडी एबरनेथी ने बताया कि उनकी कंपनी को शुरुआत में जर्मनी, हांगकांग और जिब्राल्टर के नियमों के तहत काम करना पड़ा, क्योंकि अमेरिका में कोई स्पष्ट संघीय कानून नहीं था।

अमेरिका ने नागरिक ढांचे को निशाना बना अंतरराष्ट्रीय कानून का किया उल्लंघनः संयुक्त राष्ट्र में ईरान

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र/तेहरान । संयुक्त राष्ट्र में ईरान के स्थायी प्रतिनिधि अमीर-सईद इरावानी ने अमेरिका पर ईरान के नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का आरोप लगाते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को पत्र लिखा है। इरावानी ने पत्र में कहा कि अमेरिकी हमलों में बंदरगाहों, परिवहन नेटवर्क, संचार सुविधाओं, लॉजिस्टिक्स हब, रडार प्रतिष्ठानों, तटीय रक्षा प्रणालियों और अन्य ऐसे ढांचों को भारी नुकसान पहुंचाया गया, जो आम नागरिकों के जीवन और देश की अर्थव्यवस्था के संचालन के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन हमलों में हुई 'मौतों, घायलों, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान और पर्यावरणीय क्षति' के लिए अमेरिका जिम्मेदार है। इरावानी ने अपने पत्र में यह भी कहा कि अमेरिका के ये हमले अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हैं और इनकी निरंतरता 'अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा, समुद्री नौवहन की स्वतंत्रता, क्षेत्रीय स्थिरता तथा फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा' के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रही है।

ईरान के अधिकारियों ने दावा किया है कि अमेरिका के एक हमले में देश के तटीय इलाके बुंजी गांव (जस्क काउंटी, होर्मोजगान प्रांत) स्थित समुद्री जल को साफ करने वाले (डिसेलिनेशन) संयंत्र के पंपों को नुकसान पहुंचा, जिससे आसपास के 20 गांवों में पेयजल आपूर्ति बाधित हो गई है।

ईरान की अर्ध-सरकारी तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, होर्मोजगान वाटर एंड वेस्टवॉटर कंपनी के प्रमुख हम्जेह पूर ने कहा कि इस हमले से लगभग 10,000 लोगों की पानी की आपूर्ति प्रभावित हुई है।

पूर के मुताबिक, बुंजी डिसेलिनेशन प्लांट में समुद्र से पानी खींचने वाले पंपिंग स्टेशन और एक बिजली ट्रांसफॉर्मर पूरी तरह नष्ट हो गए। उन्होंने कहा कि प्रभावित गांवों में अब गंभीर जल संकट पैदा हो गया है और स्थानीय प्रशासन आपूर्ति बहाल करने के प्रयास कर रहा है। इस बीच इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए हैं। उसने बताया कि कुवैत के अल-अहमदी बंदरगाह पर अमेरिकी नौसेना के फ्यूल सपोर्ट पियर और बहरीन के शेख ईसा एयरबेस पर ड्रोन व मिसाइलों से हमला किया। तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, आईआरजीसी ने बहरीन में अमेरिकी खुफिया डेटा सेंटर 'बटेल्को' को भी नष्ट कर दिया।

रूस पर यूक्रेन का बड़ा ड्रोन हमला, मास्को के पास वेयरहाउस पर हमले में 7 की मौत

एजेंसी

मास्को । यूक्रेन ने शनिवार तड़के रूस के कई इलाकों पर बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले किए। रूसी अधिकारियों के अनुसार, मास्को से दक्षिण-पूर्व स्थित तांबोव क्षेत्र के कोटोव्स्क शहर में एक लॉजिस्टिक्स सेंटर पर हुए ड्रोन हमले में 7 कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि 24 से 25 लोग घायल हुए हैं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, तांबोव के गवर्नर येवगेनी पेर्विशोव ने बताया कि हमला रूस की सबसे बड़ी ऑनलाइन रिटेल कंपनी वाइल्डबेरीज के स्वामित्व वाले वेयरहाउस पर हुआ। उनके मुताबिक, सभी

मृतक नाइट शिफ्ट में काम कर रहे थे। गवर्नर ने दावा किया कि रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले 28 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। उन्होंने कहा कि यदि सभी ड्रोन अपने निशाने तक पहुंच जाते, तो नागरिक हताहतों की संख्या कहीं अधिक हो सकती थी। वहीं समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार एक अलग घटना में ड्रोन हमले से एक तेल डिपो में आग लग गई। इसकी जानकारी मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर आंद्रेई वोरोब्योव ने दी। उन्होंने बताया कि ड्रोन के मलबे के गिरने से नोगिंस्क शहर के एक तेल डिपो में आग लग गई।

उन्होंने बताया कि इस घटना में दो लोग घायल हुए हैं। एहतियात के तौर पर पास के एक मैटरनिटी हॉस्पिटल को खाली करा लिया गया। हालांकि, तेल डिपो को हुए नुकसान की विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है। यह डिपो हल्के पेट्रोलियम उत्पादों के भंडारण और वितरण के लिए इस्तेमाल किया जाता है। जानकारी के मुताबिक, इस डिपो में पेट्रोल, डीजल और केरोसीन का भंडारण किया जाता है। यहां कुल 24 स्टोरेज टैंक हैं, जिनकी संयुक्त भंडारण क्षमता लगभग 11,500 घन मीटर (क्यूबिक मीटर) है। रूसी अधिकारियों के अनुसार, कोटोव्स्क स्थित लॉजिस्टिक्स सेंटर के वेयरहाउस में लगी आग पर काबू पा लिया गया है, जबकि मौके पर राहत और बचाव कार्य जारी है। 24 फरवरी 2022 से रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष जारी है। हाल के महीनों में दोनों पक्षों के बीच ड्रोन हमलों में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है।

चीन-तुर्की की बढ़ती नजदीकियों पर ईटीजीई को ऐतराज, बोली- दमन को मिल रहा बढ़ावा

एजेंसी

वाशिंगटन । ईस्ट तुर्किस्तान गवर्नमेंट इन एग्जाइल (ईटीजीई) ने चीन और तुर्की के बीच बढ़ते सहयोग की कड़ी आलोचना करते हुए आरोप लगाया है कि इससे चीन को शिनजियांग (ईस्ट तुर्किस्तान) में अपने दमनकारी अभियान को और तेज करने का हौसला मिल रहा है। यह प्रतिक्रिया 16 जुलाई को बीजिंग में चीन के उप विदेश मंत्री मियाओ देयू और तुर्की की उप विदेश मंत्री बेरीस एकिनजी के बीच हुई राजनीतिक वार्ता के बाद सामने आई। चीनी विदेश मंत्रालय के अनुसार, बैठक में दोनों देशों ने कानून प्रवर्तन और सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की। वहीं तुर्की ने 'वन चाइना' नीति के प्रति अपना समर्थन दोहराते हुए कहा कि वह अपनी जमीन का इस्तेमाल चीन की संप्रभुता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ नहीं होने देगा।

ईटीजीई ने इस वार्ता की आलोचना करते हुए कहा कि यह उइगर, कजाख, किर्गिज और अन्य

तुर्की समुदायों के साथ दशकों से हो रहे विश्वासघात का नया अध्याय है। संगठन का आरोप है कि शिनजियांग एक 'कब्जे वाला क्षेत्र' है और वहां चीन दमनकारी नीतियां लागू कर रहा है।

निर्वासित सरकार ने कहा कि यह 'कूटनीति नहीं, बल्कि मिलीभगत' है। उसके अनुसार, पिछले लगभग तीन दशकों से तुर्किये चीन के साथ मिलकर ईस्ट तुर्किस्तान के स्वतंत्रता आंदोलन की निगरानी, उसे कमजोर करने और उसके समर्थकों पर दबाव बनाने में सहयोग कर रहा है।

ईटीजीई के विदेश मंत्री सालिह हुदायर ने कहा कि उन्होंने पहले तुर्की से ईस्ट तुर्किस्तान के लोगों के पक्ष में आवाज उठाने की अपील की थी, लेकिन इसके बजाय अंकारा चीन के साथ अपना सहयोग बढ़ा रहा है।

संगठन ने आरोप लगाया कि इस सहयोग के कारण विदेशों में रह रहे ईस्ट तुर्किस्तानी शरणार्थियों और प्रवासी समुदाय पर दबाव बढ़ रहा है तथा उनके स्वतंत्रता आंदोलन को कमजोर किया जा रहा है।

ईटीजीई ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तुर्की की कथित भूमिका की निंदा करने, शिनजियांग में मानवाधिकार उल्लंघनों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने और ईस्ट तुर्किस्तान के लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन करने की अपील की।

खाड़ी देशों में मौजूद वो 5 बंदरगाह कौन से जिन पर ईरानी हमले का खतरा!

एजेंसी

तेहरान/वाशिंगटन । अमेरिका ने ईरान के चाबहार पोर्ट पर ताबड़तोड़ हमले किए। इस हमले के जवाब में ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों की मेजबानी करने वाले देशों को जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। स्थानीय मीडिया के अनुसार निशाने पर पांच प्रमुख बंदरगाह हैं। आईआरजीसी का कहना है कि जिन देशों की जमीन का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ हमलों के लिए किया जा रहा है, उन्हें अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए सिविल डिफेंस व्यवस्था सक्रिय करनी चाहिए और संभावित सैन्य ठिकानों से लोगों को दूर ले जाना चाहिए। ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी ने दावा किया है कि चाबहार बंदरगाह से जुड़े घटनाक्रम के बाद ईरान जवाबी कार्रवाई में क्षेत्र के उन पांच प्रमुख बंदरगाहों को निशाना बना सकता है, जिनका संबंध अमेरिका के सैन्य या कारोबारी हितों से माना जाता है। संभावित निशाने पर बताए गए बंदरगाहः संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का जेबेल अली पोर्ट, बहरीन का मीना सलमान पोर्ट, कुवैत का शुआइबा पोर्ट, कतर का हमाद पोर्ट और सऊदी अरब का किंग फहद इंडस्ट्रियल पोर्ट हैं। इस बीच, ईरान की अर्ध-सरकारी तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, आईआरजीसी ने दावा किया कि उसने ड्रोन और मिसाइलों से कुवैत स्थित अमेरिकी सैन्य लॉजिस्टिक्स हब कैंप अरिफजान पर हमला किया, जिसमें अमेरिकी कर्मियों के हताहत होने का दावा किया गया है। इसके अलावा, अली अल सलेम एयर बेस को भी निशाना बनाने का दावा किया गया है। आईआरजीसी के अनुसार, इस हमले में एयर बेस की रडार प्रणाली, हथियार रखरखाव हैंगर और ड्रोन फैसिलिटी को नुकसान पहुंचाया गया। आईआरजीसी ने ये भी दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट में दो तेल टैंकरों में धमाका हुआ है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की गलत जानकारी के कारण दोनों टैंकर समुद्र में बिछी माइंस से टकराने के बाद आग की चपेट में आ गए।

अमेरिकी चुनाव प्रणाली पर ट्रंप का बड़ा कदम, चीनी हस्तक्षेप से जुड़े खुफिया रिकॉर्ड जारी करने के निर्देश

एजेंसी

वॉशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुफिया और कानून प्रवर्तन से जुड़े दस्तावेजों के एक बड़े संग्रह को सार्वजनिक करने का आदेश दिया है। ट्रंप का दावा है कि ये दस्तावेज अमेरिकी मतदाताओं के डेटा में चीनी सेंधमारी, चुनाव में विदेशी हस्तक्षेप के खतरों और देश की चुनावी व्यवस्था की गंभीर कमियों को उजागर करते हैं। ट्रंप ने गुरुवार रात देशभर में प्रसारित एक भाषण में कहा, 'आज रात, मैं हमारे चुनावी इंफ्रास्ट्रक्चर में मौजूद चौंकाने वाली कमियों को उजागर करने वाली अहम खुफिया जानकारी को तुरंत सार्वजनिक करने और जारी करने की घोषणा कर रहा हूं।' ट्रंप ने कहा कि ये दस्तावेज़ व्हाइट हाउस की 'गवर्नमेंट ट्रांसपेरेंसी टास्क फोर्स' ने तैयार किए थे और राष्ट्रपति के 'इंटेलिजेंस एडवाइजरी बोर्ड' तथा वरिष्ठ खुफिया अधिकारियों की मदद से इनकी समीक्षा की गई थी।

उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड्स के पहले समूह से पता चला है कि चीन ने 22 करोड़ अमेरिकी वोटरों की फाइलें हासिल कर ली थीं। इन फाइलों में नाम, पते, टेलीफोन नंबर, राजनीतिक जुड़ाव और ऐसी अन्य जानकारी शामिल थी, जिसका इस्तेमाल चुनाव से जुड़े कामों में किया जा सकता था।

व्हाइट हाउस की एक अलग टास्क फोर्स के बयान में कहा गया कि राज्य-विशेष जुड़ाव के बिना 20 करोड़ से अधिक वोटर रिकॉर्ड्स की सुरक्षा में सेंध लगी थी, जबकि कम से कम 18 राज्यों से जुड़े रिकॉर्ड्स भी प्रभावित हुए थे। बयान में सार्वजनिक रूप से 16 क्षेत्रों की पहचान की गई, जिनमें अलास्का, अर्कांसस, कोलोराडो, कनेक्टिकट, फ्लोरिडा, जॉर्जिया, मैरीलैंड, मिशिगन, न्यूयॉर्क, नॉर्थ कैरोलिना और ओहियो शामिल हैं।

ट्रंप ने इंटेलिजेंस कम्युनिटी के अधिकारियों पर चीन की गतिविधियों के बारे में जानकारी छिपाने का आरोप लगाया और कहा कि उनके पहले कार्यकाल के दौरान उन्हें यह जानकारी नहीं दी गई थी।

उन्होंने 'ऑफिस ऑफ द डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस', जस्टिस डिपार्टमेंट, एफबीआई और सीआईए से इस बात की जांच करने को कहा कि कथित तौर पर यह जानकारी क्यों छिपाई गई। उन्होंने यह भी मांग की कि किसी भी गलत काम में शामिल अधिकारियों को नौकरी से निकाला जाए और जहां जरूरी हो, उन पर कानूनी कार्रवाई की जाए।

जारी किए गए रिकॉर्ड में ऐसी रिपोर्टें शामिल हैं, जिनमें आरोप लगाया गया है कि चीन ने ट्रंप को राजनीतिक रूप से कमजोर करने, अमेरिकी बिजनेस लीडर्स और पत्रकारों को प्रभावित करने और अमेरिका में नस्लीय, आर्थिक, इमिग्रेशन और पार्टी-आधारित मतभेदों का फायदा उठाने की कोशिश की।

पाकिस्तान में पेट्रोल और डीजल महंगाः अब रोजाना तय होंगी ईंधन की कीमतें, डीलर्स ने किया विरोध

एजेंसी

इस्लामाबाद । ईरान-अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल और हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। सरकारी फरमान जारी किया गया है जिसके मुताबिक अब ईंधन की कीमतें रोजाना तय की जाएंगी। इस ऐलान का जमीन पर विरोध भी दिखने लगा है। सरकार ने पेट्रोल 5.44 पीकेआर (पाकिस्तानी रुपये) प्रति लीटर और डीजल 31.05 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर महंगा किया है। नई दरें शनिवार से लागू हो गई और ये 20 जुलाई तक प्रभावी रहेंगी। बढ़ोतरी के बाद पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत 316.15 रुपये प्रति लीटर और हाई-स्पीड डीजल की कीमत 354.35 रुपये प्रति लीटर हो गई है। पाकिस्तान के प्रमुख अंग्रेजी दैनिक डॉन ने बताया कि पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने घोषणा की कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव और ईरान-अमेरिका तनाव के कारण अब देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें रोजाना तय की जाएंगी।

उन्होंने बताया कि वजीर-ए-आजम और केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ऑयल एंड गैस रेगुलेटरी अथॉरिटी (ओजीआरए) को अंतरराष्ट्रीय बाजार के आधार पर प्रतिदिन ईंधन की कीमतें तय करने की जिम्मेदारी सौंपी है। ओजीआरए अब अपनी वेबसाइट पर कीमतों के साथ-साथ उनके निर्धारण के आधार भी सार्वजनिक करेगा। मार्च की शुरुआत से पाकिस्तान सरकार हर सप्ताह ईंधन की कीमतों की समीक्षा कर रही थी। साथ ही, मध्य पूर्व में संघर्ष के चलते संभावित तेल आपूर्ति संकट को देखते हुए ईंधन बचत के उपाय और अप्रैल में लक्षित ईंधन सब्सिडी भी लागू की गई थी।

सरकार फिलहाल पेट्रोल और डीजल पर लगभग 105 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर विभिन्न करों और शुल्कों के रूप में वसूल रही है। इसमें कस्टम ड्यूटी, पेट्रोलियम लेवी, क्लाइमेट सपोर्ट लेवी और इनलैंड फ्रेट इक्वलाइजेशन मार्जिन (आईएफईएम) शामिल हैं। ऑल पाकिस्तान डीलर्स एसोसिएशन ने ईंधन की कीमतें रोजाना तय करने के फैसले का विरोध किया है। संगठन ने कहा कि वह अगले सप्ताह इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन की रणनीति तैयार करेगा।

ईरान ने सीरिया में यूएस कमांड सेंटर को बनाया निशाना, कुवैत-ओमान में कई जगहों पर हमले का किया दावा

एजेंसी

तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच हमलों का दौर फिर से शुरू हो चुका है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने सीरिया में अमेरिकी स्पेशल ऑपरेशन कमांड सेंटर, कुवैत में अमेरिकी हथियार डिपो एंड लॉन्चर और ओमान में रडार साइट्स पर जवाबी हमले किए। आईआरजीसी ने कहा कि ऑपरेशन नस्र-2 की 11वीं, 12वीं और 13वीं लहर के दौरान हमले शुरू हुए थे। 11वीं राउंड का हमला ईरानशहर के बामपुर के शहीद सैनिकों को समर्पित थी। ईरान की आधिकारिक इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) ने बताया इस ऑपरेशन के दौरान, सेना ने सीरिया के अल-तनफ इलाके में अमेरिकी स्पेशल फोर्स के कमांड सेंटर पर अचानक हमला किया। एक अलग बयान में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के जनसंपर्क विभाग ने दावा किया कि ईरानी बलों ने जवाबी सैन्य कार्रवाई शुरू कर दी है। आईआरजीसी के अनुसार, पहले हमले में एक मिसाइल रक्षा निगरानी रडार, अमेरिकी हथियारों के कई भंडार, दो एचआईएमएआरएस लॉन्चर और कई मिसाइलों को निशाना बनाया गया, जिससे कुवैत में अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी वाले एक सैन्य अड्डे पर भीषण आग लग गई।

अमेरिका ने ईरान पर लगातार सातवीं रात किए हवाई हमले, होर्मुज को लेकर बढ़ा तनाव

एजेंसी

वाशिंगटन/तेहरान । अमेरिका ने रात ईरान पर लगातार सातवीं रात हवाई हमले किए। अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के मुताबिक, देर रात (भारतीय समयानुसार) शुरू हुए इन हमलों का उद्देश्य ईरान की सैन्य क्षमताओं को और कमजोर करना था। ईरानी मीडिया के अनुसार, सिरिक, अहवाज और यज्द शहरों में धमाकों और हवाई हमलों की आवाजें सुनी गईं। देर रात इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट में दो तेल टैंकर बारूदी सुरंगों (माइंस) से टकराने के बाद विस्फोट का शिकार हुए। हालांकि, अमेरिकी सेना ने इस दावे को पूरी तरह गलत बताया।

शनिवार को आईआरजीसी ने दावा किया कि उसने बहरीन के शेख ईसा एयर बेस पर उस स्थान को निशाना बनाया, जहां अमेरिकी लड़ाकू विमान तैनात थे। इसके अलावा, बहरीन के बटेलको इंटेलिजेंस डेटा सेंटर पर भी हमला करने का दावा किया गया। आईआरजीसी ने यह भी कहा कि उसने कुवैत के अल-अहमदी पोर्ट स्थित अमेरिकी नौसैनिक ईंधन सपोर्ट पियर और अमेरिकी सिग्नल एवं संचार केंद्र को निशाना बनाया। ईरानी मिसाइल और ड्रोन हमलों के खतरे के बीच कुवैत ने एहतियातन अपने अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन अस्थायी रूप से रोक दिया।

ईरान की सरकारी टीवी के मुताबिक, अमेरिकी हवाई हमलों में दक्षिणी होरमोजगान प्रांत के कई पुलों को निशाना बनाया गया, जिसमें 7 लोगों की मौत हुई। ये पुल ईरान के सबसे बड़े बंदरगाह, बंदर अब्बास, तक पहुंचने के लिए महत्वपूर्ण मार्ग माने जाते हैं। इसके अलावा, चाबहार बंदरगाह पर स्थित एक टावर भी अमेरिकी हमले में गिरा दिया गया। अमेरिकी सेना का दावा है कि इस टावर का इस्तेमाल आईआरजीसी होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर हमलों को संचालित करने के लिए कर रही थी। अमेरिका ने ईरान के बिजली ढांचे और इरानशहर हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया। ईरान के ऊर्जा मंत्रालय ने नागरिकों से बिजली और एयर कंडीशनर का कम उपयोग करने की अपील की है। मंत्रालय के अनुसार, ऊर्जा ढांचे पर हमलों और भीषण गर्मी के कारण दक्षिणी इलाकों में बिजली व्यवस्था पर भारी दबाव है। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता हुसैन केरमनपुर के अनुसार, शुक्रवार सुबह तक अमेरिकी हमलों में करीब 38 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 400 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच जारी यह संघर्ष अब सातवें दिन में प्रवेश कर चुका है। दोनों देशों के बीच पहले हुआ अंतरिम समझौता, जिसका उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखना और स्थायी युद्धविराम की दिशा में बातचीत करना था, अब लगभग निष्प्रभावी होता दिखाई दे रहा है। ईरान ने स्ट्रेट को बंद कर दिया है, जबकि अमेरिका ने बुधवार को ईरानी बंदरगाहों और जहाजों पर अपनी नाकेबंदी फिर से लागू कर दी।

page 1 and 8 July 19_page 1 Mar 25 final ds.qxd 7/19/2026 1:20 AM Page 2

बिना टिकट यात्रा पर रोक के लिए जम्मू स्टेशन पर फोर्ट्रेस चेक - 32 मामले पकड़े

***जम्मू, 18 जुलाई ।** यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं आरक्षित यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने तथा रेल राजस्व की सुरक्षा के उद्देश्य से द्वउत्तर रेलवे, जम्मू मंडलद्व द्वारा आज दिनांक 18 जूलाई को जम्मू रेलवे स्टेशन पर एक विशेष फोर्ट्रेस चेक अभियान चलाया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों पर नकेल कसना था। इस अभियान में टिकट चेकिंग स्टाफ, आरपीएफ, जीआरपी व स्काउट एंड गाइड्स के भी सदस्य उपस्थित रहे। अभियान के दौरान स्टेशन के सभी प्रवेश एवं निकास द्वारों, प्लेटफार्मों, फुटओवर ब्रिज एवं ट्रेनों में बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा करने वाले यात्रियों की गहन जांच की गई।

इस अभियान के दौरान कुल 32 बिना टिकट वाले यात्री मामले पकड़े गए और नियमानुसार 23,630 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। बिना वैध टिकट यात्रा करते पाए गए यात्रियों को भविष्य में वैध टिकट लेकर यात्रा करने की चेतावनी भी दी गई।

इस प्रकार के अभियान से रेलवे को कई प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होते हैं। पहला, वैध टिकट वाले यात्रियों को सीट एवं अन्य सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हो पाती हैं और भीड़भाड़ में कमी आती है। दूसरा, रेलवे के राजस्व में वृद्धि होती है जिसका उपयोग यात्री सुविधाओं के विकास एवं रखरखाव में किया जाता है। तीसरा, बिना टिकट यात्रा पर अंकुश लगने से ट्रेनों में अनुशासन बना रहता है और सुरक्षा व्यवस्था बेहतर होती है।इस अभियान के तहत वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, जम्मू श्री उचित सिंघल ने कहा कि, 卐जम्मू मंडल यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। फोर्ट्रेस चेक का मुख्य उद्देश्य राजस्व संरक्षण के साथ-साथ वैध यात्रियों को आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करना है। जम्मू मंडल यात्रियों से अपील करते हैं कि वे काउंटर या ऋस ऐप से टिकट लेकर ही यात्रा करें। बिना टिकट यात्रा न केवल दंडनीय है, बल्कि इससे अन्य यात्रियों को भी असुविधा होती है।卐

रेल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यात्रियों की सुविधा और राजस्व की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भविष्य में भी जम्मू मंडल के विभिन्न स्टेशनों एवं ट्रेनों में इस प्रकार के औचक जांच अभियान निरंतर चलाए जाते रहेंगे।

पिछली सरकारें अभी होतीं तो बंद हो गया होता यूपी का चीनी उद्योग : मुख्यमंत्री

*सीएम योगी ने किया अमरोहा व धनौरा विधानसभा क्षेत्र के लिए 207 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 43 परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास

अमरोहा, 18 जुलाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि 2017 से पहले विकास, औद्योगिक निवेश व किसानों को गन्ना भुगतान संभव नहीं था। 2007 से 2017 के बीच सरकारों ने 29 चीनी मिलों को बंद किया था और 21 चीनी मिलों को औने-पौने दाम पर बेच दिया था। यदि वे सरकारें अभी होतीं तो अब तक यूपी का चीनी उद्योग बंद हो चुका होता। डबल इंजन की भाजपा सरकार 122 चीनी मिलों का संचालन कर रही है। 3.23 लाख करोड़ रुपये का गन्ना मूल्य भुगतान किया गया है। गन्ना मूल्य भी बढ़कर 400 रुपये प्रति कुंतल हो गया है। यूपी अब चीनी, गन्ना, एथेनॉल उत्पादन करने वाला नंबर-वन राज्य है।

सीएम योगी शनिवार को वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, गजरौला में अमरोहा व धनौरा विधानसभा क्षेत्र के लिए 207 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 43 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करने के उपरांत जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर जनपद के आध्यात्मिक इतिहास व महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अमरोहा को अब कोई पिछड़ा नहीं कहेगा। इसने हस्तशिल्प व कारीगरी के माध्यम से दुनिया में अपना लोहा मनवाया है। ओडीओपी के जरिए अमरोहा के तबला व ढोलक की पहचान बनी है। यहां का किसान आम की उपज को वैश्विक बाजार में पहुंचा रहा है। मध्य गंगा नहर परियोजना भी पूरी हो रही है। गंगा एक्सप्रेसवे ने राह आसान कर दी है। 10 साल पहले कोई सोच नहीं सकता था कि अमरोहा से दिल्ली, लखनऊ, प्रयागराज की दूरी कम हो पाएगी। अब अमरोहा से हरिद्वार की दूरी भी आसान बनाएंगे और किसानों को जमीन का अच्छा दाम देंगे। विकास के नए प्रतिमान पर स्थापित हो रहा अमरोहा अपनी नई पहचान बनाएगा। औद्योगिक विकास के लिए हसनपुर में बन रहा पार्क जनपद को नई ऊंचाई देगा।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में आगामी 50-100 वर्ष की योजना को लेकर विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया है। अब नौजवान बेरोजगार नहीं होगा, पलायन नहीं करेगा। 2017 के बाद से यूपी में सुरक्षा, सुशासन के साथ समृद्धि बरस रही है। सरकार तिगरी व गढ़ के लिए काम कर रही है। मां गंगा तिगरी की तरफ कुछ बढ़ रही हैं, इसलिए सिंचाई विभाग को निर्देश दिया गया है कि गंगाजी को चैनलाइज कर तिगरी व गढ़ मेले के स्वरूप को और भव्य करो, जिससे यह पश्चिमी उप्र में माघ व कुंभ मेले की तरह चमकता दिखे।

सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले आस्था पर प्रहार होता था। कांवड़ यात्रा, दुर्गा पूजा, रामनवमी की शोभायात्रा, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर रोक लगाई जाती थी। जयश्रीराम कहने पर लाठी-डंडे चलते थे और सरकारें मौन रहती थीं लेकिन अब किसी त्योहार पर रोक नहीं है, बल्कि सरकार आस्था का सम्मान करते हुए हरसंभव सहयोग करती है।

सीएम ने जनपदवासियों से कहा कि सरकार जनप्रतिनिधियों के हर प्रस्ताव को धरातल पर उतार रही है। विकास कार्यों के लिए पैसे की कमी नहीं है, लेकिन इसके लिए समय, सोच, संवेदना, नीति और नीयत चाहिए। पिछली सरकारों में हर जनपद में दंगे होते थे, लोग असुरक्षित थे। हमने कहा कि सुरक्षा में सेंध लगाने वालों के लिए जेल या जहन्नुम ही जगह है। हमारी सरकार ने माफिया को मिट्टी में मिलाने का काम किया।

सीएम ने कहा कि यूपी अब सुरक्षा का मॉडल दे रहा है। सुरक्षा सुशासन लाती है। सुशासन निवेश और निवेश समृद्धि लेकर आता है। अब हर भर्ती में अमरोहा-धनौरा का नौजवान भी नियुक्ति पत्र पाता है, लेकिन पहले रामपुर व सैफई का सिडिंकेट नौकरियों में डकैती डालता था। अब आपकी अपनी सरकार है, कोई हक पर डकैती नहीं डाल सकता। 2017 में महेंद्र खड़गवंशी के प्रचार में आया था तो लोग एक मंत्री के आतंक से भयभीत थे। तब मैंने कहा था कि भाजपा सरकार आएगी तो ये सभी दुम दबाकर बिल में घुसकर ही खुद को सुरक्षित कर पाएंगे। अब यहां किसी का भय या आतंक नहीं।

मुख्यमंत्री ने पूर्व क्रिकेटर व पूर्व मंत्री चेतन चौहान को भी याद किया। कहा कि वह नौगावां सादात व जनपद में खेल, विकास को बढ़ाने के लिए समर्पित थे। एनडीए सरकार चौधरी चरण सिंह के सपनों को साकार कर रही है। हर तबके को बिना भेदभाव सभी योजनाओं का लाभ मिल रहा है, जबकि 2017 के पहले यह संभव नहीं था।

स्थानीय समाचार

जिला विकास आयुक्त ने जम्मू कश्मीर ग्रामीण रोजगार सृजन योजना आवेदकों का साक्षात्कार किया आयोजित

अनंतनाग, 18 जुलाई (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर खादी और ग्राम उद्योग बोर्ड अनंतनाग ने आज जिला विकास आयुक्त कार्यालय अनंतनाग में जम्मू-कश्मीर ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत आवेदकों का साक्षात्कार आयोजित किया।गवाही सत्र जिला विकास आयुक्त डॉ. बिलाल मोहिउद्दीन भट की अध्यक्षता में सीपीओ, प्रतिनिधि जीएम डीआईसी, डीओ केवीआईबी, एलडीएम और जिला स्तरीय कार्य बल समिति के अन्य सदस्यों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। गवाही सत्र से पहले कुल 30 ऑनलाइन आवेदनों पर विचार किया गया। इनमें से 25 उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए उपस्थित हुए और निर्धारित औपचारिकताओं को पूरा करने के अधीन जेकेआरईजीपी योजना के तहत उन्हें मंजूरी दी गई। डीडीसी ने इच्छुक उद्यमियों को स्वरोजगार उद्यम स्थापित करने और सक्रिय रोजगार प्रदाता बनने के लिए जेकेआरईजीपी योजना का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह योजना रोजगार सृजन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जिला प्रशासन की ओर से लाभार्थियों को ऋण सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करके सतत आजीविका के अवसर और उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए जिला उपायुक्त ने कहा कि कई स्वरोजगार सरकारी योजनाएं लागू की जा रही हैं और उन्होंने सदस्यों को योजना के नियमों और दिशानिर्देशों के अनुरूप स्वीकृति प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया।

चड़वाल व लखनपुर में गो तस्करी नाकाम-22 पशु बचाए, दो कैंटर जब्त

कठुआ, 18 जुलाई (हि.स.)। जिले में गो-तस्करी के खिलाफ सख्ती जारी रखते हुए पुलिस ने चड़वाल और लखनपुर क्षेत्रों में दो अलग-अलग कार्रवाइयों में 22 गोवंश को बचाते हुए दो कैंटर जब्त किए हैं। दोनों मामलों में चालक मौके से फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार चड़वाल में नाका चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध कैंटर नंबर एचपी95-0871 को रोका गया जिसका चालक वाहन छोड़कर भाग निकला। तलाशी में वाहन से 6 गोवंश बरामद किए गए। इस संबंध में थाना राजबाग में एफआईआर नंबर 165/2026 धारा 223 बीएनएस व 11 पीसीए एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसी प्रकार लखनपुर में नाके पर एक अन्य कैंटर नंबर एचपी91-228 को रोका गया जिसका चालक भी फरार हो गया। वाहन की जांच में 16 पशु बरामद किए गए। इस मामले में थाना लखनपुर में एफआईआर नंबर 77/2026 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

12 दिन बाद किशनगंगा से लापता 10 साल के लड़के का शव मिला

बांदीपोरा, 18 जुलाई (हि.स.)। इस महीने की शुरुआत में गुरेज में किशनगंगा नदी में डूबे 10 साल के लड़के का शव शनिवार को लगभग 12 दिनों तक लापता रहने के बाद बरामद किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि लापता लड़के का शव शनिवार दोपहर कंज़लवान इलाके में बांध स्थल के पास देखा गया।

उन्होंने बताया कि लड़का 6 जुलाई को तुलेल के शेखपोरा के पास किशनगंगा नदी में डूब गया था जिसके बाद पुलिस, बचाव दलों और स्थानीय स्वयंसेवकों ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया था। मृतक की पहचान तुलेल, बांदीपोरा के रहने वाले बाबर बशीर (10) के रूप में हुई है। कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद शव परिवार को सौंप दिया गया है।

जम्मू-कश्मीर न्यायिक अकादमी में सिविल जजों एवं न्यायिक अधिकारियों के लिए 33वें दिन का प्रशिक्षण आयोजित

श्रीनगर, 18 जुलाई। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एवं जम्मू-कश्मीर न्यायिक अकादमी की संचालन समिति के संरक्षक-प्रमुख न्यायमूर्ति संजीव कुमार के संरक्षण तथा जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं संचालन समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति रजनीश ओसवाल के मार्गदर्शन में जम्मू-कश्मीर न्यायिक अकादमी ने आज मोमिनाबाद, श्रीनगर स्थित अकादमी परिसर में प्रशिक्षु सिविल जज (जूनियर डिवीजन), बैच-2026 के लिए पूर्व-नियुक्ति प्रारंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के 33वें दिन के शैक्षणिक सत्र तथा बैच-2020 के न्यायिक अधिकारियों के लिए सतत न्यायिक शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया। प्रात:कालीन सत्रों का संचालन भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजेश बिंदल ने किया। उन्होंने 卐न्याय प्रशासन में प्रौद्योगिकी卐 तथा न्यायाधीशों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषयों पर व्याख्यान दिया। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति राजेश बिंदल ने कहा कि न्याय प्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और सुलभ बनाने में प्रौद्योगिकी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने न्यायपालिका के डिजिटल और पेपरलेस अदालतों की ओर बढ़ते कदमों पर प्रकाश डालते हुए नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड , इलेक्ट्रॉनिक सुप्रीम कोर्ट रिपोर्ट्स तथा भाषिणी) जैसे तकनीकी प्लेटफॉर्म का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रतिभागियों को इन प्लेटफॉर्मों की उपयोगिता से अवगत कराया और बताया कि इनका उपयोग न्यायिक कार्यों, विधिक अनुसंधान तथा आम लोगों को न्याय तक बेहतर पहुंच उपलब्ध कराने में किस प्रकार किया जा सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आयोजित सत्र के दौरान न्यायमूर्ति बिंदल ने एआई की अवधारणा समझाते हुए इसके उपयोग को विधिक अनुसंधान, निर्णय लेखन में सहायता, प्रारूप तैयार करने, सारांश तैयार करने तथा प्रतिलेखन जैसे कार्यों में प्रदर्शित किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि एआई केवल एक सहायक तकनीक है और यह किसी भी स्थिति में न्यायाधीश की स्वतंत्र न्यायिक सोच और विवेक का स्थान नहीं ले सकती। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों से तकनीक को जिम्मेदारी और नैतिकता के साथ अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि न्यायिक निर्णय लेने की अंतिम जिम्मेदारी सदैव न्यायाधीश की ही रहेगी। दोपहर के सत्रों का संचालन जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के न्यायाधीश तथा जम्मू-कश्मीर न्यायिक अकादमी की संचालन समिति के सदस्य न्यायमूर्ति राहुल भारती ने किया। उन्होंने बैच-2020 के न्यायिक अधिकारियों और बैच-2026 के प्रशिक्षु सिविल जजों को संबोधित करते हुए कहा कि न्यायिक सेवा का मूल आधार निरंतर अध्ययन, बौद्धिक अनुशासन तथा न्यायिक दायित्वों के प्रति पूर्ण गंभीरता है। अपने अधिवक्ता जीवन तथा वरिष्ठों से प्राप्त अनुभवों का उल्लेख करते हुए न्यायमूर्ति राहुल भारती ने कहा कि प्रत्येक न्यायिक अधिकारी को कानून, विधिक इतिहास, न्यायशास्त्र तथा समय-समय पर विकसित हो रहे न्यायिक निर्णयों का नियमित अध्ययन करने की आदत विकसित करनी चाहिए।

एनसीबी ने 5 संदिग्ध मादक पदार्थों के पैकेट बरामद किए, एक व्यक्ति गिरफ्तार

पुंछ, 18 जुलाई (विनोद दत्ता)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने शनिवार को जिला पुंछ की तहसील हवेली के गांव कोसल्यां में सीमा बाड़ (बॉर्डर फेंस) के निकट चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान 5 संदिग्ध मादक पदार्थों के पैकेट बरामद किए। इस कार्रवाई में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया।

अधिकारियों के अनुसार, तलाशी अभियान के दौरान एनसीबी की टीम ने मनीर हुसैन पुत्र साईं, निवासी कोसल्यां, को संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर रोका और उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 5 संदिग्ध मादक पदार्थों के पैकेट बरामद हुए।

एनसीबी ने आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। प्रारंभिक पूछताछ जारी है। बरामद मादक पदार्थों के स्रोत तथा इन्हें कहां पहुंचाया जाना था, इसका पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जा रही है।

एनसीबी अधिकारियों ने बताया कि मामले की गहन जांच जारी है और जांच पूरी होने के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सतीश शर्मा ने 'राइड विद प्राइड 3.0' अखिल महिला मोटरबाइक अभियान को दिखाई हरी झंडी

जम्मू, 18 जुलाई। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, सूचना प्रौद्योगिकी, युवा सेवा एवं खेल तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री सतीश शर्मा ने आज शक्ति उद्घोष फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'राइड विद प्राइड 3.0 - वीरगाथा- कथा अमर बलिदानियों की' अखिल महिला मोटरबाइक अभियान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह अभियान कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।इस अवसर पर नागरोटा विधायक देवयानी राणा भी उपस्थित रहीं। उन्होंने महिलाओं की साहसिक खेलों में भागीदारी बढ़ाने तथा देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहित करने वाली इस पहल की सराहना की। यह अभियान बलिदान स्तंभ, जम्मू से शुरू होकर बिलावर, बनी और भद्रवाह होते हुए पुन: जम्मू लौटेगा। यात्रा के दौरान प्रतिभागी शहीदों के परिजनों से मुलाकात करेंगे, महत्वपूर्ण स्थलों का दौरा करेंगे तथा साहस, बलिदान, महिला सशक्तिकरण और राष्ट्रीय एकता का संदेश देंगे। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सतीश शर्मा ने आयोजकों और महिला राइडरों को देश के वीर शहीदों की स्मृति को समर्पित इस अनूठे अभियान के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह अभियान भारतीय सशस्त्र बलों के अद्वितीय शौर्य को समर्पित एक सशक्त श्रद्धांजलि है तथा यह इस बात का प्रेरक उदाहरण है कि महिलाएं कठिन साहसिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी कर नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं में देशभक्ति, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं तथा नागरिकों और शहीद परिवारों के बीच संबंधों को और मजबूत बनाते हैं। उन्होंने कहा कि देश के वीर सैनिकों का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता और उनकी विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। खेलों और साहसिक गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर सरकार युवाओं, विशेषकर महिलाओं, के लिए खेल, फिटनेस और नेतृत्व आधारित गतिविधियों में भागीदारी का अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सकीना इटू ने डी.के. मार्ग कुलगाम में जिला स्तरीय किसान जागरूकता कार्यक्रम की अध्यक्षता की

कुलगाम, 18 जुलाई। शिक्षा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्री सकीना इटू ने आज डी.एच. पोरा के डी.के. मार्ग में केंद्रीय प्रायोजित योजना 'एकीकृत बागवानी विकास मिशन के अंतर्गत बागवानी विभाग कुलगाम द्वारा आयोजित जिला स्तरीय किसान जागरूकता कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

कार्यक्रम का उद्देश्य बागवानों और किसानों को आधुनिक बागवानी तकनीकों, वैज्ञानिक उपायों तथा किसानों की उत्पादकता और आय बढ़ाने के लिए संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक करना था।

इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि किसानों की उत्पादकता बढ़ाने और उनकी आजीविका में सुधार के लिए उन्हें उचित तकनीकी मार्गदर्शन और निरंतर संस्थागत सहयोग उपलब्ध कराना आवश्यक है।

मंत्री ने बागवानी विभाग तथा अन्य संबद्ध विभागों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी स्टॉलों का भी निरीक्षण किया।

इन स्टॉलों पर विभागीय योजनाओं, आधुनिक तकनीकों तथा किसानों के लिए उपलब्ध सेवाओं की जानकारी दी गई, जबकि तकनीकी विशेषज्ञों ने मौके पर ही किसानों की समस्याओं का समाधान किया और उनके प्रश्नों के उत्तर दिए।

अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त ने मिशन युवा की प्रगति की समीक्षा की

जम्मू, 18 जुलाई अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त (इुस्रस्रष) जम्मू शेर सिंह ने आज जिले में मिशन युवा के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन द्वारा निर्धारित सभी प्रमुख मानकों पर मिशन की सफलता सुनिश्चित करने की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान इुस्रस्रष ने जिले में मिशन युवा के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की तथा अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रयास तेज करने के निर्देश दिए।

उन्होंने विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय, क्षेत्र स्तर पर सक्रिय जनसंपर्क अभियान तथा नियमित निगरानी पर बल दिया ताकि अधिक से अधिक पात्र युवा इस प्रमुख स्वरोजगार योजना का लाभ उठा सकें।

बैठक में योजना के क्रियान्वयन को और अधिक प्रभावी बनाने तथा इच्छुक उद्यमियों के लिए योजना तक सरल पहुंच सुनिश्चित करने के उपायों पर भी चर्चा की गई।

इसके अलावा उद्यम जागृति के माध्यम से जम्मू जिले की लगभग 21 हजार लखपति दीदियों को मिशन युवा से जोड़कर उन्हें वित्तीय एवं संस्थागत सहायता उपलब्ध कराने तथा उनके उद्यमों का विस्तार करने की रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में जम्मू के अधिक से अधिक खुदरा व्यापारिक प्रतिष्ठानों को मिशन युवा सेलर ऐप से जोड़ने पर भी चर्चा की गई, ताकि उन्हें डिजिटल व्यापार और बाजार तक बेहतर पहुंच मिल सके।

बैठक में उपमंडल मजिस्ट्रेट, सहायक आयुक्त विकास दानिश रसूल, खंड विकास अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया। उन्होंने योजना के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए जमीनी स्तर पर इसके क्रियान्वयन से जुड़े अनुभव और सुझाव भी साझा किए।

इसके बाद अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें मिशन युवा के तहत 253 नए मामलों को मंजूरी प्रदान की गई। समिति ने प्रत्येक प्रस्ताव की विस्तृत जांच के बाद स्वीकृति दी।

बैठक में उप निदेशक रोजगार सुनीना सैनी, सहायक आयुक्त विकास दानिश रसूल मीर, सहायक पुलिस आयुक्त जम्मू, सहायक निदेशक रोजगार मुख्लिस अली, सहायक श्रम आयुक्त रूपाली जसरोतिया, लीड जिला प्रबंधक (द्यस्रद्व) अजय थप्पा सहित समिति के अन्य सदस्य एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।